- बंगाल में भाजपा दुर्गा स्क्वाड बनाएगी, 7वां वेतन आयोग लागू करेगी : राजनाथ -7

- कोर सेक्टर का उत्पादन मार्च में 0.4 प्रतिशत गिरा पांच महीने की बढ़त पर लगी रोक -8

- प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन से ऐन पहले राजस्थान की रिफाइनरी में भीषण आग -9

- दिल्ली के खिलाफ घरेलू परिस्थितियों का लाभ लेना चाहेगा सनराइजर्स हैदराबाद -12

आज का मौसम

41.0° अधिकतम तापमान

25.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.42

सूर्यास्त 06.40

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष पंचमी 01:20 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 21 अप्रैल 2026, वर्ष 36, अंक 73, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

भारत-द. कोरिया के बीच 15 समझौते, 2030 तक 50 अरब डॉलर का व्यापार लक्ष्य तय

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ली की वार्ता में आर्थिक सुरक्षा संवाद और शिपयार्ड उन्नयन पर बनी सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और दक्षिण कोरिया ने सोमवार को अपने द्विपक्षीय आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के बीच नई दिल्ली में हुई उच्च स्तरीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को लगभग दोगुना कर 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। प्रधानमंत्री ने जानकारी दी कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार वर्तमान में 27 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है।

इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच कुल 15 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें औद्योगिक सहयोग ढांचा विकसित करने और इस्पात आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने जैसे प्रमुख समझौते शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि कोरियाई कंपनियों, विशेष रूप से एसएमई के भारत में प्रवेश को सुगम बनाने के लिए एक 'कोरियाई औद्योगिक टाउनशिप' स्थापित की जाएगी। साथ ही, वर्ष 2010 से प्रभावी 'व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को अगले साल तक उन्नत करने पर भी सहमति बनी। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच हजारों साल पुराने सांस्कृतिक संबंधों का भी जिक्र किया। उन्होंने अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना और कोरिया के राजा किम सूरो की दो हजार साल पुरानी कहानी को साझा विरासत का हिस्सा बताया। कहा कि आज भारत में के-पॉप और के-ड्रामा लोकप्रिय हो रहे हैं, तो कोरिया में भारतीय सिनेमा को पहचान मिल रही है। इस जुड़ाव को और मजबूत करने के लिए वर्ष 2028 में 'भारत-कोरिया मैत्री महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा।

नई दिल्ली में व्यापार समझौते के दौरान बातचीत करते द. कोरिया के राष्ट्रपति ली और प्रधानमंत्री मोदी।

बढ़ेगा वित्तीय सहयोग, फिनटेक और निवेश पर चर्चा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को दक्षिण कोरिया के वित्तीय सेवा आयोग के अध्यक्ष ली ओग-वेओन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों देशों के बीच वित्तीय क्षेत्र में साझेदारी मजबूत करने पर सहमति बनी। दोनों नेताओं ने फिनटेक (वित्तीय तकनीक), डिजिटल भुगतान, और स्थानीय मुद्रा में व्यापारिक निपटान जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। इसके अलावा, भारत के राष्ट्रीय निवेश और बुनियादी ढांचा कोष (एनआईआईएफ) और स्टार्टअप के माध्यम से निवेश के अवसरों की पहचान करने पर भी जोर दिया गया।

आर्थिक सुरक्षा-जहाज निर्माण

वार्ता के दौरान नई दिल्ली और सियोल ने आर्थिक सुरक्षा संवाद शुरू करने का निर्णय लिया है, जो महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएगा। विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) पी कुमारन ने बताया कि जहाज निर्माण में साझेदारी के तहत मौजूदा शिपयार्डों के उन्नयन, ब्लॉक फैब्रिकेशन सुविधाओं के विकास और बड़े जहाजों के लिए नया 'ड्राई डॉक' स्थापित करने पर जोर दिया जाएगा। साथ ही, अगली पीढ़ी के स्वायत्त समुद्री क्रेन के संयुक्त निर्माण पर भी विचार कर रहे हैं।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र और वैश्विक स्थिरता

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ली ने प. एशिया संकट पर भी चर्चा की। दोनों पक्षों ने एक शांतिपूर्ण और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए संयुक्त प्रयासों को मजबूत करने का संकल्प लिया, जिसे क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ली ने कहा कि यह उन्नत आर्थिक ढांचा साझा विकास के लिए एक नए इंजन के रूप में काम करेगा। मोदी ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्य और कानून का शासन दोनों देशों के डीएनए में निहित है, जो साझेदारी को भविष्योन्मुखी बनाता है।

अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता पर मंडराया संकट

इस्लामाबाद/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के एक दूसरे को लेकर कड़े तेवर अपनाए जाने के बीच मंगलवार को होने वाली बहुचर्चित शांति वार्ता के दूसरे दौर पर एकदिन पहले सोमवार को अनिश्चितता छाई रही। सोमवार को ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा कि उनके देश ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह अमेरिका के साथ वार्ता के अगले दौर में भाग लेगा या नहीं। इस्लामाबाद में वार्ता से पहले मुनीर बोले- होर्मुज पर अमेरिकी नाकाबंदी रही तो बातचीत मुश्किल

इससे पहले, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालीबाफ ने कहा था कि तेहरान अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखे हुए है, लेकिन नए सिरे से तनाव बढ़ने की आशंकाओं के बीच आवश्यक उपाय करने के लिए तैयार है। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना ने होर्मुज की नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहे एक ईरानी जहाज को निशाना बनाया। सोमवार को तेहरान में बकाई ने कहा, फिलहाल, जब तक मैं आपकी सेवा में हूं, हमारे पास बातचीत के अगले दौर के लिए कोई योजना नहीं है, और इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि अमेरिका कूटनीति को आगे बढ़ाने के बारे में गंभीर नहीं था और उन्होंने दो सप्ताह के युद्धविराम के उल्लंघनों का हवाला दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सोमवार तड़के ईरानी मालवाहक जहाज पर अमेरिकी हमला, ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी ये सभी युद्धविराम का स्पष्ट उल्लंघन थे। इसी बीच ट्रंप ने कहा कि ईरान ने अगर सीजफायर तोड़ा तो बहुत सारे बम फूटने शुरू हो जाएंगे।

- इस्लामाबाद में वार्ता से पहले मुनीर बोले- होर्मुज पर अमेरिकी नाकाबंदी रही तो बातचीत मुश्किल
- अमेरिका ने ईरानी जहाज को कब्जे में लेने का जारी किया वीडियो
- ट्रंप बोले- ईरान ने सीजफायर तोड़ा तो बहुत सारे बम फूटेंगे

ईरान-अमेरिका तनाव और होर्मुज संकट के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

न्यूयॉर्क। ईरान और अमेरिका के बीच जारी गतिरोध के कारण टैंकरों को होर्मुज से गुजरने से रोके जाने के बाद रविवार को शुरुआती कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह फारस की खाड़ी का वह महत्वपूर्ण जलमार्ग है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत अहम माना जाता है। शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज में कारोबार शुरू होने के बाद अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत 6.4 प्रतिशत बढ़कर 87.88 डॉलर प्रति बैरल हो गई। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 6.5 प्रतिशत बढ़कर 96.25 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई।

न्यूज ब्रीफ

गर्मी के चलते बेसिक स्कूलों के समय में हुआ परिवर्तन

लखनऊ, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन संचालित विद्यालयों में गर्मी के प्रकोप को देखते हुए शिक्षण समय में परिवर्तन कर दिया गया है। प्रदेश में गर्मी एवं हीटवेब के दृष्टिगत परिषदीय विद्यालय अब 7.30 बजे से अपरान्ह 1.30 बजे तक संचालित किये जायेंगे। विद्यालय पठन-पाठन हेतु छात्र-छात्राएं 7.30 बजे से अपरान्ह 12.30 बजे तक उपस्थित रहेंगे। जबकि विद्यालय में प्रार्थना सभा, योगाभ्यास 7.30 बजे से 7.40 बजे तक और मध्यावकाश 10 बजे से 10.15 बजे तक रहेगा।

जापान में 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप सुनामी की चेतावनी

तोक्यो। उत्तरी जापान के तटीय क्षेत्र के पास 7.4 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया और जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने स्थिति को देखते हुए सुनामी का अलर्ट जारी किया है। इस भूकंप का केंद्र उत्तरी जापान के सनरिकु तट के पास समुद्र की सतह से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में था। कुजी बंदरगाह पर करीब 80 सेंटीमीटर (2.6 फुट) ऊंची लहरे उठीं, जबकि इसी प्रांत के एक अन्य बंदरगाह पर लगभग 40 सेंटीमीटर (1.3 फुट) ऊंची लहर दर्ज की गई।

उधमपुर में 100 मीटर गहरी खाई में गिरी बस, 21 की मौत, 51 घायल

जम्मू, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सोमवार को एक बस के पहाड़ी मार्ग से गिरने के कारण 21 लोगों की मौत हो गई और 51 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि बस ने एक ऑटो-रिक्शा को भी अपनी चपेट में ले लिया जिससे तीपहिया वाहन में सवार लोग घायल हो गए। यह हादसा सुबह करीब 10 बजे रामनगर में एक तीखे मोड़ पर उस वक्त हुआ जब निजी बस का चालक नियंत्रण खो बैठा।

पहाड़ी मार्ग से गुजर रहे सेना के एक काफिले ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। बस में करीब 70 यात्री सवार थे जिनमें अधिकांश अपने दैनिक कामकाज के लिए रामनगर से उधमपुर जा रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसका ऊपरी हिस्सा लगभग पूरी तरह उखड़ गया जिससे बचाव अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया। उधमपुर-रियासी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक शिव कुमार शर्मा ने घटनास्थल पर संवाददाताओं से कहा, रामनगर से उधमपुर जा रही बस पहाड़ी रास्ते पर नियंत्रण खो बैठी और ढलान से नीचे गिरकर सड़क पर पलट गई तथा एक ऑटो-रिक्शा भी इसकी चपेट में आ गया। मौके पर 15 यात्रियों को मृत पाया गया जबकि चार अन्य ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल दो और लोगों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई।

शर्मा ने कहा कि स्थानीय निवासियों ने बचाव कार्य में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उधमपुर में हुआ यह दुखद सड़क हादसा दिल दहला देने वाला है। मेरी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। सिन्हा ने कहा कि उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और स्वास्थ्य विभाग को प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है।

- सेना के एक काफिले ने तत्काल बचाव अभियान चलाया
- बस में सवार थे 70 से भी अधिक यात्री, कई गंभीर

रामनगर क्षेत्र में तीखे मोड़ पर हुआ था हादसा

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रामनगर के थाना प्रभारी और अन्य अधिकारी समेत पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर सेना के जवानों के साथ संयुक्त बचाव अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि हादसा रामनगर क्षेत्र में तीखे मोड़ पर हुआ था। हाइड्रोलिक क्रेन की मदद से वाहन को सीधा किया गया। पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी फोन पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। उधमपुर से रामनगर जा रहे एक सैन्य काफिले का नेतृत्व कर रहे एक जवान ने बताया कि बस को पहाड़ी से नीचे लुढ़कते देख उन्होंने तुरंत कार्रवाई की। उसने कहा, मैं काफिले का नेतृत्व कर रहा था, तभी यह हादसा हुआ। वाहन करीब 100 मीटर की ऊंचाई से गिरा। हमने तुरंत क्षेत्र की घेराबंदी कर बचाव अभियान शुरू किया और कड़ी मशक्कत से यात्रियों को निकाला।

जेईई-मेन : 26 अभ्यर्थियों को परफेक्ट 100 एनटीए स्कोर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने सोमवार को कहा कि इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन में 26 अभ्यर्थियों ने परफेक्ट 100 एनटीए स्कोर प्राप्त किए हैं। वर्ष 2025 में 24 अभ्यर्थियों ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

जनवरी में आयोजित इस महत्वपूर्ण परीक्षा के पहले संस्करण में 13 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे, जबकि अप्रैल में आयोजित दूसरे संस्करण में 10 लाख से अधिक छात्र शामिल हुए। दोनों सत्रों में आठ लाख से अधिक सामान्य अभ्यर्थी शामिल हुए। जिन अभ्यर्थियों ने 100 एनटीए स्कोर प्राप्त किए हैं, उनमें से पांच-पांच आंध्र प्रदेश व तेलंगाना से हैं, उसके बाद चार राजस्थान से, तीन दिल्ली से और दो-दो महाराष्ट्र और हरियाणा से हैं। चंडीगढ़, बिहार, तमिलनाडु, ओडिशा व गुजरात से एक-एक अभ्यर्थी ने यह उपलब्धि हासिल की है। सभी 26 अभ्यर्थी पुरुष हैं। एनटीए स्कोर प्राप्त अंकों का प्रतिशत नहीं, बल्कि मानकीकृत स्कोर है।

- पहले संस्करण में 13 लाख और दूसरे संस्करण में 10 लाख से अधिक छात्र परीक्षा में हुए थे शामिल

भव्य सजावट

उत्तराखंड की चार धाम यात्रा शुरू हो चुकी है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट विधि विधान से खोले जा चुके हैं। केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल सुबह 8:00 बजे श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। इसको लेकर तैयारी जोरों-शोरों से चल रही है। खासकर केदारनाथ मंदिर को फूलों से सजाया जा रहा है।

महिला आरक्षण पर यूपी विस का विशेष सत्र 30 अप्रैल को

लखनऊ। योगी सरकार ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर सियासी घमासान के बीच 30 अप्रैल को विधानमंडल का एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाने का फैसला लिया है। रविवार को कैबिनेट बाई सर्कुलेशन इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। विशेष सत्र का मुख्य उद्देश्य नारी शक्ति वंदन अधिनियम का संसद से पारित न होन के खिलाफ चर्चा कराना है। बिल पर 528 सांसदों ने वोट किया। इसका दो तिहाई 352 होता है, लेकिन बिल के समर्थन में 298 वोट ही मिले।

आजम-अब्दुल्ला की सजा बरकरार

दो पैनकार्ड का मामला

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दो पैन कार्ड मामले में सेशन कोर्ट ने सोमवार को सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की सात-सात साल की सजा को बरकरार रखा है। अब्दुल्ला के दो पैन कार्ड मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट की सात साल की सजा के खिलाफ आजम और उनके बेटे ने सेशन कोर्ट में अपील की थी।

कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया। नगर विधायक आकाश सक्सेना ने वर्ष 2019 में सिविल लाइंस थाने में अब्दुल्ला पर अलग-अलग जन्मतिथि से दो पैन कार्ड बनवाने की शिकायत की थी। जांच में आजम खां की भूमिका भी सामने आई, इसके बाद उन्हें भी आरोपी बनाया। शिकायतकर्ता के अनुसार अब्दुल्ला ने फर्जी दस्तावेजों से दो अलग-अलग जन्मतिथि वाले पैन कार्ड बनवाए थे। रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने 17 नवंबर 2025 को दोनों को दोषी ठहराते हुए 7-7 साल की सजा व 50 हजार का जुर्माना भी लगाया था। सजा के बाद से दोनों जेल में बंद हैं। आजम और अब्दुल्ला ने 25 नवंबर 2025 को निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए सेशन कोर्ट में याचिका दायर की थी। जिला शासकीय अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने बताया कि कोर्ट ने दलीलों को अपर्याप्त माना और अपील खारिज कर दी।

- एमपी-एमएलए कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर की गई थी याचिका
- सेशन कोर्ट ने खारिज की अपील दोनों को सात-सात साल की सजा

वोटरों से जुड़ी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा अनुमानों के आधार पर जांच नहीं करा सकते

बंगाल एसआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में पांच से सात लाख मतदाताओं के नाम जोड़े जाने का उल्लेख किए जाने पर सोमवार को कहा, हम अनुमानों के आधार पर जांच नहीं करा सकते। वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया।

गुरुस्वामी ने मीडिया में आईं खबरों का हवाला देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में फॉर्म-6 का उपयोग करके पांच से सात लाख मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं। पहली बार किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में जोड़ने या फिर किसी मतदाता का नाम एक निर्वाचन क्षेत्र से दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में स्थानांतरित करने के लिए फॉर्म-6 का उपयोग किया जाता है। गुरुस्वामी ने कहा कि कट-ऑफ तिथि के बाद मतदाता सूची में फॉर्म-6 के जरिए किसी मतदाता का नाम जोड़ने की अनुमति नहीं है।

उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम जोड़े जाने से राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में प्रभाव पड़ सकता है। सीजेआई ने कहा, आप इसे चुनौती दें, हम गौर करेंगे। गुरुस्वामी ने कहा कि उनके पास पर्याप्त जानकारी नहीं है और अंतिम मतदाता सूची अभी जारी नहीं हुई है। सीजेआई ने कहा, हम अनुमान के आधार पर जांच नहीं करा सकते।

- मतदाता सूची में पांच से सात लाख मतदाताओं के नाम जोड़े जाने का मामला

आदेश

मुख्यमंत्री योगी का बड़ा फैसला, जिलाधिकारियों को तत्काल व्यवस्था लागू करने के निर्देश

किसानों को राहत, अब बिना फार्मर रजिस्ट्री भी बेच सकेंगे गेहूं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लाखों किसानों को बड़ी राहत देते हुए गेहूं खरीद की प्रक्रिया में एक बड़ा बदलाव किया है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को निर्देश दिया कि अब किसान बिना 'फार्मर रजिस्ट्री' के भी सरकारी क्रय केंद्रों पर अपनी उपज (गेहूं) बेच सकेंगे। कृषि विभाग और प्रशासन के सख्त निर्देशों के बीच आए मुख्यमंत्री के इस फैसले ने उन किसानों की चिंता दूर कर दी है, जो तकनीकी कारणों से अपनी रजिस्ट्री नहीं करा पाए थे।

पिछले कुछ समय से कृषि मंत्री, मुख्य सचिव और कृषि विभाग की ओर से यह अनिवार्य किया गया था कि बिना फार्मर रजिस्ट्री के गेहूं की खरीद नहीं की जाएगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के कई किसानों को असुविधा हो रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया कि किसी भी किसान को केवल रजिस्ट्री के अभाव में क्रय केंद्रों से वापस नहीं लौटाया जाएगा। किसान अब पहले की तरह ही अपनी उपज बेच सकेंगे।

भीषण गर्मी में सुविधाओं के विशेष निर्देश

मुख्यमंत्री ने केवल खरीद प्रक्रिया ही नहीं, बल्कि किसानों की सुविधा पर भी जोर दिया है। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए सभी सरकारी क्रय केंद्रों पर पीने के पानी, पंखों और छाया (छाजन) की उचित व्यवस्था हो। किसानों को केंद्रों पर बैठने और सम्मानजनक वातावरण में अपनी फसल बेचने का अवसर मिले।

अब तक खरीद

खाद्य एवं रसद विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार सोमवार सुबह तक प्रदेश में खरीद की स्थिति इस प्रकार है।

कुल खरीद : 2.38 लाख मीट्रिक टन।

लाभान्वित किसान : 42 हजार से अधिक।

कुल पंजीकरण : अब तक 4.77 लाख से अधिक किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए अपना पंजीकरण करा लिया है।

क्रय केंद्र : पूरे प्रदेश में 5400 से अधिक केंद्रों पर खरीद की जा रही है।

अतिरिक्त 25 लाख टन निर्यात की मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने मजबूत उत्पादन की संभावना और पर्याप्त भंडार को देखते हुए सोमवार को गेहूं के अतिरिक्त 25 लाख टन निर्यात की अनुमति दे दी, जिससे कुल स्वी वापस कृत निर्यात मात्रा बढ़कर 50 लाख टन हो गई है। खाद्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि गेहूं उत्पादन के अनुकूल अनुमान और उच्च भंडार उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त निर्यात की अनुमति देना उचित समझा गया।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 21 अप्रैल 2026

राम का नाम लेने से चिढ़ती हैं ममता दीदी : योगी

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री बोले -यूपी में अब न सड़कों पर इफ्तारी-नमाज, न सुनाई देती मस्जिद से अजान की आवाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ पश्चिम बंगाल

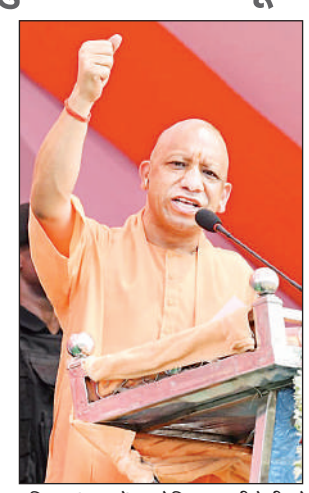

पश्चिम बंगाल में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उपस्थित जनसमूह।

अमृत विचार: पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को ताबड़तोड़ सभाएं करके ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बंगाल में नौजवान परेशान हैं, किसान हताश हैं और उद्योग-धंधे चौपट हो चुके हैं, लेकिन तृणमूल कांग्रेस सरकार तुष्टिकरण की राजनीति में उलझी हुई है। आरोप लगाया कि ममता दीदी बंगाल में राम का नाम लेने पर चिढ़ती हैं। जबकि अब यूपी में सड़कों पर इफ्तारी और नमाज नहीं होती है। मस्जिद से अजान भी नहीं सुनाई देती।

मुख्यमंत्री योगी ने ने पिंगला से भाजपा प्रत्याशी स्वागता मन्ना, जॉयपुर (पुरुलिया) से विश्वजीत महतो और गारबेटा से प्रदीप लोढ़ा के समर्थन आयोजित जनसभाओं में कहा कि यूपी में विधर्मियों के हौसले पस्त हुए हैं। आज न कर्फ्यू है, न दंगे। अब एक ही नारा गूंजता है 'न गौ माता को कटने देंगे, न हिंदुओं को बंटने देंगे'। हर जाति का हिंदू सुरक्षित और समृद्ध है। यूपी का यह मॉडल साबित करता है कि डबल इंजन सरकार आने से विकास होता है और बंगाल में भी यही बदलाव लाना है। योगी ने कहा कि अयोध्या में आसमान को छूता भव्य राम मंदिर का निर्माण हो गया है। हर भारतीय को सीना तानकर खड़े होने और मर्यादा की प्रेरणा देने वाला राम मंदिर बताता है कि आस्था झुकती, रुकती, टूटती नहीं है। बस चुनौती का सामना करने की इच्छाशक्ति हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल में आज जो अराजकता, गुंडागर्दी और तुष्टिकरण की स्थिति है, यही स्थिति वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में थी। उस समय यूपी में पर्व-त्योहार से पहले दंगे होते थे, कर्फ्यू लगा रहता था, लव जिहाद-लैंड जिहाद आम थे और गौ-हत्या सरेआम होती थी। लेकिन जब डबल इंजन की भाजपा सरकार बनी, तो सब बदल गया।

यूपी में माफिया पर चलता है बुलडोजर

सीएम योगी ने कहा कि यूपी में गोहत्या, लवजेहाद, लैंडजेहाद नहीं हो सकता। माफिया व गुंडों ने हिमाकत की तो बुलडोजर उसकी हड्डी-पसली को चकनाचूर कर देता है। टीएमसी का मतलब टेरर, माफियाराज व करप्शन है। इसे केवल भाजपा सरकार ही समाप्त कर सकती है।

उद्योग और रोजगार को लेकर लगाए आरोप

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बंगाल में बीते वर्षों में हजारों उद्योग बंद हुए और लाखों युवा बेरोजगार हो गए। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तुष्टिकरण की राजनीति के कारण अवैध गतिविधियों और माफियाओं पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है।

राहुल मामले में जज ने खुद को सुनवाई से किया अलग

विधि संवाददाता, लखनऊ

- याची की ओर से सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों को माना अदालत पर प्रतिकूल टिप्पणी

अमृत विचार: राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता विवाद मामले में सुनवाई कर रहे हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने खुद को सुनवाई से अलग कर लिया है। न्यायालय ने मामले के रिकॉर्ड को मुख्य न्यायमूर्ति के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है ताकि नई बेंच को मामले को आवंटित किया जा सके।

सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने याची एस. विग्नेश शिशिर द्वारा सोशल मीडिया पर किए गए कई विवादित पोस्ट का जिक्र किया। उक्त पोस्ट्स में न्यायालय पर गंभीर आरोप लगाए गए थे, पोस्ट्स में 'फाउल प्ले', 'बैक रूम एक्सरसाइज' और 'डीप स्टेट' जैसे शब्दों का उपयोग किया गया, जिससे न्यायालय की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगा। न्यायालय ने इन टिप्पणियों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि याची ने अदालत के प्रति विश्वास खो दिया है और सार्वजनिक रूप से इसकी गरिमा को ठेस पहुंचाई है। एकल पीठ ने अपने आदेश में आगे कहा कि इस प्रकार के आरोप न्यायालय के विरुद्ध आक्षेप लगाने के समान हैं और ऐसी स्थिति में उनके लिए इस मामले की सुनवाई इसी पीठ द्वारा जारी रखना उचित नहीं है। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि याची एवं अन्य अधिवक्ताओं द्वारा कानून की सही स्थिति कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई, जिससे न्यायिक समय की अनावश्यक हानि हुई। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला देते हुए न्यायालय ने कहा कि अधिवक्ताओं का कर्तव्य है कि वे न्यायालय की निष्पक्ष सहायता करें और सही कानूनी स्थिति प्रस्तुत करें।

न्यूज ब्रीफ

झोलाछाप और अनधिकृत चिकित्सा पर सख्ती की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पदाधिकारियों ने सोमवार को योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर प्रदेश में झोलाछाप और अनधिकृत चिकित्सा गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की। आईएमए के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार अस्थाना और सचिव डॉ. श्वेता श्रीवास्तव ने कहा कि झोलाछाप चिकित्सक गैरकानूनी तरीके से इलाज कर मरीजों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि समस्या के समाधान के लिए एक समन्वित कमेटी गठित की जाए, जो ऐसे अवैध चिकित्सकों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे। प्रतिनिधिमंडल ने जनस्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में आईएमए की भूमिका बढ़ाने का प्रस्ताव भी रखा। साथ ही संगठन के नए भवन निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि आवंटन की मांग की गई। मुख्यमंत्री ने सभी बिंदुओं को सुनकर जनहित से जुड़े मामलों में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान आईएमए के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण पर जोर, 'रश्मिरथी पर्व' 24 से 26 तक

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में 24 से 26 अप्रैल तक लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'रश्मिरथी पर्व' का आयोजन प्रस्तावित है। यह कार्यक्रम रामधारी सिंह दिनकर की कृति 'रश्मिरथी' के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। पर्यटन मंत्री के अनुसार, कार्यक्रम में साहित्यिक परिचर्चा, नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। इसमें मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य वक्ता के रूप में भाग लेंगे। सरकार का कहना है कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को साहित्य और सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

जनता दर्शन में केशव मौर्य ने सुनीं समस्याएं

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय पर आयोजित 'जनता दर्शन' में समस्याएं सुनीं और तत्काल समाधान के निर्देश दिए। गंभीर मामलों में तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों से फोन पर बात कर निर्देश दिए उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि जमीन विवाद, फर्जी मुकदमे, बिजली प्रकरण और अवैध कब्जे जैसे मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों लोगों ने जमीन विवाद, अवैध कब्जा, चिकित्सा सहायता, आवास और पुलिस मामलों से जुड़ी शिकायतें रखीं। डिप्टी सीएम ने मानवीय पहलुओं पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इलाज, आवास और अंत्योदय से जुड़े मामलों में तत्काल राहत पहुंचाई जाए। धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा, यह सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

नासा के 'वर्ल्ड नाइट मैप' में चमका यूपी, ऊर्जा नीति को वैश्विक पहचान

हर घर रोशनी मॉडल को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सैटेलाइट से लिया गया चित्र।

- उत्पादन से वितरण तक सुधारों का असर

अमृत विचार: प्रदेश की ऊर्जा व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। नासा द्वारा जारी 'वर्ल्ड नाइट मैप' में उत्तर प्रदेश दुनिया के सबसे अधिक रोशन क्षेत्रों में प्रमुखता से उभरा है। यह उपलब्धि राज्य में बिजली आपूर्ति और ऊर्जा प्रबंधन में हुए व्यापक सुधारों का संकेत मानी जा रही है।

नासा के इस मैप में 2014 से 2022 के बीच पृथ्वी पर रात के समय रोशनी में हुए बदलाव को दर्शाया गया है। वैज्ञानिकों ने नौ वर्षों में एकत्रित 16 लाख से अधिक सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला कि उत्तरी भारत, खासकर उत्तर प्रदेश में रोशनी का स्तर तेजी से बढ़ा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में "सबको बिजली, पर्याप्त बिजली और गुणवत्तापूर्ण बिजली" के लक्ष्य को लेकर लगातार काम किया गया। इसके तहत गांव से शहर तक बिजली आपूर्ति को मजबूत किया गया और उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा की सक्रियता से उत्पादन क्षमता बढ़ाने, ट्रांसमिशन नेटवर्क मजबूत करने और वितरण प्रणाली को सुधारने के लिए कई कदम उठाए गए। नए उपकेंद्रों की स्थापना, जर्जर लाइनों के आधुनिकीकरण और स्मार्ट तकनीकों के उपयोग से बिजली आपूर्ति अधिक स्थिर हुई है। डिजिटल तकनीकों के इस्तेमाल से उपभोक्ताओं को रियल-टाइम जानकारी और ऑनलाइन सेवाएं मिल रही हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है। वहीं निर्बाध बिजली आपूर्ति से कृषि, उद्योग और निवेश को भी नई गति मिली है। नासा के इस वैश्विक आकलन ने उत्तर प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में किए गए सुधारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित कर दिया है, जिससे आने वाले समय में निवेश और नवाचार को और गति मिलने की उम्मीद है।

10 डीएम समेत 24 आईएएस अफसरों के तबादले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शशांक त्रिपाठी अयोध्या, ईशा प्रिया अंबेडकरनगर और ईशान प्रताप सिंह बाराबंकी के डीएम बने
- शासन से लेकर जिलों तक व्यापक फेरबदल, विकास प्राधिकरण भी प्रभावित

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने सोमवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 10 जिलाधिकारियों समेत 24 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। शशांक त्रिपाठी को अयोध्या, ईशान प्रताप सिंह को बाराबंकी और ईशा प्रिया को अंबेडकरनगर का डीएम बनाया गया है। इससे पहले रविवार देर रात 15 जिलाधिकारियों समेत 40 आईएएस अफसरों के स्थानांतरण किए गए थे। लगातार दो दिनों में हुए इन बड़े बदलावों से शासन-प्रशासन में हलचल तेज हो गई है।

प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक मशीनरी में बड़ा बदलाव करते हुए 24 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। खास बात यह है कि इस सूची में 10 जिलों के जिलाधिकारी बदले गए हैं, जिससे जिला प्रशासन की कमान नए हाथों में सौंपी गई है। आदेश के अनुसार, अविनाश कुमार को अलीगढ़, अरविंद सिंह को एटा, अमित आसेरी को बांदा, डॉ. अंकुर लाठर को फर्रुखाबाद, कविता मीना को हापुड़ और ईशा प्रिया को अंबेडकर नगर का जिलाधिकारी बनाया गया है। वहीं, चर्चित गौड़ को सोनभद्र, अनुपम शुक्ला को गाजीपुर, बाराबंकी के डीएम शशांक त्रिपाठी को अयोध्या और ईशान प्रताप सिंह को बाराबंकी के नए डीएम की जिम्मेदारी दी गई है।

आठ आईएएस अधिकारियों को शासन में विशेष सचिव स्तर पर नई जिम्मेदारी मिली। इसमें अयोध्या के डीएम निखिल टीकाराम फुंडे को मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव बनाया गया है। एटा के डीएम प्रेम रंजन सिंह को अपर राज्य परियोजना निदेशक (सर्व शिक्षा अभियान) व निदेशक, मध्यान्ह भोजन अधिकरण की जिम्मेदारी दी गई है। हापुड़ के डीएम अभिषेक पाण्डेय को अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त (राजस्व परिषद) बनाया गया, जबकि अलीगढ़ के डीएम संजीव रंजन को कृषि विभाग में विशेष सचिव नियुक्त किया गया है। बांदा की डीएम जे. रीभा को भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है, वहीं इस विभाग में तैनात अरुण कुमार को इस प्रभार से मुक्त किया गया। फर्रुखाबाद के डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी को लोक निर्माण विभाग में विशेष सचिव और सोनभद्र के डीएम बद्री नाथ सिंह को उच्च शिक्षा विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है।

इसके अलावा तीन आईएएस अधिकारियों को विकास प्राधिकरणों और तीन आईएएस अधिकारियों को मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया। कानपुर नगर के मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन को यूपी राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाया गया। शाहजहांपुर की सीडीओ डॉ. अपरांजिता सिंह को बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष और सीतापुर की सीडीओ प्रणता ऐश्वर्या को मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। सोनभद्र के अपर जिलाधिकारी उत्कर्ष त्रिवेदी को शाहजहांपुर का सीडीओ, मथुरा के अपर जिलाधिकारी अभिनव जे जैन को कानपुर नगर का सीडीओ और मेरठ की अपर जिलाधिकारी दीक्षा जोशी को सीतापुर का सीडीओ बनाया गया है। इस तरह कुल 24 अधिकारियों के तबादलों में जिला प्रशासन, शासन, विकास प्राधिकरण और योजनागत विभागों तक व्यापक फेरबदल किया गया है।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर 120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ेंगे वाहन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पीएम मोदी 29 को करेंगे लोकार्पण, मेरठ से प्रयागराज सिर्फ 6-7 घंटे में
- टोल प्लाजा, एयरस्ट्रिप और आधुनिक सुविधाओं से लैस हाई-स्पीड कॉरिडोर

अमृत विचार: प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में बड़ा कदम साबित होने जा रहा गंगा एक्सप्रेस-वे 29 अप्रैल को लोकार्पित होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। यह एक्सप्रेस-वे पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश को सीधे जोड़ते हुए प्रदेश में हाई-स्पीड कनेक्टिविटी का नया युग शुरू करेगा। करीब 594 किमी लंबे इस एक्सप्रेस-वे को 120 किमी/घंटा की रफ्तार के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इससे मेरठ से प्रयागराज का सफर, जो पहले 10-12 घंटे लेता था, अब महज 6-7 घंटे में पूरा हो सकेगा।

गंगा एक्सप्रेस-वे केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के आर्थिक और औद्योगिक विकास का इंजन बनने जा रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी से प्रदेश 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में और मजबूत होगा और विकास को नई रफ्तार मिलेगी। एक्सप्रेस-वे 6 लेन में तैयार किया गया है, जिसे भविष्य में 8 लेन तक बढ़ाया जा सकेगा। 120 मीटर चौड़े राइट ऑफ वे के साथ यह परियोजना आधुनिक इंजीनियरिंग का उदाहरण है। परियोजना में गंगा नदी पर 960 मीटर और रामगंगा नदी पर 720 मीटर लंबे पुल बनाए गए हैं, जो बाढ़ और जल प्रवाह को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किए गए हैं।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर तैयार टोल प्लाजा। अमृत विचार

शाहजहांपुर के पास 3.5 किमी लंबी एयरस्ट्रिप इस एक्सप्रेस-वे की खास पहचान है। यहां भारतीय वायुसेना इमरजेंसी लैंडिंग ड्रिल कर चुकी है। आपात स्थिति में यह सुविधा बेहद उपयोगी साबित होगी।

ये होंगी सुविधाएं

- 2 मुख्य टोल प्लाजा (मेरठ और प्रयागराज)
- 19 रैंप टोल प्लाजा—आसान एंट्री और एग्जिट
- 9 जनसुविधा परिसर—ईंधन, भोजन, शौचालय, विश्राम
- लंबी दूरी की यात्रा होगी अधिक सुरक्षित और आरामदायक

क्या बदल जाएगा

- पश्चिमी यूपी के उद्योग और पूर्वी यूपी की कृषि को सीधा लाभ
- माल ढुलाई की लागत और समय में कमी
- धार्मिक व पर्यटन स्थलों तक आसान पहुंच

ट्रांसफर सत्र शून्य करने की मांग मुख्यमंत्री को भेजे 21 सुझाव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने वर्ष 2026-27 के स्थानांतरण सत्र को शून्य घोषित करने की मांग उठाई है। परिषद अध्यक्ष जेएन तिवारी ने मुख्यमंत्री को ईमेल के माध्यम से पत्र भेजकर तबादला नीति पर 21 बिंदुओं के सुझाव प्रस्तुत किए हैं।

परिषद का कहना है कि वर्ष 2027 में संभावित विधानसभा चुनाव को देखते हुए 2026-27 का ट्रांसफर सत्र अत्यंत संवेदनशील रहेगा। बड़े पैमाने पर तबादलों से प्रशासनिक कार्य और चुनावी प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है, इसलिए सामान्य स्थानांतरण पर रोक लगाई जानी चाहिए। हालांकि, अपरिहार्य परिस्थितियों में अधिकतम 10 प्रतिशत तक ही तबादले किए जाने का सुझाव दिया गया है।

परिषद ने यह भी मांग की है कि स्थानांतरण सत्र समाप्त होने के बाद किसी भी स्थिति में तबादले न किए जाएं। आरोप है कि कई विभागों में सत्र खत्म होने के बाद भी तबादले होते हैं, जिससे पारदर्शिता प्रभावित होती है। सुझावों में पति-पत्नी को एक ही स्थान पर तैनाती, दिव्यांग या गंभीर बीमार बच्चों के अभिभावकों को छूट, और सेवानिवृत्ति से दो वर्ष पहले कर्मचारियों को गृह जनपद में पोस्टिंग जैसे प्रावधान शामिल हैं।

आधी आबादी के अधिकारों से किया खिलवाड़: पंकज चौधरी

अमृत विचार, लखनऊ/ महराजगंज : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को महराजगंज में विपक्ष पर महिला आरक्षण को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि महिलाओं को नीति निर्धारण में भागीदारी देने के लिए 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का ऐतिहासिक विधेयक लाया गया, लेकिन कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन के दलों ने इसे पारित नहीं होने दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष महिला आरक्षण का केवल दिखावटी समर्थन करता है, जबकि वास्तविकता में वह महिलाओं को उनका अधिकार देने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने इंडी गठबंधन को "एंटी वूमेन एलायंस" करार देते हुए कहा कि देश का विकास आधी आबादी की भागीदारी के बिना संभव नहीं है और महिलाएं ऐसे विरोधी रुख को स्वीकार नहीं करेंगी।

काशी में अब मिलेगी 'डिजिटल लगेज लॉकर' की सुविधा

अमृत विचार, लखनऊ/ वाराणसी: वाराणसी में बाबा के दर्शन और गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को अब अपने सामान की सुरक्षा की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और प्रमुख घाटों के आसपास डिजिटल लगेज लॉकर की सुविधा विकसित की जा रही है।

इस पहल के तहत श्रद्धालु अपने मोबाइल, बैग, कपड़े या सूटकेस तक सुरक्षित रख सकेंगे और बेफिक्र होकर दर्शन व गंगा स्नान कर पाएंगे। यह सुविधा डिजिटल भुगतान आधारित होगी, जिससे उपयोग आसान और पारदर्शी रहेगा। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल के अनुसार, श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दशाश्वमेध प्लाजा, गोदौलिया, टाउन हॉल और बेनियाबाग पार्किंग क्षेत्रों में डिजिटल लॉकर लगाए जाने का प्रस्ताव है। इन स्थानों का चयन इसलिए किया गया है, क्योंकि यहां श्रद्धालुओं की सबसे अधिक आवाजाही रहती है।

कुल 225 डिजिटल लॉकर स्थापित किए जाएंगे, जो चार अलग-अलग आकार छोटे, मध्यम, बड़े और एक्स्ट्रा लार्ज में उपलब्ध होंगे।

उपलब्धि | राष्ट्रीय रैंकिंग में कार्डियोलॉजी विभाग का शानदार प्रदर्शन

केजीएमयू के लारी को देश में चौथा स्थान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ का बढ़ा मान, वर्ष 2024-25 के प्रदर्शन के आधार पर तैयार की गई सूची

अमृत विचार : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के लारी कार्डियोलॉजी विभाग ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए देशभर में चौथा स्थान प्राप्त किया है। यह रैंकिंग कॉर्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल की ओर से जारी की गई सूची में दर्ज की गई है।

दिल से जुड़ी बीमारियों के इलाज और इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते केजीएमयू ने यह मुकाम हासिल किया है। इस उपलब्धि से न केवल संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ी है, बल्कि उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की साख भी मजबूत हुई है।

समिति ने देशभर के उन सरकारी और निजी चिकित्सा संस्थानों को शामिल किया, जहां कैथलैब की सुविधा उपलब्ध है। रैंकिंग में एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी और अन्य कार्डियोलॉजी इंटरवेंशन के आंकड़ों को आधार बनाया गया। वर्ष 2024-25 के प्रदर्शन के अनुसार सूची तैयार की गई है।

इस राष्ट्रीय सूची में पहला स्थान बेंगलुरु के श्रीजय प्रकाश इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवस्कुलर साइंसेज एंड रिसर्च को मिला, जबकि दूसरे स्थान पर दिल्ली का जीबी पंत इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च रहा। तीसरे पायदान पर अहमदाबाद का यूएन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी और पांचवें स्थान पर चंडीगढ़ का पीजीआई चंडीगढ़ शामिल है।

लारी कार्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. ऋषि सेट्ठी ने बताया कि यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि सूची में शामिल अधिकांश संस्थान केवल हृदय रोगों के इलाज के लिए समर्पित हैं, जबकि केजीएमयू में यह एक विभाग मात्र है। ऐसे संस्थानों के बीच चौथा स्थान प्राप्त करना बड़ी उपलब्धि है।

उन्होंने बताया कि रैंकिंग में आधुनिक कार्डियक इंटरवेंशन की संख्या को प्रमुख आधार बनाया गया है। इस उपलब्धि पर केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने विभाग को बधाई देते हुए इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

आयुष्मान योजना में यूपी अव्वल

एनएचए ने किया सम्मानित, पुणे में राष्ट्रीय स्तर पर मिला पुरस्कार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा को सम्मानित करते नेशनल हेल्थ अथॉरिटी के अधिकारी।

अमृत विचार: प्रदेश ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन में देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। इसके लिए नेशनल हेल्थ अथारिटी (एनएचए) ने पुणे में 17-18 अप्रैल को आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर में प्रदेश को सम्मानित किया।

प्रदेश को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के उत्कृष्ट संचालन के लिए यह सम्मान मिला है। स्वास्थ्य विभाग की सचिव रितु माहेश्वरी और साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने इसे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और डिजिटलीकरण का परिणाम बताया। प्रदेश में वर्तमान में 6,433 अस्पताल आयुष्मान भारत योजना से जुड़े हैं, जिनमें 3,521 निजी और 2,912 सरकारी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों में डिजिटल सुविधाओं के विस्तार से मरीजों को पारदर्शी और तेज स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। बड़ी संख्या में अस्पताल एबीडीएम-इनेबल्ड एचएमआईएस (हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम) से लैस हैं, जिससे इलाज की प्रक्रिया अधिक सुगम हुई है।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त
एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित

एम. के.
बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज
कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

दो सड़क हादसों में 14 घायल, दो गंभीर

बरातियों से भरी वैन डीसीएम से टकराई और एक्सप्रेसवे पर अर्टिगा पलटी

संवाददाता, गोसाईंगंज/काकोरी

हादसे के बाद वाहन में फंसे घायलों को निकालते लोग। अमृत विचार

अमृत विचार: गोसाईंगंज और काकोरी थाना क्षेत्रों में हुए दो सड़क हादसों में 14 लोग घायल हो गए। इनमें दो की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्नाव के असोहा नवाब टेड़वा गांव निवासी रजनीश मिश्रा और उन्नाव के काशी बाली सराय निवासी रवि एक वैन से उन्नाव से बारात में शामिल होने अमेठी के कटरा बाजार जा रहे थे। जैसे ही वह लोग वैन से अमेठी कट के पास पहुंचे थे। तभी वैन सड़क किनारे खड़े एक डीसीएम से टकरा गयी। हादसे में वैन के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वैन सवार सभी लोग घायल हो गए। हादसा देखकर लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने वैन में फंसे लोगों को बाहर निकाला और आननफानन में सीएचसी गोसाईंगंज लेकर पहुंचे।

घायलों में चालक रजनीश मिश्रा, बाराती, कमल कश्यप, सोनू कश्यप, अरुण कश्यप, संदीप कश्यप व धीरज हैं। पुलिस ने वैन को सड़क किनारे कराया। जिसके बाद यातायात सुचारू रूप से शुरु हो सका। घटना के बाद डीसीएम चालक फरार हो गया।

दूसरा हादसा आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सुबह हुआ। आगरा जा रही अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए पलट गई। इंस्पेक्टर ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे एक्सप्रेसवे पर हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू कराया। बताया जा रहा है कि कार सवार लखनऊ से आगरा की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान बगल से आई एक अन्य तेज रफ्तार गाड़ी से बचने के प्रयास में चालक ने वाहन को डिवाइडर की ओर मोड़ दिया। अचानक नियंत्रण बिगड़ने से कार डिवाइडर पर चढ़ गई और उसे तोड़ते हुए बाईं तरफ पलट गई। हादसे के दौरान कार में सवार चालक शिवनारायण निवासी बिनौरा तिर्वा कन्नौज, मोहन, सतीश चंद्र, अभिषेक राठौर, श्यामू और शिवानी भी घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि सभी को चोटें आईं, जबकि शिवानी और श्यामू को गंभीर चोटें पहुंचीं। दोनों घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से लोकबंधु अस्पताल, लखनऊ भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। अन्य घायलों को सामान्य चोटें आई हैं और उनका प्राथमिक उपचार मौके पर ही कराया गया।

कार से टकराकर दूसरी कार खंती में गिरी, तीन घायल

अमृत विचार, काकोरी : आगरा एक्सप्रेस-वे सर्विस लाइन पर मेहंदी नगर अंडरपास से पहले सोमवार देर रात बेकाबू कार काकोरी से उन्नाव की ओर से सामने से आ रही विपरीत दिशा से दूसरी कार से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार अनियंत्रित होकर करीब छह फुट गहरी खंती में जा गिरकर तीन बार पलट गई। हादसे में चौखड़ी खेड़ा गांव निवासी चालक अंकुर गौतम गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, दूसरी कार में सवार औरास हसनगंज निवासी अमित कुमार और निखिल को मामूली चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। काकोरी थाने के दरोगा अंकित यादव ने बताया कि अंकुर गौतम नशे की हालत में कार चला रहा था, जिससे हादसा हुआ। स्थानीय लोगों की मदद से घायल चालक को सीएचसी काकोरी पहुंचाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया है।

तबेले में लगी आग से दो मवेशी जिंदा जले, पिता व पुत्र झुलसे

संवाददाता, मोहनलालगंज

- अग्निशमन कर्मियों ने आधे घंटे में आग पर पाया काबू

आग लगने से जली झोपड़ी।

अमृत विचार: मोहानलाल के रानीखेड़ा गांव में सोमवार को तबेले में आग लगने से दो मवेशी जिंदा जल गये। पशुओं को बचाने पहुंचे पिता-पुत्र गंभीर रुप से झुलस गये। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। अग्निशमन कर्मियों ने आग पर पर दो गाड़ियों की मदद से आधे घंटे में काबू पाया।

डेहवा के रानीखेड़ा निवासी अशोक कुमार व सुशील कुमार ने अपने मकान से कुछ दूरी पर अपने मवेशियों को बांधने के लिए तबेला बना रखा है। सोमवार दोपहर अचानक तबेले में आग लग गई। आग की लपटों को निकलता देखकर आसपास के लोग आग गए। ग्रामीणों ने पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग बढ़ती जा रही थी। आग की लपटों को बढ़ता देखकर सुशील और उनके बेटे आदित्य ने छप्पर के नीचे बंधी दो भैंसों को किसी तरह बाहर निकाला। जिसमें पिता-पुत्र भी आग से झुलस गए। इस बीच आग ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया। आग को बढ़ता देखकर किसी ने पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना दी। आग की जानकारी पर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची। अग्निशमन कर्मियों के पहुंचने पर राहत कार्य शुरू किया गया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया।

आग की चपेट में आने से दो मवेशियों की जलकर मौत हो गई। दो मवेशी झुलस गए और साथ ही आग से झुलसे पिता-पुत्र को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीजीआइ फायर स्टेशन अधिकारी मामचंद बडगूजर ने बताया कि आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो सका हैं।

न्यूज ब्रीफ

25 ग्राम स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

अमृत विचार, अमेठी : कमरौली पुलिस ने सोमवार को एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 25 ग्राम स्मैक बरामद की है। चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से स्मैक बरामद हुई ।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान जितेन्द्र शर्मा उर्फ जीतू (24) पुत्र ओम प्रकाश शर्मा, निवासी नयागांव उर्दमऊ, थाना उदयपुरा, जनपद रायसेन (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई है। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

तीन दिन से सर्वर बंद डाकघर में काम ठप

अमृत विचार, अमेठी : अमेठी डाकघर में तीन दिन से सर्वर डाउन है। हाल यह है कि काम कराने आए लोग सुबह से लाइन लगा रहे हैं, लेकिन बिना काम कराए ही मायूस होकर लौटना पड़ रहा है। डाकघर में रोजाना 12 से 13 लाख रुपये तक का लेनदेन होता है। ऐसे में तीन दिन से काम ठप रहने के चलते करीब 30 लाख रुपये से ज्यादा का काम अटक गया है। सबसे ज्यादा परेशानी पेंशन लेने आए बुजुर्गों और खाताधारकों को हो रही है। लोगों का कहना है कि बार-बार चक्कर लगाने के बाद भी काम नहीं हो पा रहा है। कोई पैसा निकालने आया है तो कोई जमा करने, लेकिन सर्वर बंद होने से सबका काम लटका हुआ है।

घर से नकदी और जेवर की चोरी

अमृत विचार, अमेठी : इन्हौना थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत आजादपुर में रविवार रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए नकदी समेत सोने-चांदी के जेवर पर हाथ साफ कर दिया। घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्राम पंचायत आजादपुर के प्रधान प्रतिनिधि मोहम्मद फकीर उर्फ मिस्टर के अनुसार, बीती रात अज्ञात चोर घर की कुंडी तोड़कर अंदर घुस गए। घर में रखे बक्से से करीब 11 हजार रुपये की नकदी और अलमारी में रखे सोने-चांदी के कुछ जेवरात चोरी कर ले गए।

प्रधान व उनके पति पर जानलेवा हमला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : रहीमाबाद के मुड़ियारा गांव की प्रधान सुषमा और उनके पति सुरेश पर जानलेवा हमला किया गया। ग्राम प्रधान मुड़ियारा सुषमा निवासी ग्राम देवी खेड़ा के मुताबिक रविवार दोपहर खेत पर बिजली की लाइन खिंचवाई जा रही थी।

तभी गांव के ही विपक्षी झब्बू, उजागर, मुन्ना ने बिजली की लाइन खींचने का विरोध करते हुए गाली गलौज शुरू कर दी। ग्रामीणों के बीच बराव के बाद फिर शाम 5 बजे झब्बू, उजागर , मुन्ना के साथ उजागर की पत्नी गायत्री घर पर आकर गाली गलौज करते हुए घर में घुसकर प्रधान सुषमा और उनकी बेटी रितिमा को मारा पीटा। पीछे से पहुंचे पति सुरेश बीच बचाव कराने लगे। तभी विपक्षियों ने धारदार हथियार से सिर पर हमला कर सुरेश को घायल कर दिया। भीड़ जुटती देख आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

तमिलनाडु में युवक की हत्या के मामले में दंपति समेत तीन गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार Follow UP

10 अप्रैल को नौकरी के बहाने ले गए थे आरोपी

12 अप्रैल को जौलारपेट्टई रेलवे जंक्शन में मिला था शव

अमृत विचार: लखनऊ से तमिलनाडु के तिरुप्पत्तूर में नौकरी के बहाने ले जानकर सौरभ (25) की हत्या के मामले में महिगवां पुलिस ने दंपति समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी कमलेश, उसकी पत्नी प्रीति और दोस्त अखिलेश को सोमवार को जेल भेज दिया है।

मामले में रविवार को हुए प्रदर्शन के बाद पुलिस ने मृतक की मां मनोरमा की तहरीर पर हत्या कर सबूत मिटाने की रिपोर्ट दर्ज की थी। इंस्पेक्टर राम कुमार गुप्ता ने बताया कि सौरभ 10 अप्रैल को मजदूरी के लिए तीनों के साथ तमिलनाडु जाने की बात कहकर घर से निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। 15 अप्रैल को उसकी मां मनोरमा ने महिगवां थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने तलाश शुरू की तो शनिवार को सूचना मिली कि सौरभ की 12 अप्रैल को तमिलनाडु के जौलारपेट्टई रेलवे जंक्शन तिरुप्पत्तूर में ट्रेन हादसे में मौत हो गई। मां ने मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या का आरोप लगाया था। रविवार को आक्रोशित परिजन और स्थानीय लोग कुम्हरावां चौराहे पर छह घंटे तक हंगामा किया था। जिसके बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की थी।

इंस्पेक्टर ने बताया कि हत्या के आरोप में अखिलेश, कमलेश और कमलेश की पत्नी प्रीति को गिरफ्तार किया गया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि सोमवार को तमिलनाडु में सौरभ का पोस्टमॉर्टम किया गया है। अभी तक पीएम रिपोर्ट नहीं मिली है। मां का आरोप था कि तीनों आरोपी सौरभ को बहला फुसलाकर तमिलनाडु ले गए थे। बेटे से बात न होने पर जब मनोरमा ने अखिलेश से पूछा तो उसने जानकारी से इंकार कर दिया था। इंस्पेक्टर राम कुमार गुप्ता ने बताया कि हिरासत में लेकर जब अखिलेश और कमलेश से पूछताछ की गई तो उन्होंने अलग-अलग बयान दिए। कभी बताया कि चलती ट्रेन पर गेट पर खड़े सौरभ ने प्रीति का फोन छीन लिया था। फोन वापस लेते समय छीना झपटी में वह ट्रेन से गिर गया।

कभी बताया कि सौरभ स्टेशन पर पानी लेने उतरा था। चलती ट्रेन पर चढ़ते समय वह गिर गया और ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपों के आधार पर तीनों को गिरफ्तार किया गया है।

25 वर्ष पुराने उसरी चट्टी हत्यांकाड मामले में याचिका खारिज

विधि संवाददाता,लखनऊ

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने उसरी चट्टी गाजीपुर हत्याकांड में मुख्तार अंसारी के कथित शूटर सरफराज अंसारी उर्फ मुन्नी के खिलाफ चल रही अभियोजन की कार्यवाही में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने उक्त कार्यवाही को समाप्त करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है।

कोर्ट ने कहा कि मामले में ट्रायल कोर्ट के समक्ष आरोप पत्र दाखिल होने के पश्चात याची पर आरोप भी तय हो चुके हैं और साथ ही घटना में मृतक मनोज राय के पिता शैलेंद्र कुमार राय की गवाही भी हो चुकी है, ऐसे में इस स्टेज पर पूरी अभियोजन कार्यवाही खत्म करने का कोई औचित्य नहीं है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने सरफराज अंसारी की याचिका को खारिज करते हुए पारित किया है। याची की ओर से कहा गया था कि घटना 2001 की है जिसमें मुख्तार अंसारी के काफिले पर बृजेश सिंह गैंग ने बड़े पैमाने पर हमला किया था जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी, इस घटना में बृजेश के साथ कथित रूप से घटना में शामिल मनोज राय की भी मौत हो गई थी। दलील दी गई कि 22 वर्ष बाद मनोज राय के पिता ने वर्ष 2023 में गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने पर मुख्तार अंसारी व अन्य के खिलाफ 2001 की घटना की प्राथमिकी लिखाते हुए आरोप लगाया कि मनोज राय को बिहार के बक्सर से उठा कर मुख्तार के गुर्गों ने उसकी हत्या करके उसे उसरी चट्टी गाजीपुर हत्याकांड में मरना बता दिया था।

इसी प्राथमिकी पर जांच के दौरान मुख्तार के शूटर सरफराज का नाम सामने आया और आरोप पत्र भी दाखिल किया गया। याचिका का विरोध करते हुए अपर महाधिवक्ता वीके शाही का कहना था कि 2001 की घटना के जो तथ्य मुख्तार ने लिखाए थे वे 2023 में मनोज के पिता शैलेंद्र कुमार राय द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी से बिल्कुल भिन्न थे जिसकी जांच होकर आरोप पत्र दाखिल हुआ और अभियोजन चल रहा है।

प्रतिनियुक्ति पर आए डॉक्टरों को केजीएमयू के अनुरूप दिए जा रहे वेतन और भत्ते

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अटल विश्वविद्यालय

- डॉक्टरों के वेतन विवाद की जांच पूरी कर शासन को भेजी गई रिपोर्ट
- तत्कालीन कुलपति की स्वीकृति पर वेतन एवं भत्ते देने का हवाला दिया

अमृत विचार : अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय में डॉक्टरों को लगभग दोगुना वेतन देने की जांच समिति ने पूरी कर रिपोर्ट शासन को भेज दी है। कुलपति डॉ. अमित देवगन की ओर से शासन को भेजी गई प्रतिनियुक्ति पर आए डॉक्टरों को केजीएमयू के अनुरूप वेतन-भत्ते देने का हवाला दिया गया है, किंतु संबंधित शासनादेश में अटल विवि के शिक्षकों को मिलने वाली परिलब्धियों का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है।

प्रदेश के मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेजों को संबद्धता देने के उद्देश्य से स्थापित अटल विश्वविद्यालय से 279 नर्सिंग, 65 मेडिकल, 16 डेंटल और 47 पैरामेडिकल कॉलेज सबद्ध हैं। समाजसेवी राज मोहन सक्सेना ने मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर शिकायत की थी। इसमें आरोप था कि अन्य चिकित्सा संस्थानों से प्रतिनियुक्ति पर आए डॉक्टरों को अलग-अलग विभागों में डीन पद पर तैनात किया गया है। उनके वेतन निर्धारण में अनियमितताएं हैं। आरोप था कि संबंधित डॉक्टर अपने मूल संस्थान में लगभग 2.5 लाख रुपये मासिक वेतन प्राप्त कर रहे थे, लेकिन अटल मेडिकल विवि में उन्हें करीब 4.5 लाख रुपये प्रतिमाह दिए जा रहे हैं। शासन के आदेश पर कुलपति ने जांच कराई। जांच रिपोर्ट 18 अप्रैल को चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव को भेज दी गई है। इसमें बताया गया है कि विश्वविद्यालय में प्रतिनियुक्ति पर तैनात डॉक्टरों और अधिकारियों को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के समान वेतन और भत्ते दिए जा रहे हैं। हालांकि, संबंधित शासनादेश में अटल यूनिवर्सिटी के शिक्षकों को मिलने वाली परिलब्धियों का स्पष्ट उल्लेख नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त चिकित्सा शिक्षकों और अधिकारियों को केजीएमयू से जुड़े शासनादेशों के आधार पर, तत्कालीन कुलपति की स्वीकृति के बाद वेतन एवं भत्तों का भुगतान किया जा रहा है। रिपोर्ट के आधार पर शासन की कार्रवाई पर निगाहें टिकी हैं।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर के मकान में 11 लाख की चोरी

चोरी के बाद बिखरा पड़ा सामान।

संवाददाता, काकोरी

- परिवार दर्शन करने गया था चित्रकूट
- काकोरी पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से की जांच

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के मौंदा स्थित ग्रीन हाईवे सिटी में चोरों ने साफ्टवेयर इंजीनियर के बंद मकान को निशाना बनाया। ताला तोड़कर चोरों ने नकदी व 10 लाख के जेवर पर हाथ साफ कर दिया। सोमवार सुबह घटना की सूचना मिलते ही काकोरी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने डॉग स्क्वॉयड की मदद से घटनास्थल पर छानबीन की। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

मूल रूप से गोरखपुर निवासी राजपाल यादव एक निजी कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर हैं। 17 अप्रैल को सुबह करीब 9:30 बजे परिवार सहित चित्रकूट दर्शन के लिए गए थे। रविवार देर रात करीब 1:40 बजे जब वह वापस घर लौटे तो सोमवार को वापस घर लौटे तो मेन गेट की चादर फैली हुई थी,गेट खोलकर अंदर जाकर देखा तो कमरे में रखे बक्से और अलमारी का समान बाहर बिखरा पड़ा हुआ। जांच करने पर पता चला कि चोर घर में घुसकर 10 लाख के सोने-चांदी के जेवरात और 30 हजार रुपये चोरी कर ले गए। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच करते हुए फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर ने बताया पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

रेलवे स्टेशनों पर लगाए जाएंगे स्वास्थ्य शिविर

अमृत विचार,लखनऊ : पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल की ओर से रेलवे कर्मचारियों और यात्रियों के स्वास्थ्य संरक्षण और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न स्टेशनों पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह पहल मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रमेश चन्द्र के निर्देशन में संचालित की जा रही है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 27 अप्रैल को सहजनवां, 28 को खलीलाबाद, 29 को बस्ती, 30 अप्रैल को बभनान के साथ 2 मई को मनकापुर, 4 को आनंदनगर, 5 को सिद्धार्थनगर, 6 को नौतनवा के साथ 7 मई को बढ़नी रेलवे स्टेशन पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में रेलवे कर्मचारियों और यात्रियों को नि :शुल्क निवारक स्वास्थ्य जांच की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। साथ ही कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष परामर्श भी दिया जाएगा। विशेषज्ञ चिकित्सकों की ओर से सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिए बुनियादी चिकित्सा परामर्श भी प्रदान किया जाएगा। इस बाबत पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल ने सभी कर्मचारियों और यात्रियों से अपील की है कि वे इन स्वास्थ्य शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनें और उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाएं।

मां-बेटी को बेरहमी से पीटा, फाड़े कपड़े

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- घायल हालत में युवती अस्पताल में भर्ती
- महिगवां थाने में सात आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: महिगवां थाना क्षेत्र में ऑटो की टक्कर से दीवार गिरने को लेकर युवती ने चालक को टोका। इसपर नशे में धुत चालक ने गाली-गलौज कर मारपीट की। शोर सुनकर मां और दूसरे पक्ष से आरोपी के ससुरालवाले आए। जिसके बाद आरोपियों ने मिलकर युवती के कपड़े फाड़ दिए और मां संग उसे बेरहमी से पीटा। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। इंस्पेक्टर रामकुमार गुप्ता ने बताया कि तहरीर पर सात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। मामले की जांच की जा रही है।

तहसील बीकेटी निवासी 20 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि 18 अप्रैल की शाम करीब 7 बजे चालक बृजेश ऑटो लेकर घर के सामने से निकलने लगा। इस दौरान उसने उनके घर की दीवार गिरा दी। पीड़िता ने विरोध किया तो चालक बृजेश ने नशे में गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरु कर दी। चींखपुकार सुनकर मां बाहर निकलकर बीचबचाव करने लगी। इसपर बृजेश के ससुर वीरेंद्र, सास निशा, साले शिवा, उसकी पत्नी अनीता, बेटी इंदू व नीशू वहां पहुंच गए।इसके बाद आरोपियों ने मिलकर मां-बेटी को बेरहमी से पीटा। यही नहीं शिवा ने पीड़िता के कपड़े फाड़ दिए। शोर होने पर मोहल्लेवाले दौड़े तो आरोपी धमकी देते हुए भाग गए। चोटिल होने के चलते पीड़िता बोल नहीं पा रही थी। चाचा ने डॉयल-112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़िता ने सौ शैय्या अस्पताल बीकेटी पहुंचाया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर सात आरोपियों के खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट, गाली-गलौज व धमकी समेत अन्य गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

अवसर | एलडीए में हेल्प डेस्क और जानकीपुरम विस्तार में आए आवेदन

110 बकायेदारों ने किए ओटीएस के आवेदन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 18 अप्रैल से 17 जुलाई तक चलेगी एकमुश्त समाधान योजना
- जानकीपुरम विस्तार सेक्टर-7 में आश्रयहीन योजना, भवानी मार्केट में लगाया गया कैम्प

अमृत विचार : एलडीए की एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) में सोमवार को 85 आवंटियों ने आवेदन किया। इनमें प्राधिकरण कार्यालय की हेल्प डेस्क से योजना की जानकारी देकर ऑनलाइन फार्म भरवाए गए। साथ ही जानकीपुरम् विस्तार में आयोजित कैंप पर आवेदन लिए गए। इस तरह से अब तक कुल 110 आवेदन प्राप्त करके समाधान की प्रक्रिया शुरू की गई।

उप सचिव माधवेश कुमार ने बताया कि जानकीपुरम विस्तार के सेक्टर-7 में आश्रयहीन योजना, भवानी मार्केट में कैम्प लगाया गया, जोकि मंगलवार को भी संचालित रहेगा। कॉल सेंटर एवं आईटी सेल के माध्यम से बकायेदारों को फोन, मैसेज व ई-मेल के माध्यम से ओटीएस की सूचना भेजी गयी। बकायेदारों को लाभ देने के लिए 18 अप्रैल से 17 जुलाई तक एकमुश्त समाधान योजना चलेगी।

इसमें प्राधिकरण की सभी आवासीय एवं व्यावसायिक सम्पत्तियों, सरकारी संस्थाओं को आवंटित संपत्तियों एवं स्कूल भूखंड, चौरिटेबल संस्थाओं, नीलामी अथवा अन्य पद्धति से आवंटित संपत्तियों, सहकारी आवास समितियों को आवंटित संपत्तियों व मानचित्रों के लिए खोली गई है। जिन लोगों पर समय से किश्तें जमा न करने की सूरत में दंड ब्याज एवं चक्रवृद्धि ब्याज रोपित हो गया है, वह सभी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इसमें दंड ब्याज से छूट मिलेगी और लोग बकाया धनराशि जमा करके अपनी संपत्ति के मालिक बन सकेंगे।

युवक की मौत के मामले में केस दर्ज

अमृत विचार, अमेठी: कुएं में मिले युवक के शव के मामले में आखिरकार पुलिस ने सोमवार को केस दर्ज कर लिया। अमृत विचार में खबर प्रकाशित होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने परिजनों की मांग मानते हुए केस दर्ज की। बताते चलें कि युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद परिजन हत्या की आशंका जता रहे थे। वे केस दर्ज होने तक अंतिम संस्कार करने से इनकार करते हुए विरोध प्रदर्शन पर अड़े थे हत्याकांड की खबर को अमृत विचार ने प्रमुखता से सोमवार के अंक में प्रकाशित किया था जिसके बाद उच्चाधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 21 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

पंपिंग सेट की चपेट में आने से किशोरी की मौत

अमृत विचार, उन्नाव : फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के मिट्ठूखेड़ा गांव के बाहर पंपिंग सेट की चपेट में आने से एक किशोरी की दर्दनाक मौत हो गई। परिजन बिना पुलिस को सूचना दिए शव घर ले गए और बाद में अंतिम संस्कार कर दिया। जानकारी के अनुसार गांव निवासी सुरेश का बेटा टिल्लू गांव से करीब एक किलोमीटर दूर सीमेंटेड दीवार व गमले बनाने के कारखाने में मजदूरी करता है। सोमवार दोपहर उसकी 15 वर्षीय बहन सुकन्या उसे टिफिन देने जा रही थी। रास्ते में प्यास लगने पर वह सड़क किनारे खेत में चल रहे पंपिंग सेट पर पानी पीने लगी। तभी उसका दुपट्टा मशीन के पंखे में फंस गया और वह उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने दौड़कर इंजन बंद किया और परिजनों को सूचना दी, लेकिन अस्पताल ले जाने से पहले ही किशोरी ने दम तोड़ दिया। बेटी की मौत से मां रेशमा समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

अमृत विचार, मल्लावां, हरदोई : अज्ञात कारणों के चलते एक युवक ने घर के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के बरहुवां गांव निवासी मृदुल उर्फ रजत त्रिपाठी (30) पुत्र पृथ्वी नाथ का रविवार को नए घर में शव फंदे से लटका मिला। घटना के समय पिता लखनऊ किसी कार्य से गए थे। सोमवार सूचना जब पहुंचे तो शव लटका हुआ देखा तो पूरे घर में कोहराम मच गया।

पानी बहाने को लेकर खूनी संघर्ष, दो गंभीर

अमृत विचार, लहरपुर/सीतापुर : लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के तारनपुर गांव में सड़क पर पानी निकासी को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए, जमकर लाठी डण्डे चले। जानलेवा हमले में सात लोग घायल हुए, दो की हालत गंभीर है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। लहरपुर कोतवाली क्षेत्र की तारनपुर ग्राम निवासी गजाला के मुताबिक, उनके घर के बाहर विपक्षी गंदा पानी बहा रहे थे। ऐसे में उन लोगों ने विरोध किया। बातचीत बढ़ने पर दूसरे पक्ष के तौफीक, लड्डन, कल्लू और शादाब ने उनके घर में घुसकर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने गजाला की देवरानी किशवरी (30), देवर गुफरान (32), पति मतलूब और सास सरवरी को बेरहमी से पीटा, हमले में किशवरी और गुफरान को गंभीर चोटें आई, गंभीर अवस्था में किशवरी और गुफरान को जिला अस्पताल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोतवाली प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि गजाला की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है।

स्कूल चलो अभियान से लाखों बच्चों की हुई वापसी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सरकारी स्कूलों पर लोगों का बढ़ा भरोसा

अमृत विचार: योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की बेसिक शिक्षा व्यवस्था में पिछले नौ वर्षों में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। योजनाएं अब जमीन पर असर दिखा रही हैं और सरकारी स्कूलों के प्रति लोगों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

स्कूल चलो अभियान के तहत नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में 13.22 लाख और 2025-26 में 15.84 लाख बच्चों का नामांकन हुआ। वहीं, इस वर्ष अप्रैल के पहले 20 दिनों में ही 8.79 लाख से अधिक नए बच्चों का प्रवेश दर्ज किया गया, जो सरकारी स्कूलों की ओर बढ़ते रुझान को दर्शाता है।

आउट-ऑफ-स्कूल बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने में भी सरकार को सफलता मिली है। 7.73 लाख बच्चों की पहचान कर उन्हें स्कूलों से जोड़ा गया। अवस्थापना सुधार के तहत ऑपरेशन कायाकल्प के जरिए 1.32 लाख से अधिक विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं विकसित की गईं। 2017-18 में जहां केवल 36% स्कूल आधुनिक सुविधाओं से लैस थे, अब यह आंकड़ा बढ़कर 96.30% तक पहुंच गया है।

प्रदेश के 75 जिलों में 150 मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय विकसित किए जा रहे हैं, जिन पर करीब 4500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में 87 हजार से अधिक छात्राएं आधुनिक सुविधाओं के साथ शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। वहीं, पीएम पोषण योजना के तहत 1.52 करोड़ बच्चों को भोजन और पोषण सुरक्षा मिल रही है।

नामांकन और छात्र हित में बड़ा बदलाव

- 1.30 करोड़ छात्रों को डीबीटी के जरिए 1200 की सहायता
- मुफ्त किताबें, यूनिफॉर्म, जूते और बैग की सुविधा
- 7.73 लाख आउट ऑफ स्कूल बच्चों को जोड़ा गया
- आरटीई के तहत 1.85 लाख बच्चों को निजी स्कूलों में प्रवेश

तकनीक और गुणवत्ता पर फोकस

- 2.61 लाख शिक्षकों को टैबलेट वितरित
- 25,954 स्कूलों में स्मार्ट क्लास
- 880 ब्लॉकों में आईसीटी लैब स्थापित
- 4 लाख से अधिक शिक्षकों को एफएलएन प्रशिक्षण

शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाने के लिए शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में भी वृद्धि की गई है। अब प्रदेश में शिक्षा केवल नामांकन तक सीमित नहीं, बल्कि सीखने के परिणाम, तकनीक और समावेशी विकास पर केंद्रित हो गई है।

छात्र को रोडवेज बस ने कुचला, मौत

सीतापुर के मानपुर-परसेहरा मार्ग पर हुआ हादसा

संवाददाता, सीतापुर

महताब खान (फाइल फोटो)

अमृत विचार : सुबह स्कूल जा रहे छात्र को तेज रफ्तार रोडवेज बस ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक बस समेत फरार हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने हादसे के बाद हंगामा भी किया।

मानपुर थानाक्षेत्र के ग्राम बखरिया निवासी जमीर अहमद का 12 वर्षीय पुत्र महताब खान स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज, बलदेव नगर में कक्षा-6 का छात्र था। सुबह रोज की तरह वो स्कूल जा रहा था। मानपुर-परसेहरा मार्ग पर तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उसे ठोकर मार दी। बस की चपेट में आए छात्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद बढ़ती भीड़ देख चालक रोडवेज बस को लेकर फरार हो गया। इसी के बाद बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई, ग्रामीणों ने विरोध भी किया। किसी तरह से स्थितियों को सामान्य कर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

स्पीड ब्रेकर की मांग : ग्रामीण राकेश, सचान, बिरजू, किशोर और राजू का कहना है कि मुख्य मार्ग पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाने की आवश्यकता है। पूर्व भी तेज रफ्तार वाहनों से हादसे हो चुके हैं।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

अमृत विचार, हरगांव : हरगांव-महोली मार्ग पर देर रात हुए एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने युवक को कुचल दिया और मौके से फरार हो गया। हरगांव थाना क्षेत्र के नयागांव फिरोजपुर निवासी अनुपम सिंह (38) देर रात सड़क किनारे टहल रहे थे। इसी दौरान फिरोजपुर गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अनुपम की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रदेश में 32 हजार प्राथमिक विद्यालय 'निपुण' घोषित

हर स्कूल को 50 हजार रुपये प्रोत्साहन, शिक्षक होंगे सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बेसिक शिक्षा में सुधार

- भाषा-गणित में 32,480 स्कूलों ने 80 प्रतिशत दक्षता हासिल की

अमृत विचार: प्रदेश में बेसिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधार की दिशा में बड़ा परिणाम सामने आया है। निपुण भारत मिशन के तहत हुए ताजा आकलन में प्रदेश के 32,480 प्राथमिक विद्यालय 'निपुण' घोषित किए गए हैं। इन स्कूलों में कक्षा-1 और 2 के कम से कम 80 प्रतिशत बच्चों ने भाषा और गणित में अपेक्षित दक्षता हासिल की है।

सरकार ने इन विद्यालयों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक स्कूल को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। इस बार आकलन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए डीएलएड प्रशिक्षुओं की मदद ली गई, जिन्होंने स्कूलों में जाकर बच्चों की वास्तविक सीखने की क्षमता का परीक्षण किया।

निपुण रैंकिंग में हरदोई (1002 स्कूल), अलीगढ़ (969), शाहजहांपुर (916), महाराजगंज (874) और लखीमपुर खीरी (830) शीर्ष जिलों में शामिल रहे। यह प्रदर्शन दर्शाता है कि इन जिलों में शिक्षा सुधार के प्रयास जमीनी स्तर पर प्रभावी रहे हैं। प्रदेश में करीब 1.07 लाख परिषदीय विद्यालयों का आकलन किया गया, जिनमें से 32 हजार से अधिक का निपुण घोषित होना गुणवत्ता सुधार की ठोस तस्वीर पेश करता है।

ये हुए बदलाव

- 2.61 लाख शिक्षकों को टैबलेट, डिजिटल शिक्षण को बढ़ावा
- 1.32 लाख स्कूलों में ऑपरेशन कायाकल्प के तहत सुधार
- 2025-26 में 15.84 लाख बच्चों का नया नामांकन
- 7.73 लाख आउट ऑफ स्कूल बच्चों को जोड़ा

मिलेगा सम्मान

- प्रति विद्यालय 50,000 रुपये की सहायता
- जिला व ब्लॉक स्तर पर शिक्षकों का सम्मान
- 'निपुण विद्यालय' का विशेष पहचान चिह्न
- शैक्षणिक संसाधनों को और मजबूत करने का मौका

टीन शेड के नीचे पढ़ने को मजबूर 215 नौनिहाल

संवाददाता, सीतापुर

तेज गर्मी के बीच बच्चों के लिए टीन शेड बना पढ़ाई का सहारा। अमृत विचार

- बाढ़ और कटान प्रभावित क्षेत्रों में पढ़ाई में आ रहीं मुश्किलें

अमृत विचार: शासन सर्व शिक्षा अभियान के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रहा है। लेकिन सरातल पर तस्वीर उलट सी है। खास समस्या बाढ़ और कटान प्रभावित क्षेत्र रामपुर मथुरा के कुछ स्थानों में है। ग्राम शुकुल पुरवा के बच्चे घाघरा की लहरों में समा चुके कंपोजिट विद्यालय के कारण खुले आसमान के नीचे पढ़ने को मजबूर हैं।

बाढ़ में बह गया था भवन, खुला आसमान ही सहारा : ग्राम पंचायत शुकुल पुरवा स्थित कंपोजिट विद्यालय पिछले वर्ष आई भीषण बाढ़ में घाघरा नदी के कटान की भेंट चढ़ गया था। विद्यालय भवन नदी में समाहित होने के बाद से ही यहां पंजीकृत 215 छात्र-छात्राओं की कक्षाएं अस्थायी छप्परों के नीचे चल रही हैं। कड़ाके की ठंड और बारिश के बाद खुले आसमान के नीचे पढ़ना इनकी मजबूरी है।

शुद्ध पेयजल का संकट भी

विद्यालय में न केवल भवन का अभाव है, बल्कि मध्यान्ह भोजन एमडीएम भी छप्पर के नीचे ही तैयार कर परोसा जाता है। समुचित नल की व्यवस्था न होने से शुद्ध पेयजल का भी संकट बना रहता है।

> विद्यालय भवन निर्माण के लिए उच्चाधिकारियों से लगातार पत्राचार किया जा रहा है। भूमि मिलते ही निर्माण की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी।
> — उदयमणि पटेल, खंड शिक्षा अधिकारी

करंट लगने से महिला की मौत

अमृत विचार, सीतापुर : रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत तुलसीपुर खरिका स्थित बजेहरा गांव में दोपहर बिजली का करंट लगने से एक 52 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। बजेहरा गांव निवासी दिनेश श्रीवास्तव की मां रामदुलारी (52) पत्नी स्व. जानकी प्रसाद दोपहर घर के बाहर बने स्नानघर में गई थीं। परिजनों के मुताबिक, वहां लगे नल के पास बिजली के तार से करंट उतर रहा था, जिसकी चपेट में आकर रामदुलारी गंभीर रूप से झुलस गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

300 यूनिट बिजली फ्री देंगे: अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- महिलाओं को 40 हजार सालाना पेंशन देने का किया वादा

अमृत विचार: अखिलेश यादव ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनने पर प्रदेश में हर परिवार को 300 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाएगी। साथ ही महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपये पेंशन देने का वादा भी दोहराया।

सोमवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित बैठक में सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने स्वास्थ्य, शिक्षा और बिजली व्यवस्था को पूरी तरह चौपट कर दिया है। सपा सरकार बनने पर इन व्यवस्थाओं में सुधार किया जाएगा और सभी वर्गों को न्याय मिलेगा।

अखिलेश यादव ने स्मार्ट मीटर को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता के साथ ठगी हो रही है और लोगों में भारी नाराजगी है। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि बिजली के मीटर भी ईवीएम की तरह गड़बड़ी कर रहे हैं।

महिला आरक्षण मुद्दे पर भाजपा का 'नकली प्रदर्शन'

महिला आरक्षण मुद्दे पर भी अखिलेश यादव ने भाजपा को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध के नाम पर "नकली प्रदर्शन" कराए जा रहे हैं। बेरोजगारी को इसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि मजबूरी में लोग ऐसे काम करने को तैयार हो रहे हैं।

कब्रिस्तान में पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

अमृत विचार, सीतापुर, : लखनऊ कमिश्नरेट के थाना माल स्थित चुकंडिया गांव निवासी सुधीर कुमार गौतम (30) का शव को मानपुर के मोइजुद्दीनपुर कैमहरा स्थित कब्रिस्तान में पेड़ से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों का आरोप है कि मोइजुद्दीनपुर निवासी एक महिला से नजदीकी के चलते सुधीर ने यह कदम उठाया है। परिजनों ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी आशुतोष मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में एक वीडियो सामने आया है, जिसे सुधीर ने सुसाइड से पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। वीडियो में वह एक महिला के साथ अपनी फोटो दिखाते हुए कह रहा है कि उसके साथ पिछले चार साल से संबंध थे। धोखा देने से जान दे रहा हूं।

आग का गोला बनी कार, कूदकर बचाई जान

संवाददाता, हरदोई

सड़क पर जलती सीएनजी कार। अमृत विचार

अमृत विचार: हवा से बातें करती दौड़ रही सीएनजी कार में बीच सड़क पर अचानक आग लग गई, जिससे वह आग का गोला बन चुकी थी लेकिन उसी बीच ड्राइवर छलांग लगा कर बाहर आ गया और पूरी कार एक पल में राख हो चुकी थी। अब सवाल उठ रहा है कि कार कहां की थी उस पर सवार शख्स कौन था ? इस सवाल का जवाब ढूंढने में जुटी पुलिस कोयला बन चुकी कार की पड़ताल कर रही है।

इस तरह की खौफनाक तस्वीर उस वक्त सामने आई जब सोमवार को हरदोई से बिलग्राम रोड पर दौड़ती जा रही सीएनजी कार फर्दापुर के पास पहुंचते ही आग का गोला बन गई। कार से निकल रहीं आग की लपटें देख कर उधर से निकल राहगीर जहां के तहां ठिठक गए,कोई समझ नहीं पा रहा एकदम से ऐसा कैसा हो गया,उसी बीच कार के अंदर बैठे ड्राइवर ने बाहर छलांग लगा कर अपनी जान बचा ली। कार पूरी तरह से कोयला हो चुकी थी। माना जा रहा है कि शार्ट सर्किट होने से इस तरह का हादसा हुआ, फिलहाल जांच की जा रही है।

'पीएम सूर्य घर' पोर्टल किया लांच

रियल-टाइम मॉनिटरिंग से मिलेगी प्रगति की सटीक जानकारी

पोर्टल लांच करते यूपीनेडा के निदेशक इंद्रजीत सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी ने 'प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना' की निगरानी के लिए www.pmsgy.upneda.co.in पोर्टल लांच किया है। यूपीनेडा के निदेशक इंद्रजीत सिंह ने सोमवार को इस पोर्टल की शुरुआत की।

नया पोर्टल आवेदन, स्वीकृति, सोलर संयंत्र स्थापना और भुगतान तक सभी चरणों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की सुविधा देगा। इससे अधिकारियों को प्रगति की सटीक जानकारी मिलेगी, वहीं लाभार्थी भी अपने आवेदन की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक कर सकेंगे।

सरकार के डिजिटल गवर्नेंस मॉडल के तहत यह पहल पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मिनिस्ट्री ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी (भारत सरकार) ने भी इस मॉडल की सराहना करते हुए इसे केंद्र स्तर पर लागू करने के लिए तकनीकी सहयोग मांगा है।

राज्य में 'प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना' के तहत अब तक 4.80 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं।

पत्नी को बाजार में चाकू से गोदा, हालत गंभीर

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

- सीतापुर के रेउसा क्षेत्र का मामला, मौसी भी गंभीर

अमृत विचार: घरेलू विवाद इतना बढ़ा कि मायके से बाजार आई महिला पर उसी के पति चाकुओं से हमला कर दिया। रेउसा इलाके की मुख्य बाजार में हुई वारदात में बीच-बचाव करने वाली महिला की मौसी को भी आरोपी ने नहीं बख्शा। ताबड़तोड़ हुई वारदात से मची भगदड़ के बाद दोनों महिलाओं को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी पति को रेउसा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

रेउसा थानाक्षेत्र की दलपतपुर निवासी संगीता के मुताबिक, उसके पति गुड्डू पिछले काफी समय से उसके साथ मारपीट करते थे, ऐसे में वो मायके खुरवलिया चली आई थी। दोपहर गांव से बाजार में खरीदारी करने अपनी मां रामश्री और मौसी राजकुमारी के साथ सेवता आई थी। पीड़िता की मानें तो यहीं पर उसका सामना पति गुड्डू से हो गया। भरी बाजार में गुड्डू गाली-गलौज करते हुए पत्नी संगीता से मारपीट करने लगा। ऐसे में मौसी राजकुमारी बीच-बचाव करने लगीं। आरोपी गुड्डू ने दौड़ा-दौड़ाकर चाकू से अपनी पत्नी संगीता पर कई वार कर दिए।

उपलब्धि

बीते नौ वर्षों में महिलाओं के सशक्तीकरण को लेकर व्यापक बदलाव

सरकारी योजनाओं से लाखों महिलाओं को लाभ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 'लखपति दीदी योजना' और 'महिला उद्यमी उत्पाद विपणन योजना' आत्मनिर्भर बनाने में निभा रहीं अहम भूमिका
- बीसी सखी से 42 हजार करोड़ का लेन-देन, बढ़ी आर्थिक भागीदारी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बीते नौ वर्षों में महिलाओं के सशक्तीकरण को लेकर व्यापक बदलाव देखने को मिला है। सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वास्थ्य और आर्थिक स्वावलंबन को प्राथमिकता देते हुए कई योजनाएं लागू की हैं, जिनसे लाखों महिलाएं लाभान्वित हुई हैं।

सरकार के प्रयासों से एक करोड़ से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना', 'सामूहिक विवाह योजना', 'लखपति दीदी योजना' और 'महिला उद्यमी उत्पाद विपणन योजना' जैसी पहलें महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। बेटियों के लिए 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत 2.85 करोड़ से अधिक महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया गया, जबकि 5.20 लाख से अधिक बेटियों का विवाह सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से संपन्न कराया गया। वहीं 26.81 लाख बेटियां कन्या सुमंगला योजना से लाभान्वित हुई हैं।

महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने में बीसी सखी योजना मील का पत्थर साबित हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं ने इसके तहत 42,711 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय लेन-देन किया है। इसके अलावा हजारों 'विद्युत सखियों' ने बिजली बिल कलेक्शन के जरिए आय अर्जित की है। औद्योगिक क्षेत्र में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। नाइट शिफ्ट में काम की अनुमति और सुरक्षित माहौल के चलते महिला श्रम भागीदारी 13 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत तक पहुंच गई है। सरकार ने सामाजिक सुरक्षा को भी मजबूत किया है। निराश्रित महिलाओं की पेंशन 1000 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये की गई है, जबकि हेल्पलाइन 181 के जरिए 8.42 लाख से अधिक महिलाओं को सहायता मिली है।

संवाद और जवाबदेही ही प्रशासन की पहचान

2024 बैच के प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को मुख्य सचिव ने दी नसीहत

प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों से शिष्टाचार भेंट के दौरान मुख्य सचिव एसपी गोयल। अमृत विचार

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने वर्ष 2024 बैच के प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों से शिष्टाचार भेंट के दौरान कहा कि प्रशासनिक सेवा का मूल आधार ईमानदारी, समर्पण और जनता से सतत संवाद है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपनी कार्यशैली में संवेदनशीलता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। साथ ही, जनप्रतिनिधियों से तालमेल जरूरी है।

मुख्य सचिव ने सोमवार को प्रशिक्षु अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्र सेवा का महत्वपूर्ण अवसर मिला है। उन्होंने जोर दिया कि सभी अधिकारी पूर्ण ईमानदारी, समर्पण और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा उत्तर प्रदेश की सकारात्मक छवि को सुदृढ़ बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही को अनिवार्य बताते हुए अधिकारियों को हर परिस्थिति में जनहित को सर्वोपरि रखने की सलाह दी।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि अधिकारी जन संवाद को अपनी कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा बनाएं और जन सुनवाई के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें।

प्रतापगढ़ में तालाब में डूबने से तीन सगे भाई-बहनों की मौत

कंधई थाना क्षेत्र के साल्हीपुर कंजास गांव में हुई घटना, परिजनों में मचा कोहराम

हादसा

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : जनपद के कंधई थाना के साल्हीपुर कंजास गांव में सोमवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। एक ही परिवार के दो भाई और एक बहन की तालाब में डूबने से मौत हो गई। सभी बच्चे नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से डूब गए। हृदय विदारक घटना से परिजनों में कोहराम मच गया और पूरा गांव शोक में है।

कंधई थाना क्षेत्र के साल्हीपुर कंजास गांव में सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे दर्दनाक हादसा हुआ। नहाने के दौरान तालाब में डूबने से एक किशोरी और उसके दो छोटे भाइयों की मौत हो गई। गांव के विजय बहादुर यादव की 13 साल की बेटी रानी अपने 6 साल के भाई रोहित और 9 साल के भाई मोहित को लेकर तालाब में नहाने गई थी। वहां पर गहरे पानी में तीनों डूब गए। बच्चों के डूबने के दौरान बच्चों की चीख-पुकार सुनकर तालाब के किनारे मौजूद कुछ लोगों ने पानी में उतरकर उन्हें बचाने का भरपूर प्रयास किया। हालांकि सभी बच्चे तब तक गहरे पानी में समा चुके थे। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। उधर परिवार के लोग भी बिलखते हुए पहुंच गए। बच्चों को नजदीकी अस्पताल ले गए तो वहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया गया। तालाब में डूबकर तीन सगे भाई बहनों की मौत के बाद मां सबसे छोटे आठ वर्षीय बेटे को गोद में लेकर बिलखती रही। उसने अधिकारियों से रो-रोकर बात बताई। सीओ पट्टी मनोज कुमार सिंह रघुवंशी ने कंजास गांव पहुंचकर घटनस्थल का जायजा लिया। परिजनों से बातचीत कर ढांढस बंधाया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

बच्चों का पिता विजय बहादुर लकवाग्रस्त है। वह किसी तरह छोटे - मोटे कार्य एवं मां मजदूरी करती है। घटना के समय मां घर के अंदर बच्चों के लिए भोजन बना रही थी।

तालाब में डूबने से किसान की मौत

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : लोनीकटरा थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह किसान की तालाब में डूबने से मौत हो गई। इलियासपुर निवासी सर्वेश सुबह करीब 10 बजे गांव के पास स्थित एक बड़े तालाब में नहाने गए थे। काफी देर तक घर न लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। तलाश के दौरान परिजन तालाब किनारे पहुंचे, जहां उनके कपड़े पड़े मिले। पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। भाजपा नेता व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नीरज वर्मा और प्रधान नन्हा वर्मा के सहयोग से ग्रामीणों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सर्वेश को तालाब से बाहर निकाला गया। गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाए गए सर्वेश को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर किसान की मौत

राजपुर, कानपुर अमृत विचारः थाना राजपुर क्षेत्र के बैना गांव में एक किसान सोमवार को खेत से ट्रैक्टर ट्राली में भूसा बनवाकर घर लाया था। दरवाजे पर भूसा उतारते समय वह ट्राली के ऊपर चढ़ गया। अचानक ट्रैक्टर चालक ने प्रेशर ट्राली को ऊपर उठा दिया। ऊपर से गुजरी हाई टेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौके पर मौत हो गई। परिजन उसे स्वास्थ केंद्र ले गए। जहां उसे मृत घोषित कर दिया।

बैना गांव निवासी अमित कुमार सविता (40 वर्ष) पुत्र मुलायम सिंह सविता सोमवार की सुबह खेत से ट्रैक्टर ट्राली में भूसा बनवाकर घर लाया था। दरवाजे पर किसान भूसे लदी ट्राली के ऊपर चढ़ गया। अचानक ट्रैक्टर चालक ने भूसा पलटने के लिए प्रेशर ट्राली को ऊपर उठा दिया जिससे किसान ऊपर से गुजरी हाई टेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आ गया। हाई टेंशन लाइन की चपेट में आते ही स्पार्किंग के साथ वह ट्राली से नीचे जा गिरा।

लापता युवक का शव मिला

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : सफदरगंज थाना क्षेत्र में एक युवक का शव संदिग्ध दशा में पेड़ से लटका मिला। खबर फैलते ही गांव में सनसनी फैल गई, अहम बात यह कि चार दिन बाद ही मृतक की बहन की शादी होनी तय है। घटना से द्रवित मां ने आरोप लगाया है कि उसके बेटे की हत्या कर शव को पेड़ से लटकाया गया है। मामला दर्ज कर पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार यह घटना क्षेत्र के ग्राम मदरहा डूडी की है। जहां सोमवार को 22 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला। शव की पहचान शिवम वर्मा पुत्र पवन वर्मा के रूप में हुई है। बताया जा रहा कि रविवार शाम घर के सभी लोग मेंथा की फसल में सिंचाई करने खेत गए थे। शिवम भी अपने छोटे भाई के साथ खेत पर मौजूद था। रात करीब 11 बजे उसे घर भेज दिया गया ताकि वह आराम कर दूसरे दिन शादी के निमंत्रण बांटने जा सके। हालांकि, वह घर नहीं पहुंचा। रात में जब शिवम से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उसका फोन नहीं उठा। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। सोमवार सुबह गांव के बाहर बाबा कुटिया के पास एक पेड़ से बेल्ट के सहारे उसका शव लटकता मिला।

घटना की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की मां नीलम देवी ने बेटे की हत्या की आशंका जताते हुए कहा कि किसी ने मेरे बेटे को मारकर पेड़ से लटका दिया है। बताया कि परिवार की किसी से कोई रंजिश नहीं थी। छोटे भाई सत्यम वर्मा ने बताया कि शिवम रात में उनके साथ खेत पर था। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष अमर चौरसिया ने बताया कि मामला दर्ज कर सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस आत्महत्या और हत्या, दोनों एंगल से पड़ताल कर रही है।

गुत्थी उलझी

- चार दिन बाद है बहन की शादी मातम में बदलीं शादी की खुशियां

खेत में पड़ा मिला युवक का शव

थाना जहांगीराबाद क्षेत्र में सोमवार सुबह एक युवक का शव खेत में मिला। सद्दीपुर क्षेत्र के छुलहा गांव निवासी मनोज कुमार पुत्र लल्लन एक दिन पहले मयाराम और मल्हू निवासी छोलहा तथा एक अन्य साथी के साथ ठेके पर बन्नी गांव के पूर्व स्थित खेत में गेहूं की कटाई करने गया था। शाम को उसके साथी अपने-अपने घर लौट गए, लेकिन मनोज देर रात तक घर नहीं पहुंचा। परिजनों ने रात में तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। सोमवार सुबह खेत की ओर जा रहे ग्रामीणों ने मनोज का शव पड़ा देखा। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एक्सप्रेस-वे पर फिर गरजेंगे जेट

- अरवल कीरी करवत गांव के पास कल उतरेंगे लड़ाकू विमान

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर एक बार फिर आसमान जंगी विमानों की गर्जना से गूंजने को तैयार है। एक्सप्रेस-वे के गोसाईगंज थाना क्षेत्र स्थित अरवल कीरी करवत गांव के पास बने एयर स्ट्रिप पर 22 अप्रैल को भारतीय वायुसेना के फाइटर जेट उतरने वाले हैं। इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम को लेकर तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं।

सोमवार को स्थलीय निरीक्षण के दौरान पाया गया कि एक्सप्रेस-वे के किमी 124 पर डायवर्जन के लिए डिस्प्ले बोर्ड लगा दिए गए हैं। यातायात को सुचारु रखने के लिए प्रशासन और यूपीडा ने विशेष इंतजाम किए हैं। किमी 124 से 129 तक एक लेन को लखनऊ की ओर से आने वाले वाहनों के लिए डायवर्ट किया गया है।

एयर स्ट्रिप व बनाया जा रहा मंच। ● अमृत विचार

सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद कर दी गई है। कूरेभार थाना प्रभारी संदीप त्रिपाठी के अनुसार, क्षेत्राधिकारी जयसिंहपुर के नेतृत्व में 10 किलोमीटर के दायरे में कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस टीम आसपास के गांवों में भ्रमण कर लोगों को सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक कर रही है।एयर स्ट्रिप के 5 किलोमीटर क्षेत्र में साफ-सफाई और मरम्मत का कार्य तेजी से पूरा किया गया है। यूपीडा ने बैरिकेडिंग कर रनवे को पूरी तरह तैयार कर लिया है। अवर अभियंता इमरान ने बताया कि सभी तकनीकी मानकों को पूरा कर लिया गया है और विमान की सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित है।

लकड़ी चोर गिरोह का खुलासा, 4 बंदी

गोसाईगंज, सुलतानपुर, अमृत विचारः गोसाईगंज पुलिस ने लकड़ी चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के 43 यूकेलिप्टस (सफेदा) के बोटे और वारदात में प्रयुक्त वाहन बरामद किया है। यह कार्रवाई सोमवार को पुलिस अधीक्षक चारू निगम के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। 7 अप्रैल को रविशंकर शुक्ला ने अपने खेत से 24 यूकेलिप्टस के पेड़ चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने साक्ष्य जुटाते हुए मुखबिर की सूचना पर सोमवार को घेराबंदी कर चारों आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में शुभम यादव, करन, रोशनलाल और आदित्य पटेल शामिल हैं।

सरकार की नीतियां खोखली : तनुज

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

चर्चा करते सांसद तनुज पुनिया। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सांसद तनुज पुनिया ने सोमवार को जिले के राजनीतिक व्यक्तियो से महिला बिल पर चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस महिला बिल आरक्षण के विरोध में कभी नही रही है कांग्रेस पार्टी एवं विपक्ष ने 2023 में पूरा समर्थन किया था और तभी यह कानून बना था लेकिन इस कानून में यह शर्त व नियम था कि कानून पूरी तरीके से तब लागू होगा जब देश में जनगणना व जाति जनगणना पूरी तरीके से हो जायेगी। वर्तमान सरकार की मंशा में ही खोट है यह बिना जनगणना व जातीय जनगणना कराये लोकसभा में प्रस्ताव प्रस्तावित किया लेकिन विपक्ष ने एकजुट होकर इस प्रस्ताव को पारित नही होने दिया।

सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियां एकदम खोखली व निराधार हैं। वर्तमान सरकार चाह रही थी कि बिना जनगणना व जातीय जनगणना कराये यह कानून बन जाये जिसमें ओबीसी व एसटी महिलाओ की आरक्षण की कोई रूपरेखा ही नही तैयार है जनगणना कानून के अनुसार आरक्षण अगली जनगणना के आंकडे आने के बाद ही लागू हो व परिसीमन जनगणना के बाद देश में सीटो का नये सिरे से निरधारण (परिसीमन) किया जाये।

सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि यह देश का बडा ही दुर्भाग्य है कि सदन में बिल पास न होने के कारण प्रधानमंत्री राष्ट्र को सम्बोधन करने पर उतर आये जबकि प्रावधान के अनुसार अगर देश में आपदा या दैवीय प्रकोप या अपातकाल में ही राष्ट्र को सम्बोधन का प्रावधान बनता है।

मुठभेड़ में गोहत्या का आरोपी घायल

श्रावस्ती, अमृत विचार : मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से गोहत्या का आरोपी घायल हो गया। जिसे गिरफ्तार कर पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। आरोपी के कब्जे से तमंचा व कारतूस बरामद किया।

सिरसिया पुलिस को सोमवार भीड़ मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक संदिग्ध व्यक्ति, जो नेपाल से वापस आ रहा है और किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सिरसिया पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने सघन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया। इसी दौरान रामपुर बंधा के पास संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया। आरोपी ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई जो आरोपी के दाहिने पैर में जा लगी और वह घायल होकर गिर गया। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान ननऊ निवासी सम्भार पुरवा, थाना कोतवाली भिनगा के रूप में हुई।

मदद को बढ़ाया हाथ

लखनऊ, अमृत विचार : विकासनगर अग्निकांड के पांच दिन बाद एक बार फिर से अवैध बस्ती में जनजीवन दोबारा पटरी पर लौट रहा है। बेघर हुए परिवारों ने राख के अवशेषों के बीच फिर से अपने छप्पर और झोपड़ियां डालनी शुरू कर दी हैं। तो वहीं सामाजिक संस्थाएं और लोग मौके पर पहुंचकर पीड़ितों को अनाज, कपड़े और अन्य जरूरी सामान मुहैया करा रहे हैं। आदिज्योति सेवा समिति की अध्यक्ष ज्योति ने बताया कि यहां गरीबों का सब कुछ स्वाहा होने के बाद बेघर हुए परिवारों व बच्चों को राशन के साथ शिक्षण सामग्री वितरित कर रहे, ताकि बच्चे किताबों में अपनी दुनिया ढूंढ़ सके। ● अमृत विचार

मारपीट, धर्म परिवर्तन का लगाया आरोप

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : दरियाबाद थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति के घर में घुसे लोगों ने परिजनों से मारपीट व तोड़फोड़ की। आरोप है कि आरोपी धर्म परिवर्तन का गिरोह चलाते हैं। पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ग्राम न्यामतपुर निवासी रामनरायन ने कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि उनके गांव के ही शहजाद के पुत्र सलमान, जमाल और फुरकान पर दलित वर्ग की युवतियों को बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन कराते हैं। बताया गया कि 16 अप्रैल की रात, जब परिवार के लोग खेत में गेहूं की मड़ाई कर रहे थे, उस समय घर पर उनकी बहू अकेली थी। इसी दौरान जमाल नामक व्यक्ति घर में कूदकर घुस गया। शोर-शराबा सुनकर जब परिजन पहुंचे, तो आरोप है कि अन्य लोग भी वहां आ गए और गाली-गलौज करते हुए घर में घुसकर तोड़फोड़ व मारपीट की। यह भी आरोप लगाया है कि आरोपियों द्वारा जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला मारपीट और तोड़फोड़ का पाया गया है। धर्म परिवर्तन के आरोपों की फिलहाल पुष्टि नहीं हुई है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं **कमल वर्मा पुत्र राकेश कुमार वर्मा निवासी 369/13 सहादतगंज, बीबीगंज, लखनऊ 226003**, मेरी पुत्री इशानी वर्मा के आधार कार्ड संख्या 809327880137 में पुत्री का नाम त्रुटिवश इशानी अंकित हो गया है जो कि गलत है। जबकि पुत्री का सही नाम इशानी वर्मा है। अतः विभाग के अभिलेखो में उपरोक्त लिखित पुत्री का सही नाम इशानी वर्मा संशोधित कर आधार कार्ड में अकित किया जाय।

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD SALMAN QURAISHI से बदलकर MD.SALMAN QURAISHI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-MOHAMMAD WARIS ADD-MOHALLA KAJIPURA O3 FATEHPUR DIST-BARABANKI-225305 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम ABDUL QUDDUS SHEIKH से बदलकर ABDUL QUDDUS रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-ABDUL JARRAR ADD-A-09 ABRAR NAGAR, PICNIK SPOT VIKAS NAGAR DIST-LUCKNOW-226022 (U.P.)

सूचना

मेरे पासपोर्ट में मेरे पिता का नाम त्रुटिवश सुरेश गलत दर्ज हो गया है। जबकि मेरे आधार कार्ड और पैन कार्ड में मेरे पिता का नाम सुरेश सैनी दर्ज है। सुरेश और सुरेश सैनी दोनों ही नाम मेरे पिता के हैं। मुझे सोनू सैनी (sonu saini) पुत्र सुरेश (suresh) और सोनू सैनी (sonu saini) पुत्र सुरेश सैनी (suresh saini) दोनों नामों से जाना व पहचाना जाए। **सोनू सैनी पुत्र सुरेश सैनी निवासी ग्राम–परशुराम पुर पोस्ट– राजेपुर, परगना व तहसील – बांगरमऊ, जिला – उन्नाव उ.प्र.**

सूचना

मेरे पुत्र आराध्य तिवारी का नाम अभिलेखों में त्रुटिवश ARADHYA TIWARI दर्ज हो गया है जबकि इसका सही नाम ARADHY TIWARI है। मेरे पुत्र का सही नाम ARADHY TIWARI है इसे इसी नाम से जाना व पहचान जाए। **नवीन कुमार तिवारी पुत्र सोमप्रकाश तिवारी निवासी बरखेड़ा कला तहसील बीसलपुर, जिला पीलीभीत**

सूचना

मैंने अपना नाम RAJESH KUMAR JAIN से बदल कर RAJESH JAIN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: CHANDRA PRAKASH JAIN R/O: 276 A, LALPURA, ETAWAH, ETAWAH

भाजपा को आगे बढ़ाने का कार्य करें कार्यकर्ता

- बैठक में नवीन कार्यकारिणी से रूबरू हुए भाजपा संगठन महामंत्री

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि विचारधारा है। भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्रवाद का ध्वजवाहक है। संगठन में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि है। इस लिए भाजपा के हर स्तर के कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपना लक्ष्य सिर्फ चुनाव में पार्टी की जीत तक सीमित न रखें बल्कि विचारधारा और सिद्धांतों के आधार पर उसे मिशनमोड में आगे बढ़ाने का काम करें।

प्रदेश संगठन महामंत्री सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित सांगठनिक बैठक को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नव गठित जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश व प्रदेश में जब जब सरकार बनाई है, कार्यकर्ताओं और देशवासियों की विचारधारा का सम्मान करते हुए राष्ट्र हित में काम किया। उन्होंने बताया कि अनुच्छेद 370 हटाना, देश के शरणार्थियों को नागरिकता देना, राममंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त कराना, गरीब कल्याण अन्न योजना, उज्जवला आदि योजनाएं इसी की देन हैं।

उन्होंने कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ाते हुए कहा कि प्रत्येक मंडल भाजपा में कार्यकर्ता निर्माण की इकाई है। इस लिए मंडल अध्यक्षों की जिम्मेदारी अधिक बनती है। इसके पूर्व उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर बैठक का शुभारंभ किया। जिला अध्यक्ष राम सिंह वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। एमएलसी व जिला प्रभारी अवनीश सिंह पटेल ने आभार ज्ञापित किया। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष व एमएलसी संतोष सिंह, राज्य मंत्री सतीश शर्मा, एससी एसटी आयोग के प्रदेश अध्यक्ष बैजनाथ रावत, विधायक दिनेश रावत, एमएलसी अंगद सिंह, पूर्व सांसद उपेंद्र सिंह रावत, शरद अवस्थी, संतोष सिंह, अवधेश श्रीवास्तव, शशांक कुसुमेश, हरगोविंद सिंह, अमरीश रावत, रामकुमारी मौर्य, विजय आनंद बाजपेई, शीलरत्न मिहिर, ब्रजेश रावत आदि मौजूद रहे।

भाजपा जिला कार्यालय पर सांगठनिक बैठक को संबोधित करते प्रदेश भाजपा महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह। ● अमृत विचार

जन आक्रोश महिला पद यात्रा की तैयारियां पूरी

बाराबंकी, अमृत विचार : नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर संसद में कांग्रेस, सपा एवं अन्य विपक्षी पार्टी के रवैए से नाराज महिलाएं मंगलवार को लखनऊ में जन आक्रोश पद यात्रा निकाल कर अपना विरोध दर्ज कराएंगी। जिले से इस पद यात्रा में 5 हजार से अधिक महिलाएं शामिल होने के लिए लखनऊ जाएंगी। जिला प्रभारी अवनीश सिंह पटेल ने बताया कि आक्रोश पद यात्रा की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि जिले की सभी विधानसभाओं में 175 बसों की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक बस में एक महिला और एक पुरुष प को व्यवस्था सौंपी गई है।

कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उत्तर प्रदेश
तृतीय तल, किसान मण्डी भवन, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।

पत्रांक– नि0ख0/लखनऊ/ई–निविदा/2026–188 दिनांक: 20.04.2026

ई–निविदा सूचना (ई–टेण्डर)

गड्ढामुक्तिकरण योजनान्तर्गत निम्नलिखित सम्पर्क मार्गों के मरम्मत कार्य हेतु ई–निविदा (E-Tendering) के माध्यम से मण्डी परिषद में वॉछित श्रेणी में पंजीकृत एवं वित्तीय रूप से सुदृढ फर्म/ठेकेदारों से दिनांक 18.05.2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। ई–टेण्डरिंग के माध्यम से आनलाइन निविदा https://etender.up.nic.in पर दिनांक 22.04.2026 की अपरान्ह 1.00 बजे से दिनांक 18.05.2026 की अपरान्ह 3:00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है जिसकी तकनीकी बिड दिनांक 18.05.2026 को अपरान्ह 3.30 बजे खोली जायेगी। तकनीकी बिड उपयुक्त पाये जाने के फलस्वरूप वित्तीय बिड खोली जायेगी। तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने हेतु निर्धारित तिथि को सार्वजनिक अवकाश पड़ जाने की स्थिति में तकनीकी एवं वित्तीय बिड अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी:–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	मण्डी का नाम	कार्य का नाम	निविदा शुल्क + (जी0एस0टी) (रू0में)	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	अवधि	पंजीकरण श्रेणी
1	सीतापुर	सीतापुर	सं0मा0 अल्लीपुर बंदिया से टिकरा जार तक मरम्मत कार्य। (1.50 कि0मी0) 2026_RKUMP_1138476_1	5100.00 + 918.00 6018.00	33.91	3.39	06 माह	'द'
2	सीतापुर	सीतापुर	सं0मा0 भावना मार्ग से सुहेतारा तक मरम्मत कार्य। (2.20 कि0मी0) 2026_RKUMP_1138477_1	7500.00 + 1350.00 8850.00	49.89	4.50	06 माह	'स'
3	सीतापुर	सीतापुर	सं0मा0 सीतापुर लखीमपुर मार्ग से पीरपुर तक मरम्मत कार्य। (0.58 कि0मी0) 2026 RKUMP_1138478_1	1800.00 + 324.00 2124.00	8.74	0.88	06 माह	'द'
4	सीतापुर	हरगाँव	सं0मा0 ईरापुर से गुरेपारा तक मरम्मत कार्य। (1.42 कि0मी0) 2026_RKUMP_1138479_1	4300.00 + 774.00 5074.00	28.48	2.85	06 माह	'द'
5	सीतापुर	हरगाँव	सं0मा0 मुख्य मार्ग भेवाराम नगर से ग्राम रावसी पेन्टेड रोड तक मरम्मत कार्य। (2.00 कि0मी0) 2026 RKUMP_1138480_1	5000.00 + 900.00 5900.00	33.06	3.31	06 माह	'द'
6	सीतापुर	सिधौली	सं0मा0 लखनऊ सीतापुर रोड से कमोलिया वाया जगदीशपुर तक मरम्मत कार्य। (1.50 कि0मी0) 2026_RKUMP_1138482_1	5400.00 + 972.00 6372.00	35.70	3.57	06 माह	'द'
7	सीतापुर	मिश्रिख	सं0मा0 हसनगंज से मुड़िया यादव के पुरवा तक मरम्मत कार्य। (0.40 कि0मी0) 2026_RKUMP_1138483_1	2000.00 + 360.00 2360.00	13.09	1.31	06 माह	'द'
8	सीतापुर	बिसवाँ	सं0मा0 टेड़वा रामपुर कला से तुलसीपुर तक मरम्मत कार्य। (0.50 कि0मी0) 2026_RKUMP_1138485_1	2400.00 + 432.00 2832.00	15.51	1.56	06 माह	'द'
9	सीतापुर	बिसवाँ	सं0मा0 गुरेरा कोटरा मार्ग से करीपुर तक मरम्मत कार्य। (1.80 कि0मी0) 2026_RKUMP_1138486_1	4400.00 + 792.00 5192.00	28.74	2.88	06 माह	'द'
10	सीतापुर	बिसवाँ	सं0मा0 कंदुनी मानपुर रोड से कटिया बाजार से घुटटी पुरवा तक मरम्मत कार्य। (1.00 कि0मी0) 2026_RKUMP_1138487_1	3400.00 + 612.00 4012.00	22.56	2.26	06 माह	'द'
11	सीतापुर	बिसवाँ	सं0मा0 मिठमनी सकरपुर मार्ग से ग्राम नकारा मार्ग तक मरम्मत कार्य। (1.25 कि0मी0) 2026 RKUMP_1138488_1	4300.00 + 774.00 5074.00	28.04	2.81	06 माह	'द'
12	सीतापुर	बिसवाँ	सं0मा0 अम्बेडकर ग्राम मखू बेहड़ का मरम्मत कार्य। (2.00 कि0मी0) 2026_RKUMP_1138490_1	9200.00 + 1656.00 10856.00	60.77	5.04	06 माह	'स'
13	सीतापुर	महोली	सं0मा0 नायका खेड़ा से रतोसिया तक मरम्मत कार्य। (1.50 कि0मी0) 2026_RKUMP_1138492_1	3600.00 + 648.00 4248.00	23.88	2.39	06 माह	'द'
14	सीतापुर	महमूदाबाद	सं0मा0 महमूदाबाद रामपुर मथुरा मार्ग से बसंतीपुर तक मरम्मत कार्य। (0.58 कि0मी0) 2026_RKUMP_1138493_1	3600.00 + 648.00 4248.00	23.44	2.35	06 माह	'द'
15	सीतापुर	महमूदाबाद	सं0मा0 बाबूपुर पैला मार्ग से बकराभारी तक गरम्मत कार्य। (0.70 कि0मी0) 2026_RKUMP_1138494_1	1700.00 + 306.00 2006.00	11.33	1.14	06 माह	'द'

नियम एवं शर्तें– 1. ई–निविदा के साथ निविदा मूल्य उपनिदेशक (निर्माण) राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, लखनऊ के नाम भारतीय स्टेट बैंक, गोमती नगर लखनऊ में संचालित खाता संख्या– **30394513612**, IFSC code **SBIN0009916** में तथा धरोहर धनराशि खाता संख्या– **30394514140**, IFSC code - **SBIN0009916** में जमा कर जमा रसीद निविदा के साथ अपलोड की जायेगी तथा मूल प्रति हार्ड कापी के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। निर्धारित निविदा मूल्य एवं धरोहर धनराशि उपरोक्त खातों में निर्धारित समयावधि तक जमा करना अनिवार्य है। किसी भी कारण से निर्धारित समयावधि के उपरान्त जमा धनराशि मान्य नहीं होगी। 2. मण्डी परिषद मुख्यालय के पत्रांक: मु0अभि0–2/(1168/भाग–4/2005)/2022–1190 दिनांक 17.11.2022 द्वारा जारी आदेश/निर्देश के क्रम में 'द' श्रेणी को छोड़कर 'अ' 'ब' एवं 'स' श्रेणी में पंजीकृत निविदाओं की पारर्शिता एवं अधिक प्रतिस्पर्धात्मक दरें प्राप्त करने के उद्देश्य से पंजीकृत ठेकेदारों से Bid Capacity हेतु लोक निर्माण विभाग के standard Bidding Document (S.B.D.) में Qualification of Bidders के section 4.6 में व्यवस्था दी गयी है जिसका विस्तृत विवरण मुख्य नियम शर्तों के बिन्दु संख्या–11 में अंकित है। Bid Capacity की गणना प्रपत्र व सी0ए0 द्वारा प्रमाणित वॉछित गत पाँच वर्षों का टर्न ओवर एवं बैलेन्स शीट Bidding Document के साथ अपलोड किया जाना अनिवार्य है। 3. उक्त निविदा तालिका में अंकित पंजीकरण श्रेणी के अतिरिक्त उच्च श्रेणी के मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदार/फर्म ही प्रतिभाग कर सकती है। उपरोक्त कार्य 'अ' एवं 'ब' श्रेणी के नहीं होने के कारण किसी अन्य विभाग के ठेकेदार/फर्म उपरोक्त निविदाओं में प्रतिभाग नहीं कर सकते है।

उपनिदेशक (निर्माण)
मण्डी परिषद, लखनऊ।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 21 अप्रैल 2026

पूर्वांचल

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में सुरक्षा कर्मियों पर अमानवीय व्यवहार का लगाया आरोप

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नेपाली देश में सुरक्षा कर्मियों पर लोगों से अमानवीय व्यवहार का आरोप लगाया है। आपको बता दें कि नेपाल देश में बालेन्द्र शाह के प्रधानमंत्री बनने के बाद उम्मीद थी कि दोनों देशों के सम्बन्धों में फिर से गर्माहट आयेगी। लेकिन उन्होंने भारत से 100 रुपये से अधिक के सामान की खरीद पर टैक्स (कर) लगा दिया। नेपाल में नेपाली सुरक्षा बल फुटकर खरीदी गई खाद्य सामग्री भी बिना टैक्स (कर) के नहीं ले जाने दे रहे हैं। वहीं लोगों द्वारा आरोप लगाया है कि जांच के दौरान महिलाओं द्वारा खाने-पीने की वस्तुएं और दैनिक उपयोग का सामान ले जाने पर उनसे जब्त कर लिया जाता है।

भगवान परशुराम शस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। शोहरतगढ़ तहसील के करौना चौराहे पर भगवान परशुराम जयंती भव्य तरीके से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत में भगवान परशुराम के चित्र पर पंडित विनय पांडेय ने चंदन तिलक लगाकर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की। भगवान परशुराम की स्तुति मंत्र के बाद उपस्थित प्रबुद्ध समाज के लोगों ने विचार किए। कार्यक्रम में उपस्थित जनों को अंग वस्त्र और भगवान परशुराम का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा ने कहा कि भगवान परशुराम शस्त्र और शास्त्र के महान ज्ञाता थे। वे महान पराक्रमी थे। इस अवसर पर सर्वश्री ऋषिदेव ओझा, मुरली धर मिश्रा, शशि कुमार शुक्ल, बाल गोविंद शुक्ल, गोपेश्वर चौबे, ब्रह्मदेव ओझा, नीलू शुक्ला, मनोज मिश्रा, ओम प्रकाश मिश्रा, राजेंद्र मिश्रा, राकेश दूबे, कमलेश दुबे आदि रहे।

नदी में डूबने से जूनियर डॉक्टर और एमबीबीएस छात्र की मौत

माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज का मामला, परिजनों में मातम

संवाददाता सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। जिले से एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के एक जूनियर डॉक्टर और एक एमबीबीएस छात्र की नदी में डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद मेडिकल कॉलेज परिसर और छात्रों के परिवारों में मातम का माहौल है।

जानकारी के अनुसार सोमवार को जोगिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बहने वाली बूढ़ी राप्ती नदी में नहाने के लिए मेडिकल कॉलेज के चार छात्र और एक जूनियर डॉक्टर गए थे। नदी के पानी का आनंद लेते समय अचानक दो लोग गहरे पानी की चपेट में आ गए और डूबने लगे। उनके साथ मौजूद अन्य छात्रों ने उन्हें बचाने की कोशिश की। स्थानीय पुलिस को भी सूचना दी गई। हादसे में जान गंवाने वालों में डॉ. सत्यम नायक बस्ती जिले के निवासी थे और मेडिकल कॉलेज में जूनियर रेजिडेंट के पद पर तैनात थे। सचिन महावर (22) राजस्थान के सवाई माधोपुर के रहने वाले थे और माधव प्रसाद मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्र थे।

गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद निकाला शव

स्थानीय लोगों और पुलिस की सूचना पर पहुंचे गोताखोरों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद दोनों को गहरे पानी से बाहर निकाला गया। दोनों की सांसें थम चुकी थीं। मौके पर मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया। दो डॉक्टरों की इस तरह असामयिक मौत ने पूरे मेडिकल कॉलेज प्रशासन और साथी छात्रों को झकझोर कर रख दिया है। घटना के बाद से सहपाठियों और शिक्षकों में गहरा शोक है। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रामलला ने धारण किए स्वर्ण आभूषण, लगा 56 भोग

अयोध्या कार्यालय

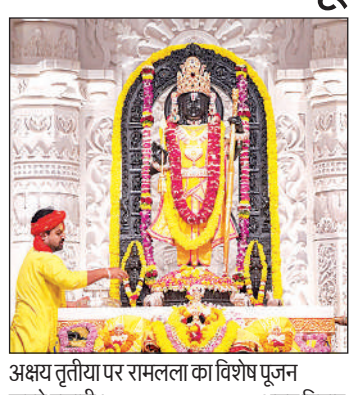

अक्षय तृतीया पर रामलला का विशेष पूजन करते पुजारी। अमृत विचार

अमृत विचार। राममंदिर में अक्षय तृतीया का पर्व सोमवार को धूमधाम से मनाया गया। गर्भगृह में फूलों और फलों की लड़ियाँ लगाई गईं। रामलला का अभिषेक कर रत्न जड़ित वस्त्र पहनाए गए। सोने के मुकुट व अन्य आभूषण से श्रृंगार किया गया। दोपहर में 56 प्रकार के व्यंजनों से भोग भी लगाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने राम मंदिर और हनुमान गढ़ी मंदिर में कतारबद्ध होकर दर्शन-पूजन किया। देर शाम तक यह सिलसिला लगातार जारी है। राम मंदिर धार्मिक समिति के सदस्य गोपाल जी राव ने बताया कि तृतीय तिथि राम मंदिर में विधि विधान पूर्वक पूजन-अर्चन किया गया, 56 भोग का प्रसाद भक्तों में वितरित किया गया।

सेवा भवन निर्माण के लिए ट्रस्ट ने किया भूमि पूजन

राम मंदिर में सेवा देने वाले भक्तों के रुकने के लिए 10 कमरे वाले सेवा भवन निर्माण के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा अक्षय तृतीय पर रंग वाटिका के पास भूमि पूजन कर कार्य का शुभारंभ किया। ट्रस्ट के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा ने बताया कि आठ छोटे और दो बड़े कमरे बनाए जाएंगे। जहां पर सेवा के लिए वाले श्रद्धालुओं को सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में रामलला के प्रति अपनी आस्था को समर्पित करने के लिए देश भर से विभिन्न क्षेत्र से भक्त आ रहे है। ट्रस्ट उन सभी भक्तों को सुविधा देने की योजना बनाई हैं।

आपराधिक मामले में बरी होने मात्र से ही सेवा में बहाली का अधिकार नहीं मिलता

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक सेवा मामले में स्पष्ट किया कि आपराधिक मुकदमे में बरी होना स्वतः सेवा में बहाली का आधार नहीं बनता, विशेषकर तब जब विभागीय जांच में कर्मचारी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध हों। कोर्ट ने कहा कि आपराधिक और विभागीय कार्यवाही अलग-अलग क्षेत्र में संचालित होती हैं और विभागीय जांच में प्रमाणों की प्रबलता का सिद्धांत लागू होता है, न कि आपराधिक मुकदमे जैसा "संदेह से परे प्रमाण" का मानदंड। यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की एकलपीठ ने कुंवर पाल सिंह की याचिका को खारिज करते हुए पारित किया। याचिका में उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के पद पर कार्यरत याची ने सेवा से बर्खास्तगी को चुनौती दी थी। मामले के अनुसार वर्ष 2011 में पुलिस स्टेशन मथसेना, फिरोजाबाद में आईपीसी की धारा 307 के तहत दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि ड्यूटी के दौरान नशे की हालत में याची की सर्विस राइफल से चली गोली से दो व्यक्तियों- बुद्धपाल और चुन्नीलाल- को चोटें आईं। विभागीय जांच में मेडिकल साक्ष्यों से याची के नशे में होने की पुष्टि हुई और लापरवाही सिद्ध पाई गई, जिसके आधार पर 19 अगस्त 2013 को उसे सेवा से हटा दिया गया। कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि याची ने विभागीय कार्यवाही में सहयोग नहीं किया और बार-बार सूचना के बावजूद उपस्थित नहीं हुआ, जिसके कारण जांच अधिकारी को एकपक्षीय कार्यवाही करनी पड़ी, साथ ही यह तर्क भी अस्वीकार कर दिया गया कि जांच अधिकारी द्वारा रिपोर्ट में ही दंड की सिफारिश करने से पूरी कार्यवाही अवैध हो जाती है।

गलत हलफनामा दाखिल करना आपराधिक अवमानना का एक रूप

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक पुलिस अधिकारी द्वारा गलत हलफनामा दाखिल करने पर कड़े शब्दों में टिप्पणी करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय के समक्ष गलत तथ्यों के आधार पर हलफनामा दाखिल करना आपराधिक अवमानना की कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है और जिला प्रमुख अधिकारी को अपने अधीनस्थों से प्राप्त सूचनाओं की सत्यता को लेकर विशेष सतर्क रहना चाहिए। हालांकि मौजूदा मामले में पुलिस अधीक्षक, बस्ती द्वारा बिना शर्त माफी मांगने पर कोर्ट ने नरमी बरतते हुए उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही न करते हुए उन्हें दिन भर कोर्ट में उपस्थित रहने का निर्देश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकलपीठ ने साक्ष्यों की प्रकृति और परिस्थितियों को देखते हुए हत्या के मामले में मंजीत कुमार को जमानत देते हुए पारित किया।

शादी के बाद पत्नी का भरण-पोषण करना पति का वैधानिक दायित्व

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भरण-पोषण से जुड़े एक मामले में स्पष्ट किया कि यदि कोई पुरुष विवाह करता है, तो वह विधि के तहत अपनी पत्नी के भरण-पोषण के दायित्व से बच नहीं सकता। कोर्ट ने कहा कि जो व्यक्ति यह महसूस करता है कि वह पत्नी या बच्चों का भरण-पोषण नहीं कर सकता, उसे विवाह ही नहीं करना चाहिए। आर्थिक कमजोरी का हवाला देने मात्र से पति अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकता। यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने तेज बहादुर मौर्य द्वारा दाखिल प्रथम अपील (डिफेक्टिव) को खारिज कर पत्नी को अंतरिम भरण-पोषण के रूप में 4,000 रुपये प्रति माह देने के परिवार न्यायालय के आदेश को बरकरार रखते हुए पारित किया। वर्तमान अपील परिवार न्यायालय के 17 नवंबर 2025 के आदेश के खिलाफ दाखिल की गई थी।

गिरफ्तारी का कोई वास्तविक खतरा नहीं होने पर अग्रिम जमानत का औचित्य नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत से जुड़े एक मामले पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि जब अभियुक्तों के विरुद्ध कार्यवाही पहले से स्थगित हो और गिरफ्तारी की वास्तविक आशंका न हो, तब अग्रिम जमानत का कोई औचित्य नहीं रह जाता। यह आदेश न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी की एकलपीठ ने अरुण कुमार यादव तथा सह-आरोपी शिव प्रकाश सिंह की याचिकाओं को खारिज करते हुए पारित किया। दरअसल याचिका में वाराणसी के कैंट थाने में आईपीसी की धारा 420, 467, 468 और 471 के तहत फर्जीवाड़ा मामले में दर्ज प्राथमिकी में याचियों की ओर से गिरफ्तारी की आशंका जताते हुए अग्रिम जमानत की मांग की गई थी। कोर्ट ने पाया कि याचियों के विरुद्ध पहले ही 18 सितंबर 2025 को दाखिल एक अन्य आवेदन में कार्यवाही पर अंतरिम रोक लग चुकी है, जिससे उनकी गिरफ्तारी की संभावना समाप्त हो जाती है। ऐसे में अग्रिम जमानत याचिका निरर्थक हो जाती है।

908 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों को मिली मंजूरी

संवाददाता नई दिल्ली

अमृत विचार। भारतीय रेलवे ग्रीष्म ऋतु 2026 के दौरान यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए और सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष ट्रेनें चला रहा है। रेलवे ने देश भर में बड़ी संख्या में विशेष ट्रेन सेवाओं को मंजूरी देकर गर्मी के चरम मौसम में यात्रियों के लिए सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 15 अप्रैल, 2026 से 15 जुलाई, 2026 तक की अवधि के लिए कुल 908 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों को मंजूरी दी गई है, जो बढ़ी हुई यात्रा मांग को पूरा करने के लिए 18,262 ट्रिप संचालित करेंगी। इनमें से 660 ट्रेनों को पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है, जिनमें 11,294 यात्राएं शामिल हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि नियोजित सेवाओं का एक बड़ा हिस्सा यात्रियों के लिए बुकिंग और यात्रा योजना बनाने के लिए काफी पहले से ही उपलब्ध है। यह व्यापक योजना भारतीय रेलवे के यात्रियों के अधिक भीड़-भाड़ वाले सीजन, विशेष रूप से छुट्टियों, त्योहारों और यात्रा के व्यस्त महीनों के दौरान, के प्रबंधन के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाती है। भारतीय रेलवे के सभी प्रमुख जोनों में ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाता है, जिससे संतुलित क्षेत्रीय संपर्क और कुशल यात्री प्रबंधन सुनिश्चित होता है। दक्षिण मध्य रेलवे 124 ट्रेनों (1,184 ट्रिप) की मंजूरी और 76 ट्रेनों (324 ट्रिप) की अधिसूचना के साथ सबसे आगे है। पश्चिमी रेलवे ने 106 ट्रेनों (2,078 ट्रिप) को मंजूरी दे दी है, जिनमें से 92 ट्रेनों (1,667 ट्रिप) को अधिसूचित किया गया है। उत्तर पश्चिमी रेलवे ने 76 ट्रेनों (2,245 ट्रिप) को मंजूरी दे दी है और 62 ट्रेनों (1,878 ट्रिप) को अधिसूचित कर दिया है। उत्तरी रेलवे ने 76 ट्रेनों (2,090 ट्रिप) को मंजूरी दे दी है, जिनमें से 56 ट्रेनों (1,535 ट्रिप) को अधिसूचित किया गया है। सेंट्रल रेलवे ने 74 ट्रेनों (3,082 ट्रिप) को मंजूरी दे दी है, जिनमें से 70 ट्रेनों (2,238 ट्रिप) को अधिसूचित किया गया है।

यात्रा की सुगमता के लिए आज से चलेगी ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु 04167/04168 कानपुर सेंट्रल-आसनसोल-कानपुर सेंट्रल ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन कानपुर सेंट्रल से 21 अप्रैल, 2026 को तथा आसनसोल से 22 अप्रैल, 2026 को निम्नवत किया जाएगा। 04167 कानपुर सेंट्रल-आसनसोल ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 21 अप्रैल, 2026 को कानपुर सेंट्रल से 15.10 बजे प्रस्थान कर फतेहपुर से 16.22 बजे, प्रयागराज जं. से 18.10 बजे, ज्ञानपुर रोड से 19.15 बजे, बनारस से 20.30 बजे, वाराणसी जं. से 20.50 बजे, औंड़िहार से 21.50 बजे, गाजीपुर सिटी से 22.50 बजे, दूसरे दिन बलिया से 00.10 बजे, सुरेमनपुर से 01.32 बजे, छपरा से 04.50 बजे, हाजीपुर से 06.02 बजे, शाहपुर पटोरी से 06.47 बजे, बरौनी से 08.05 बजे, किऊल से 10.02 बजे, झाझा से 11.10 बजे, जसीडीह से 11.43 बजे, मधुपुर से 12.07 बजे तथा चितरंजन से 12.52 बजे छूटकर आसनसोल 15.00 बजे पहुँचेगी।वापसी यात्रा में, 04168 आसनसोल-कानपुर सेंट्रल ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 22 अप्रैल, 2026 को आसनसोल से 17.10 बजे प्रस्थान कर चितरंजन से 17.36 बजे, मधुपुर से 18.15 बजे चलेगी।

केवल अनुमान के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का अपराध सिद्ध नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आत्महत्या के लिए उकसाने वाले आरोपी को राहत देते हुए स्पष्ट किया कि सिर्फ सामान्य उत्पीड़न या आरोप मात्र से आईपीसी की धारा 306 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने का अपराध सिद्ध नहीं होता, जब तक आरोपी द्वारा किया गया कोई ठोस, निकटवर्ती और उकसाने वाला कृत्य प्रमाणित न हो। उक्त आदेश न्यायमूर्ति संजीव कुमार की एकलपीठ ने 41 वर्ष पुराने मामले में दोषसिद्धि को अस्थिर मानकर रामेश्वर प्रसाद गुप्ता की आपराधिक अपील स्वीकार कर उन्हें बरी करते हुए पारित किया। बता दें कि अपीलकर्ता को पुलिस स्टेशन सुखपुरा, बलिया में वर्ष 1985 में आईपीसी की धारा 306 के तहत दर्ज मामले में सत्र न्यायालय, बलिया द्वारा दोषी ठहराते हुए 5 वर्ष के कठोर कारावास और जुर्माने से दंडित किया गया था। कोर्ट ने रिकॉर्ड का परीक्षण करते हुए पाया कि घटना के लगभग 25 दिन बाद प्राथमिकी दर्ज की गई, जिसका कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। न्यायालय ने कहा कि एफआईआर दर्ज होने में हुए अत्यधिक विलंब से उसकी विश्वसनीयता पर संदेह उत्पन्न होता है और इससे बाद में कहानी के गढ़े जाने की आशंका प्रबल हो जाती है। कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि मृतिका द्वारा अपनी मां को लिखे गए पत्र में केवल रेडियो या 2000 रुपये भेजने का अनुरोध था, लेकिन उसमें कहीं भी उत्पीड़न या दबाव का उल्लेख नहीं है। ऐसे में इस पत्र को उत्पीड़न का ठोस साक्ष्य नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के स्थापित सिद्धांतों का हवाला देते हुए कहा कि आईपीसी की धारा 306 के तहत दोषसिद्धि के लिए अपराध करने की स्पष्ट मानसिकता और ऐसा प्रत्यक्ष कृत्य आवश्यक है, जिसने मृतिका को आत्महत्या के लिए विवश किया हो। मात्र सामान्य आरोप या पारिवारिक तनाव इस अपराध को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

एसएनसीयू वार्ड का निरीक्षण करते जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन। अमृत विचार

डीएम ने किया एसएनसीयू वार्ड का निरीक्षण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कालेज में बने एसएनसीयू वार्ड निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धित को निर्देश दिया कि थाना इटवा क्षेत्र में मिली नवजात बच्ची जिसको बाल कल्याण पुलिस अधिकारी द्वारा एसएनसीयू में भर्ती कराया गया है उसके इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होनी चाहिए बच्ची के पूर्ण स्वस्थ्य होने तक डिस्चार्ज न करें। इसके साथ ही इमरजेन्सी वार्ड को भी देखा गया। जिलाधिकारी द्वारा ड्यूटी चार्ट पर डाक्टर का मोबाइल नम्बर नही लिखा था जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए डाक्टर का मोबाइल नम्बर लिखाने का निर्देश दिया। इमरजेन्सी में ड्यूटी पर तैनात डाक्टर अयाज खान अनुपस्थित थे। जिलाधिकारी ने स्पष्टीकरण प्राप्त करने के साथ ही एक दिन का रोकने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी लोग निर्धारित समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहें।

मधेश में भारतीय वाहनों पर सख्ती राजनीतिक दलों का विरोध तेज

ककरहवा, सिद्धार्थनगर। भारत-नेपाल खुली सीमा क्षेत्र में भारतीय नंबर प्लेट वाले वाहनों पर हालिया सख्ती को लेकर नेपाल के मधेश में हलचल तेज हो गई है। प्रशासन की कार्रवाई के खिलाफ नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दल खुलकर सामने आ गए हैं और सीमा से 30 किलोमीटर तक वाहनों की मुक्त आवाजाही की मांग कर रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में भारतीय रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों का आवागमन लंबे समय से सामान्य बात रही है। इसी को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने अब कस्टम (भंसार) नियमों के सख्त अनुपालन का अभियान शुरू किया है। नेपाली अधिकारियों का कहना है कि बिना शुल्क दिए ऐसे वाहनों का संचालन अवैध है जिससे राजस्व की हानि है। इस बीच नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी और जनता समाजवादी पार्टी सहित कई दलों ने संयुक्त बयान जारी कर प्रशासनिक कदम का विरोध किया है। दलों का कहना है कि सीमा क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए यह व्यवस्था वर्षों से जीवन का हिस्सा रही है, ऐसे में अचानक सख्ती से सामाजिक और आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। कालीदह भंसार कार्यालय के अनुसार, भारतीय वाहनों पर प्रतिदिन शुल्क निर्धारित है चार पहिया के लिए 600 नेपाली रुपये और मोटरसाइकिल के लिए 200 नेपाली रुपये है।

पर्यटन विकास की 11 परियोजनाओं के लिए 694 लाख धनराशि स्वीकृत

कुशीनगर

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार। पर्यटन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य योजना के अंतर्गत गोरखपुर मण्डल के जनपद कुशीनगर की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की पर्यटन विकास की परियोजनाओं के लिए 1031.70 लाख रुपये की धनराशि के प्रशासकीय स्वीकृत के सापेक्ष 11 परियोजनाओं के लिए 694 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। इसके लिए सीएनडीएस को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि जनपद कुशीनगर की विधानसभा क्षेत्र रामकोला में गुरू गोरक्षपीठ स्थित राम जानकी मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 73 लाख रुपये, हाटा विधानसभा क्षेत्र में स्थित श्री राम जानकी मंदिर के लिए 67 लाख, फाजिलनगर स्थित शंकर जी मंदिर के लिए 58 लाख, पडरौना विधानसभा क्षेत्र में स्थित पौराणिक स्थल बांसी नदी घाट पर पर्यटन एवं अवस्थापना सुविधाओं के लिए 60 लाख की धनराशि स्वीकृत की गयी है। इसी प्रकार तमकुही राज स्थित राम जानकी मंदिर घूरपट्टी के पर्यटन विकास के लिए 82 लाख, खड्डा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत हड़ावा मंदिर के लिए 82 लाख, इसी विधानसभा में स्थित कोक माता भुवनेश्वरी देवी मंदिर के विकास के लिए 65 लाख, पडरौना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रामघाट में बहुउद्देशीय हाल आदि के निर्माण के लिए 55 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है।

साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। मिशन शक्ति फेज 5.0 द्वितीय चरण के तहत थाना भवानीगंज मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम खानतारा की महिलाओं/बालिकाओं को महिला अपराध व उससे बचाव तथा साइबर अपराध सुरक्षा व विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों आदि के बारे में पम्पलेट वितरित कर जागरूक किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा में चलाये जा रहे अभियान के तहत एवं अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा एवं थानाध्यक्ष भवानीगंज बृजेश सिंह के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति फेज 5.0 द्वितीय चरण के तहत थानाक्षेत्र के ग्राम खानतारा में बहू-बेटी सम्मेलन कर महिलाओं व बालिकाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही महिला सम्बन्धित विभिन्न सरकारी योजनाओं-प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना व बहू सम्मेलन अभियान, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वन्दन अधिनियम, मातृ शक्ति को सम्बल, निराश्रित महिला पेंशन योजना के बारे में जानकारी दी। वहीं महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन नम्बरों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी।

डीएम ने किया बाल कल्याण समिति का निरीक्षण

बाल कल्याण समिति का निरीक्षण करते डीएम शिवशरणप्पा जीएन। अमृत विचार

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित बाल कल्याण समिति, खजुरिया रोड, सिद्धार्थनगर के कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित पंजिका का अवलोकन करने पर यह पता चला कि राधा श्रीवास्तव (सदस्य) पांच दिन, प्रकाशनी श्रीवास्तव (सदस्य) बाल कल्याण समिति, एक दिन और सुनील कुमार बाल कल्याण समिति अनुपस्थित पाये गये। निरीक्षण के समय अपर्णा बाल कल्याण समिति विरेन्द्र मिश्र (सदस्य) बाल कल्याण समिति और इलमा सिद्दिकी (पैरा लीगल वलंटियर) उपस्थित पाये गये। जिलाधिकारी द्वारा वर्तमान माह में समिति के समक्ष प्रस्तुत प्रकरणों की सूचना अभिलेख दिखाये जाने को कहा गया जिस पर अपर्णा बाल कल्याण समिति सूचना उपलब्ध नहीं करा पायीं।

आरटीआई एक्टिविस्ट अभिषेक को मिली धमकी

अयोध्या, अमृत विचार। सामाजिक कार्यकर्ता व आरटीआई एक्टिविस्ट मुकेरी टोला, रिकाबगंज निवासी अभिषेक सावंत को बाइक सवार व्यक्तियों ने धमकी दी है। उन्होंने आईजीआरएस पर क्षेत्राधिकारी नगर को संबोधित शिकायत में बताया की सोमवार सुबह मेरे घर के बाहर दो अज्ञात बाइक सवार व्यक्ति, जिन्होंने हेलमेट पहन रखा था, संदिग्ध रूप से घूम रहे थे। स्थानीय निवासियों ने उनसे पूछताछ की तो दोनों ने कहा कि आजकल अभिषेक बहुत वीडियो बना रहे हैं। बहुत उड़ रहे हैं, ठीक कर दिए जाएंगे। इस पर लोगों ने कहा कि अभिषेक सावंत को बुलाकर यहीं बातचीत कर ली जाए, तो उक्त दोनों बाइक सवार वहां से भाग गए। सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी ने बताया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सखी | घोटालों की परतें खुलने को तैयार, कार्यालय में मचा हड़कंप

लोकायुक्त की जांच के घेरे में कुशीनगर डीआईओएस

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में भ्रष्टाचार व घोटालो की आंच अब सीधे राजधानी के प्रशासनिक गलियारों में पहुंच चुकी है। खास बात यह है कि इस बार डीआईओएस के उपर लगे आरोप सिर्फ आरोपों तक सीमित नही बल्कि अधिकारिक जांच के घेरे में आ गया है। नियमो को ताक पर रखकर तत्थ गोपन कर फर्जी तरीके से नौकरी करने वाले शिक्षको को संरक्षण देने, बिना कार्य किये लाखो रुपये का एरियर भुगतान कराने व पद का दुरुपयोग कर अवैध तरीके से अकूत संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोपों से घिरे जिला विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार गुप्त अब लोकायुक्त के जांच के घेरे में आ गये हैं।

सूत्रों के अनुसार लोकायुक्त कार्यालय से जारी पत्र संख्या 68-2026/06, दिनांक 8 अप्रैल 2026 ने जिला विद्यालय निरीक्षक की नींद उडा दी है। सबब यह है कि इस पत्र में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि कुशीनगर निवासी परिवादी विरेन्द्र सिंह द्वारा प्रस्तुत 61 पन्नों के परिवाद और सीडी साक्ष्य के आधार पर पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कराई जाए। पत्र के मुताबिक डीएम की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारियों की एक त्रिसदस्यीय समिति गठित करने का आदेश दिया गया है। इस समिति में एक वित्त एवं लेखाधिकारी तथा एक शिक्षा विभाग के अधिकारी को शामिल करने की बात कही गई है, ताकि जांच केवल औपचारिक न होकर वित्तीय और प्रशासनिक दोनों पहलुओं से गहराई तक जांच की जा सके। सबसे अहम निर्देश यह है कि जांच में परिवादी की सहभागिता सुनिश्चित की करने की बात दोहरायी गयी है मतलब यह कि शिकायतकर्ता भी सीधे जांच प्रक्रिया का हिस्सा होगा। साथ ही साथ साफ शब्दों में यह भी कहा गया है कि पूरी जांच आख्या 30 अप्रैल 2026 तक लोकायुक्त के समक्ष प्रस्तुत की जाए। डीआईओएस पर आरोप है कि विभाग में नियमों को ताक पर रखकर फर्जी तरीके से नौकरी करने वाले शिक्षकों को संरक्षण दिया गया और उन्हें आर्थिक लाभ पहुंचाया गया। इसके अलावा जिले के कप्तानगंज स्थित कनोडिया इंटरमीडिएट कालेज के सहायक अध्यापक श्याम नरायण पाण्डेय और विरेंद्र पाण्डेय से जुडा एरियर भुगतान कराने व महात्मा गांधी इंटर कॉलेज सखवनिया मे नियम विरुद्ध नियुक्त मृतक आश्रित लिपिक अविनाश गुप्ता का मामला भी चर्चा मे है। आरोप है कि इन शिक्षको द्वारा दो वर्षों तक कार्य न करने के बावजूद करीब दस-दस लाख रुपये का एरियर दिलाया गया, जो सीधे-सीधे वित्तीय अनियमितता की ओर इशारा करता है। मामला यहीं खत्म नहीं होता। शिकायत में यह भी कहा गया है कि वेतन निर्धारण, सेवा पुस्तिका में संशोधन, नियुक्तियों की वैधता और स्थानांतरण जैसे मामलों में भी कथित तौर पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां की गईं। विभाग के भीतर "रेट तय" होने और बिना लेन-देन के फाइल आगे न बढान की चर्चा ने इस पूरे सिस्टम को संदेह के घेरे में ला दिया है।

कपड़ा व्यापारी से हुई लूट का खुलासा, 6 गिरफ्तार

जहांगीरगंज, अंबेडकरनगर। पुलिस ने बीते 11 अप्रैल को जहांगीरगंज थाना क्षेत्र में कपड़ा व्यवसायी से हुई लूट का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें पीडित व्यापारी का भाई भी शामिल है, जिसे घटना का मुख्य साजिशकर्ता बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटे गए 5 लाख 45 हजार रुपए और तमंचा बरामद किया है। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्याम देव ने बताया कि यह वारदात जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के बिड़हर घाट पुल के पास हुई थी। नेवारी दुराजपुर गांव निवासी व्यापारी रईस अहमद और मोहम्मद जलाल 11 अप्रैल को बिहार से वसूली करके लौट रहे थे। बिड़हर घाट पुलिस चौकी से लगभग 100 मीटर की दूरी पर दिनदहाड़े असलहे के बल पर उनसे लूटपाट की गई थी। पुलिस ने सोमवार तड़के जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के तिलकटंडा में चेकिंग के दौरान छह आरोपियों को गिरफ्तार किया।

न्यूज ब्रीफ

उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका दौरा के दौरान समझौतों पर किए हस्ताक्षर

कोलंबो। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने श्रीलंका की अपनी दो दिवसीय यात्रा का सोमवार को समापन किया। इस दौरान उन्होंने द्वीपीय राष्ट्र के शीर्ष नेतृत्व के साथ वार्ता की और दोनों देशों ने द्विपक्षीय सहयोग को प्रगाढ़ करने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। राधाकृष्णन श्रीलंका का दौरा करने वाले पहले उपराष्ट्रपति हैं। वह रविवार को कोलंबो पहुंचे और राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ बातचीत की। राधाकृष्णन ने भारत की पड़ोस पहले नीति और विकासात्मक द्विपक्षीय सहयोग पर जोर दिया।

राष्ट्रपति ने किया संसद के दोनों सदनों का सत्रावसान

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों का सोमवार को सत्रावसान कर दिया गया। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी को शुरू हुआ था और 18 अप्रैल को दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई थी। लोकसभा सचिवालय ने एक विज्ञप्ति में बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सदन का सोमवार को सत्रावसान कर दिया है। राज्यसभा सचिवालय ने ऐसी ही जानकारी दी। संसद का बजट सत्र दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण से शुरू हुआ था। सत्र का पहला चरण 28 जनवरी से 13 फरवरी तथा दूसरा चरण नौ मार्च से दो अप्रैल तक चला था।

दंपती ने अपनी तीन साल बेटी की हत्या के बाद की आत्महत्या

चंडीगढ़। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में सोमवार को एक दंपती ने तीन वर्षीय बेटी की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। उनके शव घर में हुक से लटके हुए मिले। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से एक नोट बरामद हुआ है, जिसमें दंपती ने लिखा है कि वे बच्ची की स्वास्थ्य स्थिति के कारण उसका दर्द सहन नहीं कर पा रहे थे, इसलिए यह कठोर कदम उठा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि जतिंदर कुमार (30) और उनकी पत्नी मंजू (28) बेटी अद्विका के खराब स्वास्थ्य के कारण परेशान थे।

आरकॉम के दो वरिष्ठ अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने सोमवार को बताया कि एजेंसी ने अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के दो वरिष्ठ अधिकारियों को कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने गिरफ्तार अधिकारियों की पहचान आरकॉम के उपाध्यक्ष अनिल कालिया और संयुक्त अध्यक्ष डी. विश्वनाथ के रूप में की है। केंद्रीय एजेंसी अदालत से आरोपियों की रिमांड का अनुरोध करेगी। यह जांच आरकॉम, अनिल अंबानी और अन्य आरोपियों से संबंधित है।

विशेष अदालतों के गठन को आतंकवाद और मादक पदार्थ के मामलों का विवरण तलब

केंद्र को ये अदालतें चलाने के लिए प्रत्येक राज्य को एक करोड़ रुपये मुहैया कराने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने विशेष अदालतों के गठन की दिशा में कदम उठाने के लिए सोमवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आतंकवाद और नशीले पदार्थों से जुड़े उन मामलों का विवरण मांगा है, जिनकी जांच एनआईए और एनसीबी समेत केंद्रीय एवं राज्य की एजेंसियां कर रही हैं।

शीर्ष अदालत ने केंद्र से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून (यूएपीए) और मादक पदार्थ पर रोकथाम से संबंधित एनडीपीएस कानून के तहत दर्ज मामलों की सुनवाई के लिए अदालतें स्थापित करने के संबंध में प्रत्येक राज्य को एक करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध कराने पर विचार करने को कहा है। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से विशेष अदालतों के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिवर्ष एक करोड़ रुपये जारी करने पर विचार करने को कहा। स्वतः संज्ञान लिए गए इस मामले की अगली सुनवाई आठ मई को तय की गई।

कोर्ट ने 24 मार्च को एनआईए द्वारा जांच किए जा रहे मामलों और यूएपीए के तहत आने वाले मामलों के लिए विशेष अदालतों की स्थापना का निर्देश दिया। सोमवार को सीजेआई ने इस दायरे को बढ़ाते हुए 17 राज्यों के अधिवक्ताओं से यूएपीए और एनडीपीएस कानून के तहत दर्ज मामलों का ब्योरा प्रस्तुत करने को कहा।

दिल्ली दंगे: जमानत न देने के फैसले पर पुनर्विचार करने की उमर खालिद की अर्जी खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कार्यकर्ता उमर खालिद की उस याचिका को ठुकरा दिया है जिसमें उसने फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े मामले में उसकी जमानत अर्जी को खारिज किए जाने के फैसले पर पुनर्विचार का अनुरोध किया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि दिल्ली दंगों की साजिश के सिलसिले में खालिद के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर भरोसा करने के लिए उचित आधार हैं। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने पुनर्विचार याचिका पर मौखिक सुनवाई के आग्रह वाली याचिका भी खारिज कर दी। पीठ ने 16 अप्रैल को पारित आदेश में कहा, पुनर्विचार याचिका और उसके साथ संलग्न दस्तावेजों पर गौर करने के बाद हमें पांच जनवरी 2026 के फैसले की समीक्षा करने का कोई ठोस आधार या कारण नहीं मिला। इसी के मद्देनजर पुनर्विचार याचिका खारिज की जाती है। सुप्रीम कोर्ट के नियमों के मुताबिक पुनर्विचार याचिकाओं पर आम तौर पर वे ही न्यायाधीश विचार करते हैं, जिन्होंने मूल फैसला पारित किया हो।

नेताजी बोस को राष्ट्र पुत्र घोषित करने संबंधी याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को राष्ट्र पुत्र घोषित करने और आजाद हिंद फौज (आईएनए) को भारत की आजादी का श्रेय देने का अनुरोध करने वाली एक जनहित याचिका सोमवार को खारिज कर दी। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता पिनाकपानी मोहंती को अदालत का समय बर्बाद करने के लिए फटकार लगाई। सीजेआई ने कहा, हम सुप्रीम कोर्ट में आपके प्रवेश पर प्रतिबंध लगा देंगे। हम पहले भी इसी तरह की याचिका खारिज कर चुके हैं। अदालत ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता को पहले भी निरर्थक जनहित याचिकाएं दाखिल करने के लिए फटकार लगाई जा चुकी है।

हैरानी है कि पढ़े-लिखे लोग भी डिजिटल अरेस्ट का शिकार हो रहे हैं: सीजेआई

नई दिल्ली। सीजेआई सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि यह हैरानी की बात है कि पढ़े-लिखे लोग भी डिजिटल अरेस्ट का शिकार हो रहे हैं। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची के साथ पीठ की अध्यक्षता कर रहे सीजेआई ने हाल में एक बुजुर्ग महिला के मामले का उल्लेख किया जिन्हें साइबर अपराधियों ने डिजिटल अरेस्ट कर उनकी सेवानिवृत्ति पर मिली पूरी राशि ठग ली। सीजेआई ने ये टिप्पणियां उस समय कीं, जब अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने पीठ के समक्ष डिजिटल अरेस्ट के पीड़ितों से जुड़े स्वत: संज्ञान मामले का उल्लेख किया। शीर्ष न्यायिक अधिकारी ने कहा, बैठकें हो चुकी हैं। हम बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसके बाद उन्होंने मामले को 12 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया।

सीबीआई के नोटिस पर एक मई से होगा क्यूआर कोड

नई दिल्ली। सीबीआई के नोटिस पर एक मई से विशेष क्यूआर कोड होगा, जिससे लोग एआई से संचालित चैटबॉट अभय के जरिए उनकी प्रामाणिकता जांच सकेंगे।

सीजेआई सूर्यकांत ने सोमवार को यहां 22वें डी पी कोहली स्मृति व्याख्यान में चैटबॉट की शुरुआत करते हुए इसे एक महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा तंत्र उन ठगों के खिलाफ एक प्रभावी सुरक्षा उपाय बन सकता है, जो खुद को सीबीआई के अधिकारी बताकर लोगों को धोखा देते हैं और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए फर्जी नोटिस भेजते हैं। बताया गया कि साइबर अपराधियों के जाल में लोगों को फंसने से बचाने के लिए किसी भी एजेंसी की पहली पहल है।

सेंगर को मृत्युदंड देने का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अपने पिता की हिरासत में हुई मौत के मामले में भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर को मृत्युदंड देने का अनुरोध किया था।

अदालत ने पाया कि पीड़िता 1,945 दिनों की देरी को माफ करने के लिए पर्याप्त कारण प्रस्तुत करने में विफल रही। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की पीठ ने फैसला सुनाया कि इस मामले में कुलदीप सेंगर, उनके भाई जयदीप सेंगर और अन्य आरोपियों को दोषी ठहराने तथा सजा सुनाने के अधीनस्थ न्यायालय के 2020 के फैसले के खिलाफ अपील 1945 दिनों की अस्पष्ट देरी के बाद दायर की गई थी। पीठ ने इसे 'जानबूझकर दिखाई गई निष्क्रियता और लापरवाही' का मामला बताते हुए कहा कि मृतक की बेटी को नतीजे की जानकारी थी और वह कार्यवाही में सक्रिय भाग ले रही थी लेकिन कानूनी सलाह के बावजूद उसने अपील के वैधानिक उपाय का निर्धारित समय के भीतर लाभ नहीं उठाया।

अग्रिम जमानत के लिए गुवाहाटी हाईकोर्ट पहुंचे खेड़ा

गुवाहाटी। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिंकी भुइयां शर्मा द्वारा दर्ज कराए गए एक आपराधिक मामले में सोमवार को गुवाहाटी उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की।

खेड़ा ने रिंकी भुइयां शर्मा पर कई पासपोर्ट और अघोषित विदेशी संपत्ति रखने का आरोप लगाया था, जिसके बाद उन्होंने यह मामला दर्ज कराया था। उच्चतम न्यायालय द्वारा तेलंगाना उच्च न्यायालय से खेड़ा को मिली सात दिनों की ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगाने के बाद अधिवक्ता के.एन. चौधरी ने कांग्रेस नेता की ओर से यह याचिका दायर की। याचिका को उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर पंजीकृत कर लिया गया है और इसे मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

सचमुच कभी हम विश्वगुरु थे, पर अब नहीं हैं: मुरली मनोहर जोशी

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने सोमवार को कहा कि भारत अब विश्वगुरु नहीं है और इस शब्द का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। जोशी ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान संस्कृत को भारत की राजभाषा बनाने की भी जोरदार वकालत की और कहा कि भीम राव आंबेडकर सहित कई लोगों ने अतीत में इसके लिए प्रयास किए थे, लेकिन प्रस्तावों को मंजूरी नहीं मिली।

● आरएसएस के कार्यक्रम में बोले वरिष्ठ भाजपा नेता

जोशी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध संस्कृत भारती के केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर मीडिया से बात कर रहे थे। भारत के विश्वगुरु के रूप में उभरने के बारे में पूछे जाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह धारणा कि हम विश्वगुरु हैं, मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि वर्तमान में हमें इस शब्द का प्रयोग करने से परहेज करना चाहिए। हम वर्तमान में विश्वगुरु नहीं हैं। हमें विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखनी चाहिए। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, सचमुच, एक समय हम विश्वगुरु थे। लेकिन आज वास्तविकता यह है कि हम वर्तमान में विश्वगुरु नहीं हैं। जोशी ने कहा कि इस दृष्टिकोण से, संस्कृत आज बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने संस्कृत भाषा को और अधिक बढ़ावा देने और क्वांटम कंप्यूटिंग सहित आधुनिक वैज्ञानिक कार्यों में इसके उपयोग की वकालत करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, संस्कृत केवल भारत की ही नहीं, बल्कि विश्व की विरासत है। यह सबसे प्राचीन भाषा है। यह ज्ञान और विज्ञान की भाषा है। यह आध्यात्मिकता की भाषा है। यह प्रौद्योगिकी की भाषा भी है। संस्कृत भारत का प्राण है।

भाजपा नेता ने कहा, नासा के विशेषज्ञों ने बार-बार पुष्टि की है कि संस्कृत ही कंप्यूटिंग के लिए सबसे महत्वपूर्ण भाषा है। जिसे वर्तमान में क्वांटम कंप्यूटिंग कहा जाता है, उसमें संस्कृत का विशेष महत्व होगा' उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यदि हम संस्कृत को जल्द से जल्द कंप्यूटिंग की भाषा बना दें तो यह भारत की ओर से एक अभूतपूर्व योगदान होगा।

गुवाहाटी का हाल

देश के ज्यादातर हिस्से इन दिनों जहां भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं, वहीं असम में भीषण बारिश से कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। सोमवार को गुवाहाटी में सड़कों पर कमर से ऊपर तक भरे पानी से होकर गुजरते लोग।

देश के उत्तर-पश्चिमी, मध्य और पूर्वी हिस्से में चार-पांच दिन लू का अनुमान

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को कहा कि अगले चार से पांच दिन तक देश के उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के आसपास के कुछ इलाकों में लू चलने का प्रबल अनुमान है।

आईएमडी ने बताया, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ, छत्तीसगढ़, पश्चिमी यूपी, पश्चिमी राजस्थान, मध्य प्रदेश, पश्चिमी बंगाल में गंगा के मैदानी भाग, झारखंड, ओडिशा और पूर्वी उत्तर प्रदेश के छिटपुट इलाकों में 20 से 25 अप्रैल के बीच लू चलने का अनुमान है। आईएमडी ने कहा, 20 से 26 अप्रैल के दौरान पश्चिमी बंगाल में गंगा के कुछ मैदानी इलाकों, 20 से 22 अप्रैल के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, 20 से 24 अप्रैल के दौरान केरल, माहे, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा 24 और 25 अप्रैल को गुजरात के तटीय क्षेत्रों में गर्म और उमस भरे मौसम की प्रबल संभावना है। 20 और 21 अप्रैल को हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी यूपी, मध्य प्रदेश, विदर्भ, 20 अप्रैल को छत्तीसगढ़ और 20 से 22 अप्रैल के बीच ओडिशा में कुछ इलाकों में रात का तापमान बढ़ने का अनुमान है।

चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन था मोदी का संबोधन

नई दिल्ली, एजेंसी

● चुनाव आयोग को 700 से अधिक प्रमुख नागरिकों ने लिखा पत्र, कार्रवाई की मांग

पूर्व नौकरशाहों, शिक्षाविदों, कार्यकर्ताओं और पत्रकारों सहित 700 से अधिक नागरिकों ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 18 अप्रैल का राष्ट्र के नाम संबोधन आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। इन लोगों ने आयोग से इस मामले में जांच के साथ सुधारात्मक उपाय की मांग की।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त को संबोधित शिकायत में हस्ताक्षरकर्ताओं ने दावा किया कि दूरदर्शन, संसद टीवी और आकाशवाणी जैसे प्लेटफार्म पर प्रसारित यह संबोधन आदर्श आचार संहिता के दौरान चुनाव प्रचार के समान था। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में आदर्श आचार संहिता लागू है। शिकायत में कहा गया कि इस तरह के संबोधन के लिए सरकारी मीडिया का उपयोग सत्तारूढ़ पार्टी को अनुचित लाभ देता है तथा स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए आवश्यक समान अवसर को कमतर करता है। पत्र में मांग की गई कि यदि प्रसारण के लिए पूर्व अनुमति प्राप्त थी तो अन्य राजनीतिक दलों को भी सार्वजनिक प्रसारकों पर समान समय आवंटित किया जाए। हस्ताक्षरकर्ताओं में दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, राजनीतिक अर्थशास्त्री पी. प्रभाकर, कार्यकर्ता योगेन्द्र यादव, अर्थशास्त्री जयति घोष, संगीतकार-लेखक टी एम कृष्णा, पूर्व केंद्रीय सचिव ई ए एस शर्मा, कार्यकर्ता हर्ष मंदर, पत्रकार पी. गुहा ठाकुरता, शिक्षाविद जोया हसन और पूर्व राजदूत मधु भादुड़ी शामिल हैं। अन्य लोगों में पारदर्शिता कार्यकर्ता अंजली भारद्वाज, पूर्व सिविल सेवक आशीष जोशी, अमिताभ पांडे और ए. शुक्ला, पत्रकार जॉन दयाल और विद्या सुब्रमण्यम और भाकपा नेता एनी राजा के साथ कई शिक्षाविद, वकील और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं।

गोरा करने वाली पाकिस्तानी क्रीमों से खराब हो रहे हैं गुर्दे

नागपुर। पाकिस्तान से आयात की गई और त्वचा को तुरंत गोरा करने के नाम पर बेची जा रही क्रीमों से स्वास्थ्य के गंभीर खतरे पाए गए हैं और नागपुर में इनका उपयोग करने वालों में गुर्दे से संबंधित बीमारियों के मामले सामने आ रहे हैं। चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार, शहर की 18 महिलाओं में पिछले दो वर्षों के दौरान गुर्दे के विकार विकसित हुए हैं, जिनका संबंध लंबे समय तक ऐसी क्रीमों के उपयोग से बताया जा रहा है। जांच से पता चला है कि इन उत्पादों में पारे का स्तर बहुत अधिक है, जो एक विषैला पदार्थ है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

बंगाल में भाजपा बनाएगी दुर्गा स्क्वाड : राजनाथ

सैंथिया,एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस पर पश्चिम बंगाल को अराजकता के दौर में धकेलने का आरोप लगाया। उन्होंने वादा किया कि अगर बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है, तो महिलाओं की सुरक्षा के लिए दुर्गा स्क्वाड का गठन किया जाएगा और राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए सातवां वेतन आयोग लागू किया जाएगा।

राजनाथ ने बीरभूम जिले के सैंथिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल पर बंगाल में भय, भ्रष्टाचार और अराजकता का माहौल कायम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि असुरक्षा और सरकारी समर्थन की कमी के कारण उद्योग और निवेशक राज्य छोड़कर जा रहे हैं। राजनाथ ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तरक्की कर रहा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से पूछा कि देश के अन्य हिस्सों में विकास के बावजूद उनका राज्य क्यों पिछड़ रहा है। राजनाथ ने कहा कि तृणमूल सरकार के तहत भ्रष्टाचार बढ़ा है, भूमाफिया बढ़े हैं और भाई-भतीजावाद बढ़ा है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा राज्य में सरकार बनाती है तो अपराधी या तो जेल में होंगे या घरों में छिपते फिरेंगे। रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि जहां अन्य राज्यों में बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है वहीं अपराधियों की मौजूदगी के कारण निवेशक बंगाल आने से हिचकिचा रहे हैं।

जनसभा के मंच पर राजनाथ सिंह का स्वागत।

● तृणमूल कांग्रेस पर राज्य को अराजकता के दौर में ले जाने का आरोप लगाया

बंगाल में चुनाव होने तक बैरक से नहीं निकलेंगे नागरिक पुलिसकर्मी

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को आदेश दिया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए नागरिक, ग्राम और 'ग्रीन' पुलिस कर्मियों को मतदान से तीन दिन पहले बैरक में भेज दिया जाए। नागरिक, ग्राम और ग्रीन पुलिस कर्मियों का चयन कुछ शारीरिक दक्षता और पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले युवाओं में से किया जाता है। ये कर्मी यातायात नियंत्रण, स्थानीय कार्यक्रमों, त्योहारों और इसी तरह के अन्य अवसरों पर पुलिस बल की सहायता करते हैं। विपक्ष ने आरोप लगाया था कि सत्ताधारी दल नियमों का उल्लंघन कर चुनाव ड्यूटी में इन कर्मियों का इस्तेमाल करता है।

कोलकाता में अजहर

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरूद्दीन ने सोमवार को कोलकाता में चुनाव प्रचार की कमान संभाली। उन्होंने यहां एक रोड शो में पार्टी प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे।

मोदी जहां झालमुरी खरीदने रुके वहां पहले से लगे थे कैमरे: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि झाड़ग्राम में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी का अचानक झालमुरी खरीदने के लिए रुकना एक नौटंकी था। बीरभूम के मुरारई क्षेत्र में एक चुनावी रैली में ममता ने सवाल उठाया कि जब मोदी अचानक झालमुरी खरीदने रुके थे तो उस समय वहां कैमरे क्यों मौजूद थे। पूरा घटनाक्रम पहले से तय था। ममता ने इस घटनाक्रम का लाभ उठाते हुए प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया कि भाजपा लोगों की खानपान की आदतों पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने सवाल किया, आपको अचानक झालमुरी पसंद आने लगी है।

टीवीके प्रमुख विजय के चुनावी हलफनामों में सौ करोड़ का अंतर, नोटिस जारी करने का आदेश

चेन्नई। टीवीके अध्यक्ष विजय की ओर दायर किए गए दो चुनावी हलफनामों में से एक में 100 करोड़ रुपये से अधिक की विसंगति को एक अनियमितता मानते हुए मद्रास उच्च न्यायालय ने सोमवार को आयकर विभाग और निर्वाचन आयोग को उन्हें नोटिस जारी करने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश एसए धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति जी अरुल मुरुगन की पहली पीठ ने चेन्नई निवासी विग्नेश द्वारा दायर याचिका पर नोटिस जारी करते हुए मौखिक रूप से कहा, यह एक अनियमितता है।

मोदी ने महिला आरक्षण संशोधन बिल का गला घोंट दिया : खरगे

कूचबिहार/सिलीगुड़ी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ही 2029 से विधायिकाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक का गला घोंट दिया, जबकि विपक्ष ने केवल परिसीमन विधेयक का विरोध किया था।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री के व्यापक प्रचार कार्यक्रम पर तंज कसते हुए उन्होंने सवाल किया कि क्या मोदी राज्य के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। खरगे ने दावा किया कि मोदी लंबे समय से पश्चिम बंगाल में लगातार चुनाव प्रचार कर रहे हैं और अपने सरकारी कार्यों की अनदेखी कर रहे हैं। खरगे ने कूचबिहार में चुनावी रैली में लोगों को याद दिलाया कि 2010 में संप्रग सरकार ने राज्यसभा में महिला आरक्षण विधेयक पारित किया था। उन्होंने कहा, हम हमेशा महिलाओं के अधिकार और कल्याण के इच्छुक रहे हैं। खरगे ने यह भी कहा कि कांग्रेस के पास सरोजिनी नायडू, इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी जैसी महिला नेता रही हैं, क्या भाजपा ने कभी किसी महिला को अपना अध्यक्ष बनाया है या उन्हें किसी ऊंचे पद पर पहुंचाया है।

● कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- विपक्ष ने सिर्फ परिसीमन विधेयक का किया था विरोध

पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष व स्वतंत्र चुनाव कराने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे: ज्ञानेश

नयी दिल्ली/कोलकाता, एजेंसी

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को कहा कि निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए हो रहे चुनावों के तहत, पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को और दूसरे चरण का 29 अप्रैल को होना है। मतगणना चार मई को होगी।

चुनाव प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों से बातचीत करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि चुनाव भयमुक्त और हिंसामुक्त होंगे। अधिकारियों ने कहा कि आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि चुनाव प्रलोभनमुक्त और बूथ जाम मुक्त हों। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग राज्य सरकार, स्थानीय निकायों या स्वायत्त निकायों के किसी भी कर्मचारी को चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित नहीं करने देगा।

● टीएमसी के भाजपा के इशारे पर काम करने के आरोपों के बीच सीईसी ने की घोषणा

राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग पर भाजपा के इशारों पर काम करने आरोप लगाया है, हालांकि आयोग ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। कुमार ने मतदाताओं से सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान करते हुए राज्य के प्रत्येक मतदाता से निडर होकर अपना वोट डालने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के प्रत्येक मतदाता को निडर होकर अपना वोट डालना चाहिए। व्यापक लोकतांत्रिक भावना का आह्वान करते हुए, कुमार ने चुनाव को लोकतंत्र का उत्सव बताया। उन्होंने कहा, चुनाव का पर्व, पश्चिम बंगाल का गर्व।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	78,520 .30	24,364 .85
गिरावट	26 .76	11.30
प्रतिशत में	0 .03%	0 .05

सोना 1,57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,57 लाख रुपये प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 21 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

रेनो डस्टर को मिली 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में फिर से लॉन्च हुई रेनो डस्टर एसयूवी ने 'भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम' के क्रैश टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग हासिल की है। रेनो इंडिया के अनुसार, डस्टर ने वयस्क सुरक्षा में 32 में से 30 .49 अंक और बच्चों की सुरक्षा श्रेणी में 49 में से 45 अंक प्राप्त किए। कंपनी के इंजीनियरिंग प्रमुख वी. विक्रमन ने बताया कि वाहन को भारतीय सड़कों की वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप कड़े परीक्षणों से गुजारा गया है, जिससे यह उपलब्धि हासिल हुई।

मिनी कारों की बिक्री दोगुनी करेगी बीएमडब्ल्यू

नई दिल्ली। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने साल 2026 में अपने प्रीमियम ब्रांड मिनी की बिक्री को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ हरदीप सिंह बरार ने सोमवार को कहा कि स्थानीय उत्पादन, नए मॉडल्स और बिक्री नेटवर्क के विस्तार के दम पर यह मुकाम हासिल किया जाएगा। आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में मिनी की 730 इकाइयां बिकी थीं, जबकि 2026 की पहली तिमाही में ही 42% की उछाल के साथ 213 कारें बिक चुकी हैं। कंपनी इस साल के मध्य तक भारत में निर्मित 'मिनी कंट्रीमैन' लॉन्च करने और नौ विशेष संस्करण पेश करने की तैयारी में है।

कोलकाता से कुनमिंग के बीच शुरू हुई विमान सेवा

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क को मजबूती देते हुए चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस ने कोलकाता और कुनमिंग के बीच अपनी सीधी उड़ान सेवाएं फिर से शुरू कर दी हैं। सोमवार को एयरलाइंस ने बताया कि 19 अप्रैल को दोनों शहरों के बीच पहली सीधी उड़ान संचालित की गई। कोरोना काल के बाद दोनों देशों के बीच हवाई सेवाओं को धीरे-धीरे बहाल किया जा रहा है।

कोर सेक्टर का उत्पादन मार्च में 0.4 प्रतिशत गिरा

अर्थव्यवस्था सुस्त: 5 महीने की बढ़त पर लगा ब्रेक

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के 'इंजन' कहे जाने वाले आठ प्रमुख उद्योगों (Core Sector) को तगड़ा झटका लगा है। मार्च महीने में इन उद्योगों के उत्पादन में सालाना आधार पर 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले साल मार्च में यह 4.5 प्रतिशत और इस साल फरवरी में 2.8 प्रतिशत बढ़ा था।

- वित्त वर्ष 2025-26 की कुल वृद्धि घटकर 2.6% रही, कोरोना के बाद का सबसे निचला स्तर

चार क्षेत्रों में सुस्ती, चार में बढ़त: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, आठ प्रमुख क्षेत्रों में से आधे (चार क्षेत्रों) में उत्पादन घटा है। सबसे बुरा असर उर्वरक उत्पादन पर पड़ा, जिसमें 24.6% की भारी कमी आई है। इसके अलावा कच्चे तेल का उत्पादन 5.7%, कोयला 4% और बिजली उत्पादन 0.5% घटा है। वहीं, प्राकृतिक गैस (6.4%), सीमेंट (4%), इस्पात (2.2%) और रिफाइनरी उत्पादों (0.1%) में मामूली बढ़त दर्ज की गई।

कोरोना काल के बाद सबसे कमजोर साल: अक्टूबर 2025 के बाद यह पहली बार है जब कोर सेक्टर का उत्पादन नकारात्मक रहा है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो कुल वृद्धि दर 2.6 प्रतिशत रही। यह वित्त वर्ष 2020-21 (कोरोना काल) के बाद का सबसे निचला स्तर है, जब 6.4% की गिरावट दर्ज की गई थी। तुलनात्मक रूप से, वित्त वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि 4.5 प्रतिशत रही थी।

एक नजर में आंकड़े

मार्च में किसका कैसा रहा प्रदर्शन

- उर्वरक: -24.6% ↓
- कच्चा तेल: -5.7% ↓
- कोयला: -4.0% ↓
- बिजली: -0.5% ↓
- प्राकृतिक गैस: +6.4% ↑
- सीमेंट: +4.0% ↑
- इस्पात: +2.2% ↑
- रिफाइनरी उत्पाद: +0.1% ↑

जायद फसलों की 69.06 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई

नई दिल्ली, एजेंसी: देश में ग्रीष्मकालीन यानी जायद फसलों का रकबा इस साल अब तक हल्की बढ़त के साथ 69.06 लाख हेक्टेयर हो गया है, जिसमें सबसे अधिक क्षेत्र धान के तहत है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

जायद फसलें फरवरी से जून महीने के बीच बोई जाती हैं। रबी (सर्दियों) की फसलों की कटाई और खरीफ (मानसून) फसलों की बुवाई के बीच के समय में जायद फसलों की खेती होती है। पिछले साल इसी अवधि में 66.14 लाख हेक्टेयर में जायद फसलों की बुवाई हुई थी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, 17 अप्रैल तक धान की बुवाई 30.64 लाख हेक्टेयर में हुई है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 32.31 लाख हेक्टेयर थी।

अमेरिका में भारतीय सामान बेचना होगा आसान, सरकार कर रही है खास तैयारी

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत अमेरिका के साथ अपने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारतीय अधिकारियों का एक दल इस समय वाशिंगटन में है, जो अमेरिकी बाजार में घरेलू उत्पादों के लिए 'तरजीही बाजार पहुंच' सुनिश्चित करने पर चर्चा करेगा।

गोयल ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (Trade Deal) का पहला चरण लगभग तैयार है। उन्होंने कहा कि हम ऐसी व्यवस्था बनाना चाहते हैं जिससे

- वाशिंगटन में भारतीय टीम की अहम बैठक: पीयूष गोयल

बोले-समझौता अंतिम चरण में

हमारे व्यापारियों को अमेरिकी बाजार में अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में ज्यादा लाभ मिले। गौरतलब है कि अमेरिका में हाल ही में शुल्क (टैरिफ) परिदृश्य में आए बदलावों के बाद दोनों देश समझौते की रूपरेखा पर पुनर्विचार कर रहे हैं।

क्या है मामला?

फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए शुल्कों के खिलाफ वहां के उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुनाया था। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने 24 फरवरी से सभी देशों पर 10% शुल्क लगा दिया। पुराने समझौते के तहत अमेरिका भारत पर शुल्क 50% से घटाकर 18% करने और रूसी तेल खरीद के कारण लगे 25% अतिरिक्त शुल्क को हटाने पर सहमत था। अब बदले हुए नियमों के बीच वाशिंगटन में हो रही तीन दिवसीय वार्ता में इन दरों को फिर से तय किया जाएगा।

राज्यों के पूंजीगत व्यय की रफ्तार होगी धीमी

मुंबई, एजेंसी

- चेतावनी: बढ़ते राजस्व खर्च और भू-राजनीतिक तनाव से घटेगा बुनियादी ढांचा निवेश

रेटिंग एजेंसी केयरएज रेटिंग्स ने सोमवार को राज्यों के वित्तीय स्वास्थ्य पर एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 में राज्यों के पूंजीगत व्यय की वृद्धि दर घटकर 8-10 प्रतिशत रह सकती है। यह पिछले वित्त वर्ष की 17 प्रतिशत की वृद्धि दर के मुकाबले एक बड़ी गिरावट को दर्शाता है।

रेटिंग एजेंसी के अनुसार, पूंजीगत व्यय में इस सुस्ती का मुख्य कारण राजस्व व्यय में बढ़ोतरी और राजस्व वृद्धि की धीमी रफ्तार है। रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि राजस्व घाटा: सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) का राजस्व घाटा, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 0.8 प्रतिशत था, 2026-27 तक बढ़कर 1.2 प्रतिशत तक पहुँच सकता है। राज्यों की राजस्व प्राप्तियां वित्त वर्ष 2025-26 में 6.2% और 2026-27 में 7.9% बढ़ने का अनुमान है, जो जीएसडीपी की सामान्य वृद्धि दर से भी कम है।

केयरएज रेटिंग्स के सह निदेशक प्रसन्ना कृष्णन ने बताया कि केंद्र से मिलने वाले अनुदान में कमी और वैश्विक चुनौतियों के कारण राज्यों की आय मध्यम रहेगी। इसके अलावा, पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ऊर्जा की बढ़ती कीमतें राज्यों के खजाने पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती हैं, जिससे विकास कार्यों के लिए उपलब्ध धन कम हो सकता है।

कल्याणकारी योजनाओं और निवेश के बीच संतुलन की चुनौती

रिपोर्ट के मुताबिक, सामाजिक योजनाओं पर निरंतर खर्च, विभिन्न योजनाओं में राज्यों की बढ़ती हिस्सेदारी और वस्तु एवं ईंधन की ऊँची कीमतों के कारण राजस्व व्यय ऊँचा बना रहेगा। ऐसे में राज्यों के सामने जनकल्याणकारी खर्च और बुनियादी ढांचे के निवेश के बीच संतुलन बनाए रखते हुए वित्तीय अनुशासन का पालन करना एक कड़ी चुनौती होगी।

उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन रहा बेहतर

चुनौतियों के बावजूद, रिपोर्ट में कुछ प्रमुख राज्यों की सराहना की गई है जिन्होंने बुनियादी ढांचा विकास पर अपना ध्यान केंद्रित रखा है। इनमें उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं। केयरएज ने यह विश्लेषण देश के उन 15 प्रमुख राज्यों के आंकड़ों के आधार पर किया है, जिनकी भारत की कुल जीएसडीपी में 89 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 25 सितंबर से, तैयारी शुरू

लखनऊ, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026 का चौथा संस्करण 25 से 29 सितंबर 2026 तक आयोजित होगा। तैयारियों को लेकर लोक भवन में अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि आयोजन बड़े पैमाने पर होगा और प्रस्तुतीकरण को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। सरकार ने जनसंचार रणनीति मजबूत करने के निर्देश दिए हैं, ताकि मीडिया और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की भागीदारी बढ़े। ट्रेड शो को "ग्लोबल सोर्सिंग प्लेटफॉर्म" के रूप में विकसित करने पर जोर है, जिससे प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक बाजार मिल सके। स्टॉल दरें 7,500 से 8,000 रुपये तय की गई हैं। "सीएम युवा" पवेलियन का विस्तार कर स्टार्टअप और नवाचार आधारित उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाएगा।

पंचायतों को 1000 करोड़ की पहली किस्त जारी

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने पंचायतीराज संस्थाओं को वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत अप्रैल माह के लिए 1000 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी कर दी है।

पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के आधार पर यह धनराशि जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायतों के बीच निर्धारित अनुपात में वितरित की जाएगी।

किआ इंडिया ने पेश किया साइरोस का नया मॉडल, शुरुआती कीमत 8.39 लाख रुपये

नई दिल्ली। वाहन निर्माता कंपनी किआ इंडिया ने सोमवार को अपनी लोकप्रिय एसयूवी साइरोस का नया मॉडल 'MY26' भारतीय बाजार में उतार दिया है। इस नए मॉडल की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 8,39,900 रुपये तय की गई है। कंपनी ने ग्राहकों से मिले सुझावों और बाजार की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस लाइनअप का विस्तार किया है, जिसमें कई नए ट्रिम्स और फीचर्स को शामिल किया गया है।

कंपनी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नए मॉडल में एचटीई, एचटीई(ओ), एचटीके(ओ) और एचटीएक्स(ओ) जैसे नए ट्रिम्स जोड़े गए हैं। इसके साथ ही ग्राहकों को अब पहले के मुकाबले अधिक ऑटोमैटिक विकल्प मिलेंगे, जिनमें विशेष रूप से नए डीजल ऑटोमैटिक ट्रिम्स शामिल हैं। किआ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अतुल सूद ने बताया कि इस नए

संस्करण में डिजाइन को पहले से अधिक आकर्षक बनाया गया है और पावरट्रेन के विकल्पों को बेहतर तरीके से व्यवस्थित किया गया है।

किआ साइरोस MY26: क्या है विशेष

- **स्पोर्टी लुक:** बिल्कुल नया फ्रंट बम्पर जिसमें बॉडी-कलर्ड एरो इंसर्ट्स और एलईडी फॉग लैंप्स हैं।
- **प्रीमियम फिनिश:** ग्लॉसी ब्लैक स्किड प्लेट्स और ग्लॉसी ब्लैक रूफ रेल्स।
- **नया रियर लुक:** पीछे की तरफ एलईडी हाई माउंटेड स्टॉप लैंप और नया बम्पर डिजाइन।
- **साइड प्रोफाइल:** मजबूती दिखाने के लिए बॉडी-कलर्ड साइड गार्निश का उपयोग।
- **बड़ा डिस्प्ले:** 76.2 सेमी का ट्रिनिटी पैनोरमिक डिस्प्ले (कनेक्टेड कार नेविगेशन कॉकपिट)।
- **लक्जरी फीचर्स:** डुअल-पेन पैनोरमिक सनरूफ और आगे व पीछे की वेंटिलेटेड सीटें।
- **सीटिंग कम्फर्ट:** दूसरी पंक्ति की सीटों में 60:40 स्प्लिट के साथ रिक्लाइन और स्लाइड की सुविधा।
- **कनेक्टिविटी:** 80 से ज्यादा कनेक्टेड कार फीचर्स और ओटीए (OTA) अपडेट की सुविधा।
- **रेटिंग:** सुरक्षा के मामले में इसे 5-स्टार BNCAP रेटिंग प्राप्त है।

सेफ्टी किट: 20 से ज्यादा हाई-स्टैंडर्ड सेफ्टी पैकेज शामिल किए गए हैं।

- **नए ट्रिम्स:** एचटीई (HTE), एचटीई(ओ), एचटीके(ओ) और एचटीएक्स(ओ)।
- **ट्रांसमिशन:** डीजल इंजन में अब पहले से ज्यादा ऑटोमैटिक विकल्पों की उपलब्धता।

एनसीएलएटी ने इंटेल पर लगाए गए जुर्माने पर रोक लगाई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी इंटेल कॉरपोरेशन पर लगाए गए 27.38 करोड़ रुपये के जुर्माने पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। अपीलीय न्यायाधिकरण की दो-सदस्यीय पीठ ने इंटेल को यह राहत देते हुए कहा कि कंपनी पहले ही जुर्माने की 25 प्रतिशत राशि जमा कर चुकी है, इसलिए शेष वसूली पर फिलहाल रोक रहेगी। इसके साथ ही, सीसीआई को आदेश के क्रियान्वयन के लिए कोई कठोर कदम नहीं उठाने को कहा गया है।

बेंगलुरु में ड्रोन से डिलीवरी का सफल परीक्षण, 1 घंटे का सफर 21 मिनट में पूरा

नई दिल्ली। देश में पहली बार किसी व्यस्त शहरी इलाके में ड्रोन के जरिए सामान पहुँचाने का सफल परीक्षण किया गया है। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में वैश्विक लॉजिस्टिक्स कंपनी फेडएक्स (FedEx) और आईआईटी मद्रास ने मिलकर इस उपलब्धि को हासिल किया। इसे भविष्य की आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) के लिए एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है।

इस उच्च गति वाले हवाई परीक्षण के लिए एक ऐसे मार्ग को चुना गया था, जिसकी सड़क मार्ग से दूरी 53 किलोमीटर है और

- आईआईटी मद्रास और फेडएक्स की संयुक्त पहल, 53 किमी की दूरी महज 21 मिनट में तय

सामान्य ट्रैफिक में वहां पहुँचने में लगभग एक घंटा लगता है। ड्रोन के माध्यम से यह हवाई दूरी घटकर 40 किलोमीटर रह गई और डिलीवरी महज 21 मिनट में पूरी कर ली गई। आईआईटी मद्रास स्थित 'फेडएक्स स्मार्ट सेंटर' के तहत किए गए इस परीक्षण का मुख्य उद्देश्य जटिल शहरी क्षेत्रों में ड्रोन की क्षमता को परखना था। फेडएक्स के उपाध्यक्ष (विपणन और एयर नेटवर्क) नितिन नवनीत तातिवाला ने बताया कि इस नवाचार का लक्ष्य सड़क मार्ग पर निर्भरता और भीड़भाड़ को कम करना है। साथ ही, यह परीक्षण भविष्य के लिए एक सुरक्षित, मजबूत और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।

रुपया 25 पैसे टूटकर 93.16 प्रति डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी: पश्चिम एशिया में फिर से तनाव बढ़ने के बीच अमेरिकी डॉलर की मांग में तेजी और कच्चे तेल में मजबूती रहने से सोमवार को रुपया शुरुआती बढ़त गंवाकर 25 पैसे टूटकर 93.16 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर गतिरोध बने रहने से वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है और ईरान एवं अमेरिका के बीच ताजा टकराव के कारण डॉलर की मांग बढ़ने से रुपये पर दबाव बना रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 92.73 पर खुला और कारोबार के दौरान 92.70 के उच्च स्तर तक गया। हालांकि, कारोबार के दौरान रुपये ने 93.24 प्रति डॉलर के निचले स्तर को भी छुआ।

सी-डॉट और जंप्स ऑटोमेशन के बीच करार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बढ़ते साइबर अपराधों पर लगाम लगाने के लिए सरकारी संस्थान 'सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स' (सी-डॉट) ने एक अनूठी पहल की है। सी-डॉट ने लोगों और संस्थानों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जंप्स ऑटोमेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के तहत एक खास गेमिफिकेशन प्लेटफॉर्म (गेम आधारित मंच) विकसित किया जाएगा।

इस प्लेटफॉर्म का मुख्य उद्देश्य साइबर सुरक्षा की पारंपरिक और बोरियत भरी ट्रेनिंग को एक रोमांचक और प्रभावी शिक्षण अनुभव में बदलना है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और सी-डॉट की स्वदेशी सुरक्षा तकनीक का इस्तेमाल होगा। यह एक 'सॉफ्टवेयर एज ए सर्विस' (SaaS) मॉडल पर आधारित होगा, जिसे भविष्य में बड़ी कंपनियां अपने कर्मचारियों की ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल कर सकेंगी।

सी-डॉट के सीईओ राजकुमार उपाध्याय ने बताया कि इस मंच का लक्ष्य उपयोगकर्ताओं को साइबर खतरों को पहचानने और उनसे निपटने में सक्षम बनाना है।

विदेशी निवेश मार्च में 27 प्रतिशत तक बढ़ा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार घरेलू कंपनियों द्वारा विदेशों में किया गया इक्विटी निवेश मार्च महीने में मासिक आधार पर लगभग 27 प्रतिशत बढ़ गया है। इस दौरान कुल निवेश 1.46 अरब डॉलर रहा, जबकि फरवरी में यह आंकड़ा 1.15 अरब डॉलर दर्ज किया गया था। हालांकि पिछले वर्ष के इसी माह की तुलना में इसमें गिरावट देखी गई है क्योंकि मार्च 2025 में यह निवेश 2.56 अरब डॉलर के स्तर पर था।

इस महीने हुए कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में शीर्ष पांच कंपनियों की हिस्सेदारी लगभग आधी रही। इसमें टाटा स्टील 44.4 करोड़ डॉलर के निवेश के साथ सबसे आगे रही। इसके बाद एक्लैट हेल्थ सॉल्यूशंस इंडिया ने 9.88 करोड़ डॉलर, एस्पायर सिस्टम्स इंडिया ने 8.83 करोड़ डॉलर, नवशक्ति रिन्यूएबल्स ने 7.74 करोड़ डॉलर और क्वालिटी केयर इंडिया ने 5.26 करोड़ डॉलर का निवेश किया।

देशों के आधार पर देखा जाए तो मार्च में समाप्त हुई तिमाही के दौरान सिंगापुर भारतीय कंपनियों के लिए निवेश का सबसे पसंदीदा केंद्र बनकर उभरा है। सिंगापुर को कुल 41.4 करोड़ डॉलर का निवेश प्राप्त हुआ। इस सूची में नीदरलैंड 28.5 करोड़ डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि संयुक्त अरब अमीरात को 12.96 करोड़ डॉलर का निवेश मिला।

इसके अतिरिक्त ऋण और गारंटी सहित कुल वित्तीय प्रतिबद्धताओं में भी मार्च के दौरान बड़ा उछाल देखने को मिला है। यह बढ़कर 7.06 अरब डॉलर हो गई, जो फरवरी 2026 में 2.96 अरब डॉलर थी। ऋण आवंटन के मामले में संयुक्त अरब अमीरात को भारत से 22.39 करोड़ डॉलर का ऋण प्राप्त हुआ, जबकि मॉरीशस को 14.63 करोड़ डॉलर का ऋण दिया गया।

ट्रंप के आयात शुल्क पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद रिफंड की प्रक्रिया आज से शुरू

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए आयात शुल्कों को वहां के उच्चतम न्यायालय द्वारा 'असंवैधानिक' घोषित किए जाने के बाद अब रिफंड की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सोमवार सुबह आठ बजे से अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन ने इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल खोल दिया है, जहाँ आयातक और उनके एजेंट भुगतान किए गए शुल्क की वापसी का दावा कर सकते हैं। अदालत ने अपने फैसले में माना कि राष्ट्रपति ट्रंप ने आपातकालीन शक्तियों का गलत इस्तेमाल करते हुए ये शुल्क लगाए थे। कोर्ट के अनुसार, यह कदम अमेरिकी संसद के 'कर निर्धारण' के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन था। दावों की मंजूरी के बाद रिफंड जारी होने में 60 से 90 दिन का समय लग सकता है। जानकारों का मानना है कि इस कदम से न केवल आयातकों को राहत मिलेगी, बल्कि भविष्य में बाजार में वस्तुओं की कीमतें कम होने से आम उपभोक्ताओं को भी अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है। कुल राशि: लगभग 3,30,000 आयातकों ने करीब 166 अरब डॉलर (करीब 13 .8 लाख करोड़ रुपये) का शुल्क चुकाया था। किसे मिलेगा लाभ: फिलहाल पहले चरण में कुछ चुनिंदा मामलों और हालिया भुगतानों को शामिल किया गया है।

रिपोर्ट — व्यापार निगरानी रिपोर्ट की चेतावनी: बढ़ सकता है व्यापार घाटा, रुपए पर बढ़ेगा दबाव

पश्चिम एशिया संकट से भारत की आर्थिक स्थिरता को खतरा : नीति आयोग

नयी दिल्ली, एजेंसी

नीति आयोग ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए चिंता जताई है। सोमवार को जारी 'व्यापार निगरानी' रिपोर्ट में कहा गया है कि इस क्षेत्र में अस्थिरता के कारण 'चालू खाते का घाटा' बढ़ने और मुद्रा के विनिमय मूल्य पर दबाव पड़ने से भारत की व्यापारिक और व्यापक आर्थिक स्थिरता को जोखिम हो सकता है।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया के संकट ने भारत और खाड़ी देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते की प्रगति को धीमा कर दिया है। इससे भारतीय उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहुंच और व्यापार के विस्तार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यापारिक समझौते दोनों पक्षों के हितों पर आधारित होते हैं। यदि हम विदेशी बाजारों तक पहुंच चाहते हैं, तो हमें भी अपने बाजार में दूसरों का स्वागत करना चाहिए। उनके अनुसार, आयात ही घरेलू उद्योगों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने के लिए प्रेरित करते हैं। सुमन बेरी ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का सेवा व्यापार और वस्तु व्यापार मजबूत बना हुआ है। पिछले दो दशकों में भारत की छह प्रतिशत की औसत विकास दर इसकी आर्थिक मजबूती का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

रिपोर्ट में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को मजबूती देने के लिए पूंजी की लागत कम करने और वित्तीय संसाधनों के विस्तार पर जोर दिया गया है। आयोग ने छोटे उद्यमियों को बिना किसी सुरक्षा के ऋण उपलब्ध कराना, उद्योगों के लिए ऋण गारंटी योजना और ब्याज दर में छूट देने और माल की आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष धन की व्यवस्था करने के सुझाव दिए हैं।

भारत के रत्न एवं आभूषण निर्यात को वैश्विक स्तर पर और अधिक मूल्यवान बनाने के लिए रिपोर्ट में नीतिगत बदलावों की सिफारिश की गई है। इसके तहत साधारण आभूषणों के स्थान पर 'उच्च मूल्य' वाले निर्यात और विशेष बनावट वाले विनिर्माण पर ध्यान देने को कहा गया है। साथ ही क्षेत्रीय पहचान वाले (जीआई) उत्पादों और पुरुषों के आभूषणों के बाजार को बढ़ाने का सुझाव दिया गया है।

प्रशासनिक सुधारों के लिए सुझाव

व्यापार को सहज बनाने के लिए रिपोर्ट में कुछ प्रशासनिक सुधारों की बात कही गई है। इनमें सीमा शुल्क और व्यापार महानिदेशालय की प्रक्रियाओं को सरल और सुगम बनाना। माल के दोबारा आयात या निर्यात की कानूनी जटिलताओं को दूर करना। बेहतर नीतियां बनाने के लिए रत्न एवं आभूषण क्षेत्र से संबंधित सटीक और अलग आंकड़े तैयार करना शामिल है।

सरकार ने कच्चे जूट की जमाखोरी रोकने के लिए भंडारण सीमा घटाकर शून्य की

नई दिल्ली। सरकार ने कच्चे जूट की जमाखोरी रोकने और जूट मिलों को कच्चे माल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यापारियों और बैलरों (गांठ बनाने वालों) पर सख्त प्रतिबंध लगा दिए हैं। सोमवार को कपड़ा मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, इन इकाइयों के लिए कच्चे जूट की भंडारण सीमा को घटाकर शून्य कर दिया गया है। यह कदम पिछले कुछ महीनों में कच्चे जूट की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी और इनके न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से काफी ऊपर बने रहने के कारण उठाया गया है।

संशोधित नियमों के तहत, जूट आयुक्त के साथ पंजीकृत और परिसर में बैलिंग प्रेस रखने वाले बैलरों को अपने पास मौजूद कच्चे जूट का पूरा स्टॉक 5 मई 2026 तक बेचना होगा। साथ ही, इसकी भौतिक आपूर्ति 15 मई तक हर हाल में पूरी करनी होगी। वहीं, बिना पंजीकरण वाले बैलरों और बिना बैलिंग प्रेस वाले स्टॉकिस्ट के लिए अब भंडारण की कोई अनुमति नहीं होगी, यानी उनके लिए सीमा शून्य रहेगी। जूट मिलों और प्रसंस्करण इकाइयों को भी केवल 45 दिन की खपत के बराबर ही स्टॉक रखने की अनुमति दी गई है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कीमतों में अस्थिरता और कच्चे माल की कमी से जूट उद्योग और इसमें लगे रोजगार पर बुरा असर पड़ सकता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

मादक पदार्थों की तस्करी कर रही नौका पर हमले में तीन मरे

वॉशिंगटन। अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई सागर में मादक पदार्थ ले जा रही एक नौका पर रविवार को हमला किया जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। अब तक ऐसे हमलों में लगभग 181 लोग मारे जा चुके हैं। इसी तरह के हमले पूर्वी प्रशांत महासागर में भी हुए हैं। ईरान युद्ध के बावजूद पिछले करीब एक सप्ताह में इस तरह के हमले फिर तेज हुए हैं। इससे संकेत मिलता है कि पश्चिमी गोलार्ध में मादक पदार्थ आतंकवाद को रोकने के लिए अमेरिका के आक्रामक कदमों में कोई कमी नहीं आई है। अमेरिकी सेना ने हालांकि यह साबित करने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया है कि जिन पोतों को निशाना बनाया गया, उनमें मादक पदार्थ थे।

लंदन : यहूदी उपासना गृह में आगजनी के आरोप में दो गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटिश पुलिस ने उत्तर-पश्चिमी लंदन के एक यहूदी उपासना गृह में सप्ताहांत हुई आगजनी की घटना के सिलसिले में दो किशोरों को गिरफ्तार किया है। यहूदी समुदाय के नेताओं ने अपने संस्थानों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों की बढ़ती घटनाओं पर गहरी चिंता जताई है। लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस सेवा के उपायुक्त मैट ज्यूक्स ने सोमवार को बताया कि हैरो स्थित केंटन यूनाइटेड सिनैगॉग पर हुए हमले में 17 और 19 वर्ष के दो किशोरों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ हफ्तों में यहूदी ठिकानों और ईरान सरकार के आलोचक एक फारसी मीडिया संगठन पर हुए छह हमलों के संबंध में अब तक 15 गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं।

राजस्थान में हवाई हमले से बचाव के लिए होगा ब्लैक आउट

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले में नागरिक सुरक्षा तैयारियों के मद्देनजर बाहरी/हवाई आक्रमण से बचाव एवं आवश्यक तैयारियों के तहत मंगलवार को सायं साढ़े छह बजे से अभ्यास का आयोजन किया जाएगा। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया अभ्यास बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय में होगा और ब्लैक आउट रात करीब पौने आठ बजे से इसी महाविद्यालय के आसपास के क्षेत्र जिसमें कर्मचारी कॉलोनी, अशोक विहार, रेलवे पुलिया के निकट क्षेत्र में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ब्लैक आउट किये जाने वाले क्षेत्र में रात्रि के समय सायरन बजा कर स्थानीय नागरिकों को ब्लैक आउट की सूचना दी जाएगी।

प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन से ऐन पहले राजस्थान की रिफाइनरी में भीषण आग

फायर ब्रिगेड की 20 से ज्यादा टीमों ने घंटों मशक्कत के बाद पाया काबू, जांच का आदेश

जयपुर/नई दिल्ली, एजेंसी

घटना के बाद मोदी का दौरा टला उद्घाटन कार्यक्रम स्थगित

राजस्थान के बालोतरा जिले में स्थित पचपदरा रिफाइनरी की एक यूनिट में सोमवार को भीषण आग लग गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मंगलवार को इस रिफाइनरी का उद्घाटन करना था। फायर ब्रिगेड की 20 से ज्यादा गाड़ियों और कई आपातकालीन टीमों ने कई घंटे तक मशक्कत करने के बाद आग को काबू तो कर लिया है लेकिन फिलहाल प्रधानमंत्री का दौरा रद्द कर उद्घाटन कार्यक्रम को टाल दिया गया है। घटना की उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया गया है।

आग गने की शुरुआत रिफाइनरी की कच्चे तेल की डिस्टिलेशन इकाई के पास हुई जो कुछ ही देर में काफी भीषण हो गई। इस घटना से रिफाइनरी में अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो गई। चना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू बुझाना शुरु कर दिया। कुछ घंटों बाद आपातकालीन टीमों ने विकराल आग पर पर काबू पा लिया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक दमकल की गाड़ियों ने करीब दो घंटे में आग पर काबू पा लिया। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के बाद अब इससे हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। पुलिस और प्रशासन के कई अधिकारी एवं उनकी टीमें मौके पर पहुंची है जो हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

पचपदरा रिफाइनरी का मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नरेंद्र के हाथों उद्घाटन किया जाना था जिसे आग लगने की घटना के बाद स्थगित कर दिया गया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इस रिफाइनरी का लोकार्पण कार्यक्रम फिलहाल टाल दिया गया है और नई तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी।

इस घटना के कारण रिफाइनरी में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सोमवार का प्रस्तावित रद्द भी कर दिया गया। मुख्यमंत्री शर्मा ने रिफाइनरी में आग लगने की घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। शर्मा ने बताया कि रिफाइनरी में वर्तमान में स्थिति पूर्णतः नियंत्रण में है। घटना की उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए गए हैं।

पचपदरा की रिफाइनरी में आग लगने के बाद आसमान में उठता काले धुएं का गुबार।

9,450 करोड़ की परियोजना, सालाना क्षमता 90 लाख टन

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक बालोतरा के पचपदरा में स्थित 79,450 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली यह परियोजना देश के ऊर्जा और पेट्रोरसायन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साथ ही यह भारत का पहला नया एकीकृत रिफाइनरी सह पेट्रोरसायन परिसर भी है। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी के हाथों मंगलवार को इस रिफाइनरी का लोकार्पण कार्यक्रम तय किया गया था। यह परियोजना हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार के संयुक्त उपक्रम के रूप में विकसित की गई है। इसकी सालाना क्षमता 90 लाख टन होगी।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी हो सकती है कारण: कांग्रेस

इस बीच, विपक्षी दल कांग्रेस ने इस घटना को सुरक्षा में चूक का संकेत बताया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस घटना को गंभीर और चिंताजनक बताते हुए कार्यक्रम से पहले तैयारियों पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोजन की जल्दबाजी में सुरक्षा मानकों से समझौता किया गया और परियोजना के क्रियान्वयन में देरी भी हुई। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए सभी की सुरक्षा की कामना की।

केजरीवाल को झटका, जज का खुद को सुनवाई से अलग करने से इन्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायाधीश स्वर्ण कांता शर्मा ने सोमवार को आबकारी नीति मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने से इन्कार करते हुए आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अन्य लोगों की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी वादी को बिना किसी सबूत के न्यायाधीश पर फैसला करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है और न्यायाधीश किसी वादी के पूर्वाग्रह के निराधार डर को दूर करने के लिए खुद को मामले से अलग नहीं कर सकते हैं।

एक घंटे से अधिक समय तक हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि किसी राजनीतिक नेता को बिना किसी आधार के किसी संस्था को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जा सकती क्योंकि किसी न्यायाधीश पर व्यक्तिगत हमला न्यायपालिका पर ही हमला होता है। न्यायमूर्ति शर्मा ने निष्कर्ष निकाला कि उन्हें हटाने की याचिकाओं में वर्णित विवरण अनुमानों और कथित झुकावों पर आधारित था। न्यायाधीश ने कहा, यह अदालत अपने और संस्था के लिए खड़ी रहेगी, मैं खुद को इस मामले से अलग नहीं करूंगी।

केजरीवाल ने आबकारी नीति मामले में अपनी रिहाई के खिलाफ सीबीआई की याचिका की सुनवाई कर रही न्यायाधीश के खिलाफ कई आपत्तियां उठाई थीं, जिनमें यह भी शामिल था कि उन्होंने पहले उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर उन्हें राहत देने से इन्कार कर दिया था और मनीष सिसोदिया और के. कविता सहित अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर राहत देने से भी इन्कार कर दिया था। केजरीवाल के अलावा आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक ने भी न्यायाधीश को मामले से अलग करने के लिए आवेदन दायर किए थे।

- आप संयोजक से कहा- आपके तर्क अनुमानों पर आधारित, खारिज की याचिका

रवि शंकर को यूनान में भारत के नया राजदूत नियुक्त किया

नई दिल्ली। वरिष्ठ राजनयिक रवि शंकर को यूनान में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि रवि शंकर अपना नया पद भार जल्द ही संभालेंगे। भारतीय विदेश सेवा के 1995 बैच के अधिकारी रवि शंकर इस समय यूक्रेन में भारत के राजदूत हैं। वह विदेश मंत्रालय के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण पदों पर पर काम कर चुके हैं।

उत्तर कोरिया में अब क्लस्टर बमों का परीक्षण

सियोल। उत्तर कोरिया ने सोमवार को इस महीने दूसरी बार क्लस्टर बमों से लैस बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया है, जिसे अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई रक्षा प्रणालियों से मुकाबला करने के लिए देश की क्षमताओं को बढ़ाने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। इस प्रक्षेपण के दौरान उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और उनकी बेटी भी मौजूद रहे।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका ने उत्तर कोरिया के पूर्वी तट से दूर कई बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण का पता लगाया है। केसीएनए की ओर से जारी तस्वीरों में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और उनकी बेटी एक तटीय निगरानी क्षेत्र से पानी के ऊपर से गुजरते हुए एक प्रक्षेपास्त्र को देखते नजर आ रहे हैं।

इस दौरान दोनों ने काले रंग की चमड़े की जैकेट पहनी हुई है। दक्षिण कोरिया की खुफिया सेवा ने हाल में कहा था कि किम की बेटी का नाम किम जू ऐ है और वह किम की उत्तराधिकारी बन सकती हैं।

द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए भारत-अमेरिका के बीच वार्ता शुरू

वाशिंगटन, एजेंसी

- कारोबार में आने वाली रुकावटों पर वाशिंगटन में शुरू हुई चर्चा

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर सोमवार को वाशिंगटन में तीन दिनों की अहम बैठक शुरू हो गई। बुधवार तक चलने वाली इस वार्ता का मकसद दोनों देशों के बीच कारोबार के रास्ते में आने वाली रुकावटों को दूर करना है। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण पूरी दुनिया में ऊर्जा का संकट बना हुआ है।

अमेरिकी व्यापार नीति में हाल ही में हुए बदलावों के कारण यह बैठक काफी महत्वपूर्ण है। दरअसल अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आपातकालीन शक्तियों (1977 का कानून) के तहत लगाए गए आयात शुल्क को रद्द कर दिया था, जिसके बाद ट्रंप प्रशासन ने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए सभी देशों पर 10 प्रतिशत का एक समान शुल्क लागू कर दिया है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव और मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन कर रहे हैं। 12 सदस्यों वाली इस टीम में वाणिज्य, सीमा शुल्क और विदेश मंत्रालय के अधिकारी शामिल हैं।

अक्टूबर 2025 के बाद दोनों देशों के बीच यह पहली आमने-सामने की बैठक है। सात फरवरी 2026 में जारी किए गए मसौदे को अमेरिकी टैरिफ नीति में आए बदलावों के बाद अब फिर से नए सिरे से तैयार करने की जरूरत है। फरवरी के मसौदे में अमेरिका ने भारतीय सामानों पर आयात शुल्क को 50 प्रतिशत से घटाकर लगभग 18 प्रतिशत करने और कुछ विशेष क्षेत्रों से आयात शुल्क को हटाने का प्रस्ताव दिया था। भारती

पूर्वी चीन सागर में चीनी निर्माण पर भड़का जापान

टोक्यो। जापान सरकार ने पूर्वी चीन सागर में नये ढांचे निर्माण करने की चीन की कोशिशों पर सोमवार को कड़ा विरोध दर्ज कराया है। दोनों एशियाई देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच यह नया विवाद सामने आया है।

जापान के विदेश मंत्रालय ने कहा, चीन पिछले कुछ वर्षों से पूर्वी चीन सागर में प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के लिए गतिविधियों में तेजी ला रहा है। जापान ने पुष्टि की है कि दोनों देशों के बीच की भौगोलिक मध्य रेखा (इक्विडिस्टेंस लाइन) के चीनी हिस्से में अब तक कुल 23 ढांचे बनाए जा चुके हैं। हाल ही में जापान ने इसी क्षेत्र के पश्चिमी हिस्से में चीन द्वारा एक नया ढांचा स्थापित करने की गतिविधि की पहचान की है।

एक्स पर बाल यौन शोषण की तस्वीरें, मस्क फ्रांस में तलब

पेरिस। फ्रांस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बाल यौन उत्पीड़न की तस्वीरें और डीपफेक कंटेंट साझा किए जाने से जुड़े आरोपों की जांच के सिलसिले में सोमवार को अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क को समन भेजा है। पेरिस के अभियोजन कार्यालय के मुताबिक मस्क और एक्स की पूर्व सीईओ लिंडा याकारिनो को स्वैच्छिक पूछताछ के लिए तलब किया गया है, एक्स के अन्य कर्मचारियों को इस सप्ताह गवाह के रूप में पेश होना है।

मस्क को फरवरी में एक्स के फ्रांस स्थित दफ्तरों में हुई छापेमारी के बाद तलब किया गया था। यह छापेमारी जनवरी 2025 में पेरिस अभियोजक कार्यालय की साइबर अपराध इकाई द्वारा शुरू की गई जांच के तहत ली गई थी। मस्क और याकारिनो उस समय एक्स का प्रबंधन संभाल रहे थे। याकारिनो मई 2023 से जुलाई 2025 तक कंपनी की सीईओ रहीं। अभियोजकों ने कहा, ये पूछताछ उन्हें तथ्यों पर स्थिति स्पष्ट करने का अवसर देने के लिए हैं। इस चरण में जांच की प्रक्रिया एक रचनात्मक दृष्टिकोण के तहत जारी है, जिसका अंतिम उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक्स फ्रांस में काम करते समय फ्रांसीसी कानूनों का पालन करे।

- एक्स की सीईओ लिंडा याकारिनो को भी जारी किया गया समन

एक बंद आंख भी आपको हर वक्त देखती है

आपके मोबाइल फोन का कैमरा

आपके मोबाइल फोन का कैमरा एक ऐसी आंख है जो आप पर हर वक्त नजर रखती है। तब भी जब वह बंद है। कल्पना करिए, आप अपने बेडरूम में अकेले हैं, आपका फोन साइड टेबल पर उल्टा रखा है। ऐसे में आप अगर सुरक्षित महसूस कर रहे हैं तो शायद नहीं जानते कि साइबर दुनिया में कैमरा हाइजैकिंग और विजुअल मेटाडेटा के जरिए आपकी प्राइवेसी एक पारदर्शी कांच के घर जैसी बन चुकी है।

जासूसी जो आप नहीं देखते

- हम सोचते हैं कि कैमरा तभी काम करता है जब हम एप खोलते हैं लेकिन सच यह है कि कई एप्स बैकग्राउंड परमिशन के जरिए आपके कैमरे का इस्तेमाल एनवायरनमेंट मैपिंग के लिए करते हैं।
- दुनिया की बड़ी टेक कंपनियां एआई का इस्तेमाल करके यह पता लगाती हैं कि आपके कमरे में किस ब्रांड का सोफा है, आपके पीछे कौन सी पेंटिंग लगी है, या आपकी कलाई पर कौन सी घड़ी है।
- आप इस बात पर चौंक सकते हैं कि आपने कभी सर्च नहीं किया, लेकिन आपको प्रीमियम घड़ियों के विज्ञापन आने लगते हैं, मगर वजह ये है कि आपके फोन ने आपकी कलाई पर उसे देख लिया था।

कैमरे की नजर से खुद को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी है कि बहुत ही निजी जगहों पर फोन को तकिए के नीचे या दराज के अंदर रखें।

- जब आप एक सुंदर सूर्यास्त की फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर डालते हैं तो आप सिर्फ तस्वीर नहीं भेजते। उस फोटो के पीछे छिपा एक्सिफ डेटा बहुत कुछ बता देता है।
- आपकी जीपीएस लोकेशन भले बंद हो, पता लगता है कि तस्वीर किस समय ली गई और उस वक्त आपके फोन की ऊंचाई क्या थी। सेंसर डेटा से इसका अंदाजा लगता है।

आपकी फोटो की जन्म कुंडली

डिजिटल प्राइवेसी को कैसे लॉक करें

- कैमरा कवर सबसे पुराना और सबसे कारगर तरीका है। एक छोटा सा प्लास्टिक स्लाइडर अपने फ्रंट और बैक कैमरे पर लगाएं। जब तक आप उसे खुद नहीं खोलेंगे दुनिया की कोई ताकत आपको देख नहीं पाएगी। मार्क जुकरबर्ग भी अपने लैपटॉप पर टेप लगाकर रखते हैं)
- एंड्रॉइड फोन के डेवलपर ऑप्शंस में जाकर सेंसर ऑफ का बटन शॉर्टकट में जोड़ें। इसे दबाते ही कैमरा और माइक्रोफोन ब्लॉक हो जाते हैं। देखें कि किन एप्स को कैमरे की परमिशन मिली हुई है। कैलकुलेटर या टॉर्च एप को कैमरे की जरूरत क्यों है। उसे डोंट अलाउ करें।

आई ट्रैकिंग...आपकी कमजोरी पर नजर

कुछ भविष्यवादी एल्गोरिदम अब आपकी पुतलियों की हरकत को ट्रैक कर रहे हैं। जब आप फोन पर स्क्रॉल करते हैं तो फ्रंट कैमरा यह नोट करता है कि आपकी आंखें किस विज्ञापन या किस तरह की इमेज पर ज्यादा देर तक रुकीं। अगर आपकी पुतलियां किसी डिस्काउंट सेल को देखकर फैलती हैं तो एआई समझ जाता है कि आपको कब और कैसे लालच देना है।

एक चौंकाने वाला तथ्य ...

एक रिसर्च के अनुसार, हैकर्स क्लिकजैकिंग के जरिए एक इनविजिबल लेयर बना देते हैं। आप स्क्रीन पर किसी गेम के बटन को दबाते हैं लेकिन असल में आप बैकग्राउंड में अपने कैमरे को फोटो खींचने की परमिशन दे रहे होते हैं। लिहाजा अगली बार जब आप फोन के सामने मुस्कुराएं भी तो याद रखें कि हो सकता है कोई और भी उस मुस्कुराहट को देख रहा हो सकता है। तकनीक लगातार आपको अपनी प्राइवेसी बचाए रखने की चुनौती दे रही है।

यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के मुंबई व चेन्नई परिसरों के लिए आवेदन शुरू

मुंबई। यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया (यूडब्ल्यूए) के मुंबई और चेन्नई स्थित परिसरों के लिए आवेदन प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। यूडब्ल्यूए इसके साथ ही एक ही समय में भारत में दो परिसर स्थापित करने वाला एकमात्र विदेशी विश्वविद्यालय बन गया है।

विश्वविद्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक इच्छुक छात्र अब उद्योग-सुसंगत तथा तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के चयनित विकल्पों में दाखिला ले सकते हैं। उपलब्ध पाठ्यक्रमों में कॉम्प्यूटर साइंस, साइबर सिक्युरिटी, डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिजनेस मैनेजमेंट, ग्लोबल बिजनेस, एंटरप्राइजेज एंड इनोवेशन, इकोनॉमिक्स, मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) तथा मास्टर ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी शामिल हैं। यूडब्ल्यूए के कुलपति प्रो. अमित चकमा ने कहा, भारत में हमारे परिसरों के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ होना यूडब्ल्यूए की यात्रा का एक महत्वपूर्ण चरण है। मुंबई और चेन्नई के माध्यम से अधिकाधिक भारतीय विद्यार्थियों को देश में रहकर वैश्विक स्तर की शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

- भारत में एक साथ दो परिसर शुरू करने वाला पहला विदेशी विश्वविद्यालय

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज आपको अपनी गति थोड़ा नियंत्रित रखनी होगी। तेजी से काम करने से नुकसान हो सकता है। दिन के अंत में राहत महसूस होगी।

वृष आज आपके लिए दिन मजबूत रहेगा। आप अपने फैसलों पर टिके रहेंगे। काम में स्थिरता आएगी और लोग आपकी बात को महत्व देंगे।

मिथुन आज हर बात में तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। शांत रहकर काम करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे। व्यापार में बड़ी साझेदारी हो सकती है।

कर्क आज लोगों के साथ जुड़कर काम करने से लाभ मिलेगा। किसी पुराने संपर्क से भी मदद मिल सकती है।

सिंह आज काम को लेकर ज्यादा जिम्मेदारी लेनी पड़ सकती है। कोई महत्वपूर्ण काम आपके भरोसे आ सकता है।

कन्या आज आपके लिए कुछ नया सीखने का दिन है। अलग तरीके से काम करने का मौका मिलेगा। बदलाव को अपनाने से फायदा होगा।

तुला आज का दिन कारोबारियों के लिए अच्छा नहीं है। किसी बात को लेकर मन अस्थिर हो सकता है। निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक आज व्यापार में बड़ा लाभ मिल सकता है। अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। यात्रा मंगलमय रहेगी।

धनु आज का दिन नया प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए अनुकूल है। शांतिपूर्वक अपना काम करने का प्रयास करें। दर्द की शिकायत हो सकती है।

मकर आज का दिन सकारात्मक रहेगा। कोई रचनात्मक काम आपको आगे बढ़ा सकता है। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

कुंभ आज शंकालु स्वभाव के कारण परेशानी होगी। अपनी योजनाओं को जल्दबाजी में क्रियान्वित न करें। अपनी रुचि के अनुसार काम करें।

मीन आज छोटे मौके को नजरअंदाज न करें। कोई नई बात आपके काम आ सकती है। आपके घर में रिश्तेदार आ सकते हैं।

आज का पंचांग -आचार्य मधुरेंद्र पांडेय astrompandey@gmail.com

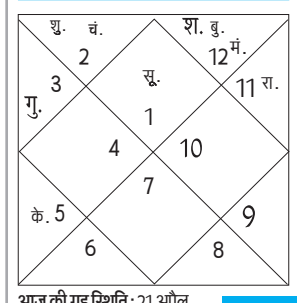

आज की ग्रह स्थिति : 21 अप्रैल, मंगलवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष- शुक्ल पक्ष, पंचमी 22 अप्रैल 01.19 तक तत्पश्चात षष्ठी।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- ग्रीष्म। **चन्द्रबल**- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन। **ताराबल**- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती। **नक्षत्र**- मृगशिरा 23.58 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

सुडोकू - 125 का हल

7	9	8	1	6	3	5	2	4
4	2	5	7	8	9	3	6	1
3	6	1	5	4	2	8	9	7
8	3	2	4	9	5	7	1	6
9	5	7	6	3	1	2	4	8
6	1	4	8	2	7	9	5	3
1	7	9	3	5	6	4	8	2
5	8	6	2	7	4	1	3	9
2	4	3	9	1	8	6	7	5

सुडोकू -126

2			9	3	7	6		
				8		2		
5		9				1		
			5	6		7		
7								8
		8						3
		2				9		6
		4		5				
3		6		2	9			5

बुजुर्ग महिला का 250 ग्राम सोना चुराने वाली गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के केशवपुरम इलाके में 82 वर्षीय महिला के घर से लगभग 250 ग्राम सोने के आभूषण चुराने के आरोप में 40 वर्षीय घरेलू सहायिका को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान सुखवती के रूप में हुई है, जो लॉरेंस रोड पर झुग्गी में रहती है। उसके घर से चोरी का सारा सोना बरामद कर लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि वरिष्ठ नागरिक के घर से सोने के आभूषणों की चोरी के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई, जिसके बाद केशव पुरम थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई और जांच शुरू की गई।

मुश्किल चुनौती तनाव और संघर्ष की वैश्विक स्थितियों को माना जा रहा है कम नामांकन का कारण, पिछले चुनाव में थे 13 दावेदार

संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के लिए सिर्फ चार उम्मीदवार

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र का अगला महासचिव बनने के लिए चार उम्मीदवारों के बीच मुकाबला है और वे अपनी दावेदारी पेश करने के लिए इस सप्ताह संगठन के 193 सदस्यों के राजदूतों के प्रश्नों के उत्तर देंगे। यह संख्या 10 वर्ष पहले जब अंटोनियो गुटारेस का संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के रूप में चयन हुआ था, तब की तुलना में काफी कम है।

चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बेचेलेट मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के राजदूतों के समक्ष तीन घंटे के प्रश्नोत्तर सत्र में सबसे पहले शामिल होंगी। इस पद के उम्मीदवारों में बेचेलेट समेत दो महिलाएं और लातिन अमेरिका के तीन उम्मीदवार शामिल हैं। बेचेलेट के बाद अर्जेंटीना के संयुक्त राष्ट्र परमाणु प्रमुख राफेल मारियानो ग्रोसी का नंबर आएगा। संयुक्त राष्ट्र व्यापार प्रमुख रेबेका ग्रिंसपैन बुधवार को महासभा कक्ष में प्रश्नों का उत्तर देंगी और अंत में सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल पेश होंगे। इस पद के लिए 2016 में 13 उम्मीदवार मैदान में उतरे थे और मुकाबला काफी कड़ा था। इस बार संख्या कम होने पर सवाल उठ रहे हैं।

एक कारण यह है कि 2026 की दुनिया गहरे ध्रुवीकरण और संघर्षों से घिरी हुई है और मौजूदा परिस्थितियां 2016 के शांत वैश्विक माहौल से काफी अलग हैं। यह भी माना जा रहा है कि इसका कारण संयुक्त राष्ट्र की घटती साख भी है। यह संस्था एक दशक पहले जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने के लिए पेरिस जलवायु समझौते को साकार करने में अपनी भूमिका और वैश्विक आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने, पर्यावरण रक्षा करने तथा अमीर-गरीब देशों के बीच बढ़ती खाई कम करने के लिए 17 लक्ष्यों पर विश्व के नेताओं की सहमति बनने को लेकर उत्साहित थी।

हिचकिचाहट... सरकारों को चीन और अमेरिका की नाराजगी का ख्याल

संयुक्त राष्ट्र मामलों के जानकार और 'इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप' के कार्यक्रम निदेशक रिचर्ड गोवान ने कहा कि अंटोनियो गुटारेस के उत्तराधिकारी की दौड़ पर मौजूदा भू राजनीतिक स्थिति का असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष पहले कई उम्मीदवार यह जानते हुए भी मैदान में उतरे थे कि उनके जीतने की संभावना बहुत कम है। इस बार संभावित उम्मीदवार और उन्हें नामित करने वाली सरकारें अधिक सतर्क हैं। अब यह भावना है कि यदि कोई उम्मीदवार कोई गलती कर बैठा और उसने अमेरिका या चीन को नाराज कर दिया तो इससे कूटनीतिक नुकसान हो सकता है। गुटारेस का पांच वर्षीय दूसरा कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है।

मुझे सफलताओं से मत आंकिए, बल्कि जितनी बार गिरा हूं और गिरकर उठा हूं, उस बिना पर आकलन कीजिए।
–नेल्सन मंडेला, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति

स्मार्ट मीटर पर राहत

स्मार्ट बिजली मीटरों के बारे में व्यापक जन असंतोष और आंदोलन के बाद आई सरकारी घोषणा सूबे के 82 लाख स्मार्ट मीटर धारकों के लिए बहुत राहत पहुंचाने वाला है। सिद्धांततः यह व्यवस्था क्रांतिकारी है— प्रीपेड रिचार्ज, रीयल-टाइम खपत की जानकारी, बिलिंग में पारदर्शिता और कई विवादों का अंत। इसे डिजिटल भारत के विज़न के तहत बिजली क्षेत्र में पारदर्शिता, दक्षता और उपभोक्ता नियंत्रण का प्रतीक बताया गया था, पर प्रश्न यह कि यह योजना उपभोक्ताओं के रोष और अविश्वास का कारण क्यों बनी? समाधान ऐसी समस्या क्यों बन गई कि सरकार को ऐसे फैसले लेने पड़े।

विरोध का मूल कारण है मीटर का तेज चलना और गलत रीडिंग का संदेह, प्रीपेड बैलेंस खत्म होते ही अचानक सप्लाई कटना और रिचार्ज एवं रीकनेक्शन में तकनीकी खामियों के चलते देरी। वादा यह था कि स्मार्ट मीटर से बिलिंग की त्रुटियां खत्म होंगी, कई मामलों में उपभोक्ताओं से पहले से अधिक बिल आने की शिकायत मिली। आम उपभोक्ता चाहता है कि नई व्यवस्था से उसकी जेब पर बोझ कम हो तथा अबाध विद्युत आपूर्ति मिले। यदि ऐसा अनिश्चित है, तो विरोध स्वाभाविक है। उत्तर प्रदेश में 82 लाख स्मार्ट मीटर लग चुके हैं, इसके बाद आगे की स्वीकृति इससे ज़रूर प्रभावित होगी। इसी दबाव में राज्य सरकार ने 45 दिन तक बिजली न काटने, शून्य बैलेंस पर 3 दिन सप्लाई जारी रखने और रविवार या अवकाश पर डिस्कनेक्शन न करने जैसे राहत उपाय घोषित किए, पर ये कदम अस्थायी राहत देंगे, स्थायी समाधान नहीं। तकनीकी समिति की रिपोर्ट आने तक नए स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक का फैसला बताता है कि समस्या गंभीर है। समिति को जिन बिंदुओं पर ध्यान देना होगा, उनमें मीटर की सटीकता का स्वतंत्र ऑडिट, डेटा ट्रांसमिशन की विश्वसनीयता, बिलिंग-सिस्टम और भुगतान-गेटवे के बीच तालमेल और शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था शामिल होनी चाहिए। आज इंटरनेट या मोबाइल रिचार्ज की तरह निर्बाध समन्वय बिजली प्रणाली में नहीं दिखता। यही इस व्यवस्था की सबसे बड़ी खामी है। कंपनियां, जो तकनीकी और वित्तीय रूप से सक्षम हैं, वे त्वरित विस्तार का दबाव, गुणवत्ता नियंत्रण की कमी और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप सिस्टम के अभाव में विफल हो रही हैं। कई जगह नेटवर्क कनेक्टिविटी, सर्वर क्षमता और फील्ड सपोर्ट बहुत कमजोर है, लेकिन उलटे वे उपभोक्ता को ही दोषी ठहराने पर उतारू हैं, जिससे उपभोक्ताओं में नई व्यवस्था के प्रति अविश्वास बढ़ता है।

विश्वसनीयता ही कंपनियों की सबसे बड़ी पूंजी है, भले सरकार निजी कंपनियों को नुकसान में नहीं जाने देगी, लेकिन जनविश्वास नहीं बढ़ा तो राजस्व घटेगा, इसलिए उन्हें सुधार तो करने ही होंगे। स्मार्ट मीटर भविष्य की अनिवार्यता हैं, पर भरोसा वर्तमान की शर्त है। तकनीक तभी सफल होगी जब वह उपभोक्ता के लिए 'भरोसेमंद सुविधा' बने, 'सांसत' नहीं। यह प्रणाली तभी निरापद होगी, जब थर्ड-पार्टी कैलिब्रेशन और पब्लिक डैशबोर्ड पर पारदर्शी डेटा होगा, रीयल-टाइम, फेल-सेफ आईटी सिस्टम भुगतान, बिलिंग व कनेक्शन के बीच निर्बाध समन्वय बनेगा।

प्रसंगवश

वीआईपी दर्शन का बढ़ता चलन और आम श्रद्धालु

भारत जैसे देश में, जहां धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहां मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। 'भगवान के दरबार में सब बराबर हैं'- यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है, लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं।

देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति, कम समय में दर्शन और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं, जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों, कभी-कभी पूरे दिन, कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की, बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव केवल असुविधाजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी होता है, विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आस्था भी अब एक 'प्रीमियम सेवा' बनती जा रही है? क्या भगवान के दर्शन के लिए भी आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव होना चाहिए? यह स्थिति केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असमानता का प्रतिबिंब भी है। राशन की दुकानों से लेकर गैस सिलेंडर की लाइन तक और अब मंदिरों तक—मिडल क्लास और आम आदमी के हिस्से में अक्सर अव्यवस्था और संघर्ष ही आता है।

मंदिरों में कार्यरत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई मामलों में आम श्रद्धालुओं के साथ कठोर और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है, जबकि वीआईपी लोगों के साथ अत्यधिक विनम्रता दिखाई जाती है। यह दोहरा व्यवहार समाज में पहले से मौजूद वर्ग विभाजन को और गहरा करता है।

धार्मिक स्थलों की मूल भावना पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होते, बल्कि वे मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन के केंद्र होते हैं। जब वहां पहुंचने वाला व्यक्ति अव्यवस्था, भीड़ और भेदभाव का सामना करता है, तो उसकी आध्यात्मिक अनुभूति प्रभावित होती है। यह अनुभव उसे निराश और हताश कर सकता है।

जरूरी है कि समाज स्वयं इस मुद्दे पर जागरूक हो। जब तक लोग इस असमानता को सामान्य मानते रहेंगे, तब तक इसमें बदलाव आना कठिन है। आस्था का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समानता, करुणा और न्याय जैसे मूल्यों को अपनाना भी है। यह जरूरी है कि हम इस मुद्दे को गंभीरता से लें और मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाएं, जहां हर श्रद्धालु को यह महसूस हो कि वह वास्तव में भगवान के दरबार में है, जहां सब बराबर हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

श्रम को सम्मान और अधिकार देने का प्रश्न

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

किसी देश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में मजदूरों की भूमिका शरीर में प्रवाहित लहू मानिंद होती है। मजदूर ही हैं, जिसके श्रम की बदौलत राष्ट्र के विकास की ऊंची इमारत खड़ी होती है। सूक्ष्म संरचनाओं से लेकर बड़ी योजनाओं को अमलीजामा पहनाने में यह वर्ग विकास की धूरी होता है। यह सच है कि विकास के लिए संसाधन मायने रखते हैं, किंतु बिना श्रम संसाधन वैसे ही हैं, जैसे 'बिना इंजन की मर्सिडीज' गाड़ी। आशय यह कि मजदूर ही वह असल शिल्पकार होता है, जिसके कठोर श्रम से विकास की बगिया लहलहाती है, लेकिन कई दशकों के बाद भी मजदूरों की स्थिति में आमूलचूल सुधार क्यों नहीं हो पा रहा है।

गांव-जवार, खेत-खलिहान, रिश्ते-नाते, भाई-बंधु छोड़कर देश-प्रदेश के शहरों-कस्बों के उद्योगों तथा प्रतिष्ठानों को गति प्रदान करने वाले मजदूरों के लिए फलदायी योजना क्यों नहीं मूर्तरूप ले पा रही? वह चाहे सरकारें हों या उद्योगों के मालिक। चाहे स्वयंसेवी संगठन हों या मजदूर दिवस पर घड़ियाली आंसू बहाने वाले अलमबरदार। आखिर मजदूरों के हितों की रक्षा क्यों नहीं कर पा रहे हैं? देश में असंगठित क्षेत्रों के मजदूरों की स्थिति तो वैसी ही कि 'जबरा मारे भी और रोवे भी न दे'।

> चाहे स्वयंसेवी संगठन हों या मजदूर दिवस पर घड़ियाली आंसू बहाने वाले अलमबरदार। आखिर मजदूरों के हितों की रक्षा क्यों नहीं कर पा रहे हैं? देश में असंगठित क्षेत्रों के मजदूरों की स्थिति तो वैसी ही कि 'जबरा मारे भी और रोवे भी न दे'।

मजदूरों के हितों की रक्षा और उनकी बेहतरी को वैसे तो केंद्र से लेकर राज्य सरकारों ने कथित 'भगीरथ प्रयास' कर रखे हैं। केंद्रीय श्रम मंत्रालय के अलावा राज्य सरकारों के संबंधित विभागों में अधिकारियों-कर्मचारियों की भारी भरकम फौज मजदूरों की सेवा का दंभ भर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि मजदूरों लिए विभागीय कृत्य-प्रयास आज भी या तो फाइलों में हैं या जमीनी हकीकत से कोसों दूर।

देश में अधिकांश मजदूर कृषि निर्माण और घरेलू कार्यों में लगे रहते हैं। इन असंगठित क्षेत्रों में मजदूरों के साथ न तो कोई लिखित अनुबंध होता है, न ही छुट्टी या स्वास्थ्य बीमा की सुविधा ही दी जाती है। मूल कारण यह कि बाजार में श्रम की आपूर्ति मांग से बहुत अधिक है, इसलिए उद्योगों तथा विनिर्माण क्षेत्र में कम वेतन पर भी मजदूर मिल जाते हैं। एक ही काम के लिए जब 'दस हाथ' मिल जाते हैं, तो नियोक्ता की 'पौ बारह' हो जाती है। नतीजतन वह मजदूरों को औने-पौने वेतन या मजदूरी पर कार्य कराता है, उनका शोषण करता है।

भारत में वर्ष 1991 में व्यापक आर्थिक सुधार किए गए। श्रम कानूनों को लचीला बनाया गया। निर्मित नीतियों से नियोक्ताओं को कानूनी पाबंदियों से कुछ छूट मिल गई। परिणामस्वरूप मजदूरों का शोषण बढ़ता ही गया। अधिकांश मजदूरों में तकनीकी कौशल या औपचारिक शिक्षा न के बराबर होती है। उनके उपेक्षित होने का यह भी अहम कारण है। तात्पर्य यह कि समाज को समर्पित मजदूरों को 'समाज' ने ही तिरस्कृत कर रखा है।

मिल मालिकों द्वारा मजदूरों के शोषण आधारित बालीवुड फिल्में पहले खूब बना करती थीं। मजदूरों के संघर्षों तथा गानों को निर्देशक इतनी संवेदनशीलता के साथ दिखाते थे कि हाल में बैठा दर्शक अपने को मजदूर या मजदूरों का हितैषी ही मान बैठता था। यही हाल आज भी है। भारत में मजदूरों की दशा पर महान उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद की कलम खूब चली। उन्होंने मजदूरों के शोषण पर आधारित फिल्म 'मिल मज़दूर' (1934) की पटकथा लिखी, एक छोटी सी भूमिका भी निभाई थी। बताते हैं कि फिल्म का एक डायलाग मजदूरों के हित में इतना असरदार था कि तत्कालीन टेक्सटाइल हब बंबई (अब मुंबई) में श्रमिकों ने मिल मालिकों के खिलाफ जमकर आंदोलन किया था।

एक दौर ऐसा भी था, जब निजी क्षेत्र के मिल मालिकों तथा सरकारी उद्योगों के प्रबंधनों के खिलाफ मजदूर संगठन आक्रोश व्यक्त करते रहते थे। मजदूर संगठनों में शामिल श्रमिकों के साथ जब-जब शोषण की बात सामने आई, तो आंदोलन हुआ। 'जनता जिंदाबाद, इंकलाब जिंदाबाद, हर जोर-जुल्म की टक्कर में, संघर्ष हमारा नारा है, चाहे जो मजबूरी हो, हमारी मांगे पूरी हों, अभी तो अंगड़ाई है आगे और लड़ाई है, जो हम से टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा, जैसे जोशीले नारे उद्योगों तथा सरकारी तंत्र के गलियारों में आज भी गूंजते हैं।

असंगठित क्षेत्र का, जीडीपी व रोजगार में योगदान के मामले में भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रमुख स्थान है। देश के कुल श्रमिकों में से शहरी क्षेत्रों में लगभग 72 प्रतिशत मजदूर असंगठित क्षेत्र में लगे हुए हैं। शहरी विकास में तो इनका योगदान अत्यधिक है। आर्थिक सर्वेक्षण-2025 के अनुसार भारत में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप में लगभग 50 करोड़ श्रमिक हैं, जो देश के कुल कार्यबल का करीब 90 प्रतिशत है।

फैक्ट्रियां, औद्योगिक इकाइयां, होटल, रेस्तरां और कई अन्य प्रतिष्ठान असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की बदौलत ही चलते हैं। इसमें ऊबर और ओला ड्राइवर, राजमिस्त्री, बढ़ई, फूड डिलीवरी बॉय, पेंटर, प्लंबर आदि भी शामिल हैं। कुछ दिन पहले यूपी सरकार ने न्यूनतम मजदूरी की दर तय करते हुए मजदूरों को राहत दी है, लेकिन मजदूरों के लिए अभी भी काफी कुछ किया जाना शेष है। औद्योगिक स्थलों पर उनकी सुविधाओं की दरकार तो है ही, सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा के भी वे हकदार हैं।

हालिया दिनों में केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने श्रमिकों के लिए ठोस व तार्किक कार्य किए हैं। श्रम सुधारों को नव स्वरूप दिया है, लेकिन निर्मित गाइडलाइंस तभी प्रासंगिक है, जब उसका लाभ मजदूरों तक सही रूप में प्राप्त हो। चूंकि, असंगठित क्षेत्रों में मजदूरों की अधिकता है, अतएव उनके हितों के लिए निर्मित नियमों का अपेक्षित क्रियान्वयन जरूरी है। उपेक्षा का शिकार बने मजदूरों के लिए आमजन को भी अपनी सोच बदलनी होगी। देश की समृद्धि के लिए अपना खून-पसीना बहाने वाले मजदूरों को उनका अधिकार व मान देने में हमें कोई हर्ज तो नहीं होना चाहिए।

आमने

17 अप्रैल का दिन ऐतिहासिक बन सकता था, लेकिन विपक्ष ने इसे 'काला पन्ना' बना दिया। कांग्रेस ने लंबे समय तक शासन करने के बावजूद महिलाओं को उनका उचित अधिकार नहीं दिया। अब समय बदल रहा है और महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो चुकी हैं।

–भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सामने

वर्ष 2023 में संसद द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को अब तक लागू नहीं किया जाना सरकार की नीयत पर सवाल खड़े करता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश की जनता को जवाब देने से बच रहे हैं और दिल्ली से तय एजेंडे के अनुसार काम कर रहे हैं।

–टीकाराम जूली
नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान

वैश्विक उथल-पुथल से निवेशकों में उलझन

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

साल 2026 निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण और अनिश्चितता भरा समय लेकर आया है। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। इसके साथ ही तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, सोना-चांदी जैसी कमोडिटी में तेजी और गिरावट ने निवेश को और मुश्किल बना दिया है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बाहरी देशों पर निर्भर हैं, इन परिस्थितियों से सीधे प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में हर निवेशक के मन में एक सवाल है- 2026 में पैसा कहां लगाएं?

मध्य-पूर्व में चल रहे तनाव के कारण तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। तेल महंगा होता है, तो परिवहन और उत्पादन की लागत भी बढ़ जाती है। इससे महंगाई बढ़ जाती है। महंगाई बढ़ने से निवेश से मिलने वाला असली फायदा (रियल रिटर्न) कम हो जाता है। दूसरी तरफ, सोना और चांदी जैसे सुरक्षित माने जाने वाले निवेश भी इस समय पूरी तरह स्थिर नहीं हैं।

कभी इनकी कीमतें तेजी से बढ़ती हैं, तो कभी अचानक गिर जाती हैं। इससे यह साफ हो जाता है कि केवल एक ही जगह निवेश करना आज के समय में सही नहीं है। ऐसी स्थिति में निवेश का सबसे अच्छा तरीका है- विविधता (Diversification), सुरक्षा (Protection) और विकास (Growth)। इसका मतलब है कि आपको अपना पैसा अलग-अलग जगहों पर लगाना चाहिए, ताकि एक जगह नुकसान हो तो दूसरी जगह से फायदा मिल सके। एक संतुलित पोर्टफोलियो ही इस समय सबसे सुरक्षित और समझदारी भरा विकल्प है।

> साल 2026 निवेशकों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण और अनिश्चितता भरा समय लेकर आया है। ऐसे में हर निवेशक के मन में एक ही सवाल है– 2026 में पैसा कहां लगाएं?

इक्विटी यानी शेयर बाजार अभी भी लंबी अवधि में पैसा बढ़ाने का सबसे अच्छा माध्यम है, लेकिन 2026 में सही सेक्टर चुनना बहुत जरूरी है। रक्षा (Defence), नवीकरणीय ऊर्जा (Renewable Energy), बैंकिंग और टेक्नोलॉजी जैसे सेक्टर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। युद्ध की स्थिति में रक्षा कंपनियों की मांग बढ़ती है, जबकि तेल महंगा होने पर नवीकरणीय ऊर्जा का महत्व बढ़ता है। टेक्नोलॉजी और AI से जुड़ी कंपनियां भविष्य में तेजी से बढ़ सकती हैं।

निवेशकों को अच्छी और मजबूत कंपनियों में धीरे-धीरे SIP के माध्यम से निवेश करना चाहिए, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम हो सके। सोना और चांदी आज भी निवेश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये पूरी तरह स्थिर नहीं हैं, लेकिन मुश्किल समय में आपके पोर्टफोलियो को सुरक्षा देते हैं। निवेशकों को फिजिकल गोल्ड खरीदने की बजाय Gold ETF या Sovereign Gold Bond जैसे विकल्प चुनने चाहिए।

फिक्स्ड इनकम निवेश जैसे बैंक FD, सरकारी बॉन्ड और डेट म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो को स्थिरता देते हैं। जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव ज्यादा होता है, तब ये निवेश नियमित आय और सुरक्षा प्रदान करते हैं। खासकर उन लोगों के लिए यह जरूरी है, जो कम जोखिम लेना चाहते हैं। इसके अलावा, थोड़ा पैसा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में निवेश करना भी अच्छा होता है। इससे आपका जोखिम कम होता है और आपको दूसरे देशों की ग्रोथ का फायदा मिलता है। आप इंटरनेशनल म्यूचुअल फंड या ETF के जरिए यह निवेश कर सकते हैं। कुछ निवेश जैसे REITs और InvITs भी पोर्टफोलियो में शामिल किए जा सकते हैं। ये आपको अलग तरह का रिटर्न देते हैं और निवेश को और संतुलित बनाते हैं, हालांकि इनमें बहुत ज्यादा निवेश नहीं करना चाहिए।

आज के समय में एक और महत्वपूर्ण पहलू है- लिक्विडिटी यानी जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा उपलब्ध होना, इसलिए निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का एक हिस्सा लिक्विड फंड या सेविंग इंस्ट्रूमेंट्स में रखना चाहिए, ताकि किसी आपात स्थिति में उन्हें परेशानी न हो। इसके साथ ही, बीमा (Insurance) को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हेल्थ इंश्योरेंस और टर्म इंश्योरेंस आपकी वित्तीय सुरक्षा का आधार होते हैं और अनिश्चित समय में बहुत मददगार साबित होते हैं।

इसके अतिरिक्त, निवेशकों को कर योजना (Tax Planning) पर भी ध्यान देना चाहिए। सही निवेश विकल्प जैसे ELSS, PPF या टैक्स सेविंग बॉन्ड न केवल आपको टैक्स बचाने में मदद करते हैं, बल्कि दीर्घकाल में अच्छा रिटर्न भी प्रदान करते हैं। बदलते आर्थिक माहौल में वित्तीय जागरूकता और सही जानकारी होना उतना ही जरूरी है, जितना निवेश करना। निवेश करते समय सबसे जरूरी चीज है धैर्य और अनुशासन। बाजार ऊपर-नीचे होता रहेगा, लेकिन आपको घबराकर गलत फैसले नहीं लेने चाहिए।

लंबे समय तक निवेश बनाए रखना और समय-समय पर अपने पोर्टफोलियो को संतुलित करना सफलता की कुंजी है। (यह लेख जानकारी के लिए है। निवेश करने से पहले अपने वित्तीय सलाहकार से सलाह जरूर लें।)

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

परवरिश का असर

महाभारत पर लिखा गया भैरप्पा का बेहद प्रसिद्ध उपन्यास है 'पर्व'। इसमें सारे चमत्कारों को हटाकर महाभारत की कहानी को वास्तविकता के निकट लाकर लिखा गया है।

इसमें कंस के जन्म की कहानी है। कंस राजा उग्रसेन का बेटा था, तो फिर वो राक्षस कैसे हो गया? यहां लेखक ने बच्चे के मनोविज्ञान को ध्यान में रखते हुए कल्पना की है।

अनुरोध शर्मा
लेखक

उग्रसेन की पत्नी जंगल के सरोवर के निकट शिकार पर जाती थी और वहां उसकी मुलाक़ात द्रोमिल नाम के राक्षस से हो गई। दोनों में संबंध बने। अब तक उग्रसेन की पत्नी जो गर्भवती नहीं हो पाती थी, उस राक्षस के बच्चे की मां बन गई। ये बच्चा हुआ 'कंस' जिसे उग्रसेन ने सब कुछ जानते हुए भी बदनामी के डर से पाला। बाद में उग्रसेन की पत्नी अपने पति उग्रसेन से कई और बच्चों की भी मां बनी, लेकिन राक्षस का बेटा होने की वजह से कंस और बच्चों से कहीं अधिक शक्तिशाली था।

पर क्या सिर्फ़ राक्षस की संतान होने से ही कंस राक्षस हो गया? लेखक का जवाब है, नहीं।

कहानी आगे कहती है कि क्यूंकि उग्रसेन ये जानता था कि कंस उसकी संतान नहीं है, तो उसने कंस को कभी पिता का प्यार दिया ही नहीं। दूसरे बच्चों की तरह कंस भी पिता की गोद में बैठना चाहता था, लेकिन उग्रसेन उसे बैठने न देता। बाकी भाई-बहनों को जो स्नेह मिलता, वो कंस के हिस्से कभी न आया।

कंस के मन में जो पिता के प्रति नफ़रत भरी उसकी वजह पिता ही थे। उनका कंस के प्रति आचरण था। पिता द्वारा दी गई परवरिश थी।

आखिरकार बड़े होकर कंस ने अपने पिता को जेल में डाल दिया और खुद राजा बन बैठा। कंस को राक्षस कहा गया, लेकिन किसी ने इस बात की पड़ताल करने की कोशिश नहीं की कि कंस के राक्षस होने की वजह क्या रही।

परवरिश, माहौल, संगत और विचार बच्चे के कोमल मन पर बहुत असर डालते हैं। आज के माहौल में बच्चे जिस तरह बड़े हो रहे हैं, जिस तरह हम उन्हें बड़ा कर रहे हैं, उसके बाद अगर वो रोबोट बन रहे हैं, तो किसकी गलती है?

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

महिला विधेयक जनगणना बाद ही अब होगा लागू

2029 के लोकसभा चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा नहीं मिल पाएगी, क्योंकि सरकार ये संशोधन इसलिए ला रही थी, ताकि आरक्षण जल्द से जल्द लागू हो सके। फिलहाल नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 लागू है। इसमें प्रावधान है कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण अगली जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन के आधार पर लागू होगा। ऐसे में माना जा रहा है कि जनगणना के अंतिम परिणाम 2027 में आएंगे। तब कहीं जाकर पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया संभव होगी। इस परिसीमन को लेकर ही संशोधन विधेयक अटक गए हैं, हालांकि सत्ता पक्ष ने भरोसा दिलाया था कि सीटें बढ़ेंगी, तभी महिलाओं के लिए आरक्षण का सही लाभ मिलेगा और सभी राज्यों में एक समान रूप से 50 प्रतिशत सीटों की बढ़ोत्तरी होगी। अमित शाह ने इस दलील को विधेयक में दर्ज करने की मंशा भी प्रकट कर दी थी।

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

विपक्ष की यह आशंका बनी रही कि परिसीमन के बहाने सीटों की संरचना कुछ इस तरह से निर्धारित होगी कि भाजपा समर्थित वोट बड़ी संख्या में क्षेत्र में समा जाएं। विपक्ष को सरकार द्वारा जताया गया कोई भी फार्मूला रास नहीं आया, दरअसल जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है, तो दक्षिण और पूर्वोत्तर के राज्यों के दल प्रमुखों ने यह अंदाजा लगा लिया कि इन प्रांतों में जनसंख्या कम होने के कारण राजनीतिक रूप से वे नुकसान में रहेंगे। अतएव तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तो परिसीमन को लेकर दक्षिण में मोर्चाबंदी भी शुरू कर दी थी।

राज्य में काले झंडे लेकर प्रदर्शन करने का एलान तक कर दिया था। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने इस पहल को संघीय ढांचे को कमजोर करने और दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक आवाज को दबाने वाला कदम बता दिया था और तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा था कि इतना बड़ा संवैधानिक बदलाव सभी दलों की सहमति के बिना संभव नहीं है। इन साझा आवाजों की बुलंदी ने इन विधेयकों को पारित नहीं होने दिया।

इन विधेयकों को अटकाने के लिए विपक्ष ने कोटे में कोटा देने का उपाय की भी मांग कर डाली। मायावती ने इस विधेयक का स्वागत करते हुए कहा कि 33 प्रतिशत कोटे में एससी-एसटी और ओबेसी की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था हो।

हमारे देश में विकास को आंकड़ों और व्यक्तिगत उपलब्धि को संख्या बल की दृष्टि से देखने-परखने की आदत बन गई है। इस नाते हम मानकर चल रहे हैं कि 543 सदस्यीय लोकसभा में 181 महिलाओं की आमद दर्ज होने और 28 राज्यों की कुल 4123 विधानसभा सीटों में से महिलाओं के खाते में 1374 सीटें चली जाने से देश की समूची आधी आबादी की शक्ल बदल जाएगी अथवा स्त्रीजन्य विषमताएं व भेदभाव समाप्त हो जाएंगे।

लोकसभा में 74 महिलाएं सांसद हैं। यह भागीदारी लगभग 14 प्रतिशत बैठती है। वहीं राज्यसभा में 42 महिला सांसद हैं, जो मात्र 17% है। एक तिहाई आरक्षण लागू होने के बाद लोकसभा में महिलाओं की संख्या बढ़कर 181 और राज्यसभा में 73 हो जाएगी। 1952 में गठित पहली लोकसभा में सिर्फ 4.4 प्रतिशत यानी 489 में से महज 22 महिलाएं सांसद थीं। विधानसभाओं में महिला विधायकों की उपस्थिति केवल नौ फीसदी है। अब 2027 में 2011 की जनगणना के आंकड़े आने के बाद नए परिसीमन में लोकसभा और विधानसभाओं की सीटें अप्रत्याशित रूप में बढ़ सकती हैं। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

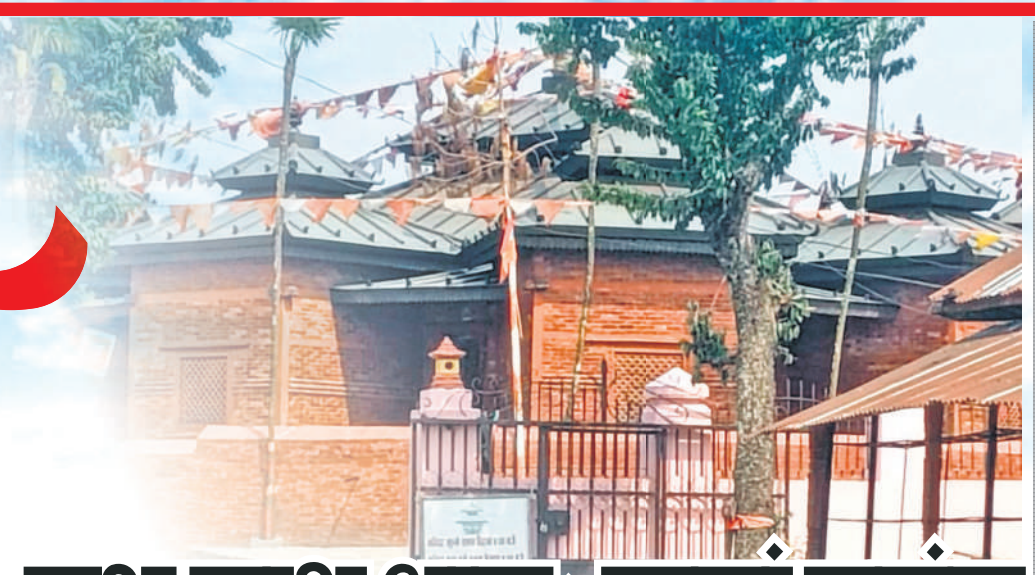

प्रभु नाथ धाम: जहां पहुंच कर श्रद्धालु होते हैं धन्य

नेपाल अपनी उत्पत्ति काल से ही देवर्षि, महर्षियों तथा अनेक देव स्थलों का देश रहा है। यहां आज भी अनेक पौराणिक स्थल, सिद्ध संत तथा महात्माओं की जन्मभूमि और कर्मभूमि अभी मौजूद हैं, जहां नेपाल ही नहीं भारत के भी हजारों श्रद्धालु आते रहते हैं। यहां की पवित्र भूमि पर भारत से भी कई साधक संत आए और यहीं के होकर रह गए। ऐसा ही एक पवित्र स्थल स्वर्ग द्वारी है, जिसे प्रभु नाथ धाम के नाम से भी जाना जाता है। प्रभु नाथ धाम नेपाल के सुदूर पश्चिम प्यूठान जिले में ऊंचे पहाड़ पर स्थित है।

यशोदा श्रीवास्तव
लेखक

स्फूर्ति के संचार की अनुभूति

यूं तो यहां सावन मास में श्रद्धालुओं का रेला लगता है, लेकिन हाल के वर्षों से हर महीने यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु आने लगे हैं। यहां आने के लिए मुख्यतः दो रास्ते हैं। यूपी के बहराइच जिले से होकर नेपाल के बांके से होकर आ सकते हैं। इस रास्ते करीब 150 किमी दूरी तय कर भिंगरी होते हुए प्रभु नाथ धाम तक पहुंचा जा सकता हैं। दूसरा रास्ता सिद्धार्थनगर जिले के बढ़नी नेपाल सीमा पार कर कृष्णा नगर से आना होता है, जहां से बसें, छोटी बसें यहां तक आती हैं। लोग अपने निजी साधनों से भी आते हैं। बसों का किराया प्रति व्यक्ति 500 से 700 रूपए तक है। नेपाल के भालू बांग से पहाड़ के दुर्गम रास्तों से होकर भिंगरी पहुंचना होता है। भिंगरी से प्रभु नाथ धाम तक के करीब 30 किमी तक पहाड़ी मार्ग बहुत ही घुमावदार है, जिसे पूरा कर पाना बेहद कठिन है। इन कठिन मार्ग को पूरा कर श्रद्धालु प्रभु नाथ धाम के निकट वहां तक पहुंचते हैं, जहां से 700 सीढ़ी चढ़ कर इस पवित्र और पूज्यनीय स्थल तक पहुंचना होता है। जाहिर है इतनी विकट और पहाड़ की लंबी यात्रा से थकान और सुस्ती से चूर हो जाना लाजिमी है, लेकिन चमत्कार यह है कि यहां पहुंचते ही गजब की स्फूर्ति के संचार की अनुभूति होती है। प्रभुनाथ आश्रम का वृतांत अनंत है। यहां ऋषि-मुनियों की तपस्या के भी ढेरों उदाहरण हैं। इस पुण्य भूमि का खास महत्व एक चमत्कारिक संत 1008 महा प्रभु हंसानंद महराज से जाना जाता है। यह तपस्वी संत 75 वर्ष पूर्व यहीं ब्रम्हलीन हुए थे। यहीं पर उनकी समाधि है। इस स्थल की बढ़ती महत्ता को देखते हुए स्थानीय नगरपालिका प्रशासन और नेपाल सरकार ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेहतर इंतजाम कर रखें हैं। सरकारी अस्पताल, धर्म शाला, गौशाला सब कुछ यहां उपलब्ध है।

लोकमान्यता

प्रभु हंसानंद के महात्म्य की अनेक कहानियां है। यहां मौजूद पुजारी और आसपास के लोग इसे कहानी नहीं उनका प्रताप मानते हैं। नेपाल ही नहीं भारत के प्रयागराज, हरिद्वार,काशी आदि जगहों तक उनके भक्त विराजमान हैं। प्रभु हंसानंद के विपत्ति में अपने भक्तों की मदद करने के ढेर सारी किंवदंतियां यहां हर जुबान पर हैं। बताते हैं कि सदियों पूर्व किसी ऋषि ने भविष्यवाणी की थी कि सल्यान जिले के रुमटी गांव में गौतमवंश में भगवान का अवतार होगा। उसका कर्म क्षेत्र प्युठान जिले का दुर्गम पहाड़ी होगा। आगे चलकर लोग इसे स्वर्गद्वारी के नाम से जानेंगे और यह एक सिद्धपीठ तीर्थ स्थल होगा। प्रभु हंसानंद महराज का जन्म रुमटी गांव में ही हुआ था। वे यहां आए, वर्षों तक तपस्या की और यहीं ब्रम्हलीन हुए। प्रभु हंसानंद महाराज को लोग अवतारी पुरुष मानते हैं। आगे चलकर उनके द्वारा किए गए शुभ-अशुभ भविष्यवाणियों से भी यह सिद्ध होता है। कुछ वर्ष पूर्व नेपाल में आए विनाशकारी भूकंप की भविष्यवाणी उन्होंने दशकों पूर्व की थी। यहां के

पुजारी बताते हैं कि स्वर्गद्वारी के महाप्रभु हंसानंद महाराज जी यज्ञों के साथ गोपालात्मा बनकर भगवान कृष्ण के समान हजारों गायों को पालने और उन्हें चराने का काम स्वयं करते थे। यहां आश्रम पर आज भी सैकड़ों गायों का पालन होता है। बताते हैं कि यहां आकर सच्चे मन और पवित्र भाव से मांगी गई हर मन्नत पूरी होती है। यहां आसपास के लोग बताते हैं कि भाव और श्रद्धा से जो भी स्मरण किया सबके कष्ट अवश्य ही दूर होते हैं।

पौराणिक कथा

हृदय रूपी मंदिर का रहस्य

एक बार भगवान दुविधा में पड़ गए। कोई भी मनुष्य जब मुसीबत में पड़ता है, तब मेरे पास भागा-भागा आता है। मुझे सिर्फ अपनी परेशानियां बताने लगता है। मेरे पास आकर कभी भी अपने सुख या अपनी संतुष्टि की बात नहीं करता। मेरे से कुछ न कुछ मांगने लगता है।

भगवान ने इस समस्या के निराकरण के लिए देवताओं की बैठक बुलाई और बोले- "हे देवों, मैं मनुष्य की रचना करके कष्ट में पड़ गया हूं। कोई न कोई मनुष्य हर समय शिकायत ही करता रहता है, जबकि मैं उन्हें उसके कर्मानुसार सब कुछ दे रहा हूं। फिर भी थोड़े से कष्ट में ही मेरे पास आ जाता है, जिससे न तो मैं कहीं शांतिपूर्वक रह सकता हूं, न ही शाश्वत स्वरूप में रहकर साधना कर सकता हूं। आप लोग मुझे कृपया ऐसा स्थान बताएं, जहां मनुष्य नाम का प्राणी कदापि न पहुंच सके।"

प्रभु के विचारों का आदर करते हुए देवताओं ने अपने-अपने विचार प्रकट करने शुरू किए। गणेश जी बोले- "आप हिमालय पर्वत की चोटी पर चले जाएं।" भगवान ने कहा- "यह स्थान तो मनुष्य की पहुंच में हैं।" उसे वहां पहुंचने में अधिक समय नहीं लगेगा। इंद्रदेव ने सलाह दी- "आप किसी महासागर में चले जाएं।" वरुण देव बोले- "आप अंतरिक्ष में चले जाइए।"

भगवान ने कहा- "एक दिन मनुष्य वहां भी अवश्य पहुंच जाएगा।" भगवान निराश होने लगे थे। वह मन ही मन सोचने लगे- "क्या मेरे लिए कोई भी ऐसा गुप्त स्थान नहीं हैं, जहां मैं शांतिपूर्वक रह सकूं"। अंत में सूर्य देव बोले- "प्रभु! आप ऐसा करें कि मनुष्य के हृदय में बैठ जाएं। मनुष्य अनेक स्थान पर आपको ढूंढने में सदा उलझा रहेगा, क्योंकि मनुष्य बाहर की प्रकृति की तरफ को देखता है। दूसरों की तरफ को देखता है खुद के हृदय के अंदर कभी झांककर नहीं देखता। इसलिए वह यहां आपको कदापि तलाश नहीं करेगा। करोड़ों में कोई एक जो आपको अपने हृदय में तलाश करेगा। वह आपसे शिकायत करने लायक नहीं रहेगा, क्योंकि उसकी बाहरी इच्छा शक्ति खत्म हो चुकी होगी।"

ईश्वर को सूर्य देव की बात पसंद आ गई। उन्होंने ऐसा ही किया और भगवान हमेशा के लिए मनुष्य के हृदय में जाकर बैठ गए। उस दिन से मनुष्य अपना दुख व्यक्त करने के लिए ईश्वर को मंदिर, पर्वत-पहाड़, कंदरा-गुफा ऊपर, नीचे, आकाश, पाताल में ढूंढ रहा है, पर वह मिल नहीं रहें हैं। परंतु मनुष्य कभी भी अपने भीतर ईश्वर को ढूंढने की कोशिश नहीं करता है। इसलिए मनुष्य 'हृदय रूपी मंदिर' में बैठे हुए ईश्वर को नहीं देख पाता और ईश्वर को पाने के चक्कर में दर-दर घूमता है, पर अपने हृदय के दरवाजे को खोलकर नहीं देख पाता। हृदय रूपी मंदिर में बैठे हुए ईश्वर को देखने के लिए मन रूपी द्वार का बंद होना अति आवश्यक है, क्योंकि मन रूपी द्वार संसार की तरफ खुला हुआ है और हृदय रूपी मंदिर की ओर बंद है।

-सतीश कुमार गर्ग

सेहतमंद समाज और धार्मिक संस्थाओं की भूमिका

पृथ्वी का लगभग संपूर्ण मानव समाज किसी-न-किसी धर्म से जुड़ा हुआ है। मनुष्य का स्वास्थ्य, आचरण एवं व्यवहार तथा स्वास्थ्य से जुड़ी सामाजिक मान्यताएं कहीं-न-कहीं धार्मिक आस्था पर आधारित हैं। मंदिर, मठ, गुरुद्वारा, मस्जिद, गिरजाघर, आदि जैसे धार्मिक स्थल न केवल व्यक्ति की पूजा के पवित्र स्थान होते हैं, बल्कि वे समुदाय के लोगों की दैनिक दिनचर्या से जुड़े उनके सामाजिक, सार्वजनिक पहलुओं का आधार भी होते हैं। विश्वभर में प्रचलित अनेक धार्मिक संस्थाओं के बीच कुछ-न-कुछ समानता अवश्य देखी जाती है। लोगों का अपने धार्मिक स्थलों के साथ पारंपरिक अथवा औपचारिक तौर पर गहरा जुड़ाव देखा जाता है। लोगों का व्यक्तिगत अथवा समुदाय का सामूहिक स्वास्थ्य और बीमारी से जुड़े आचरण उनकी धार्मिक संस्थाओं की शक्ति से प्रभावित होने के संकेत मिलते हैं।

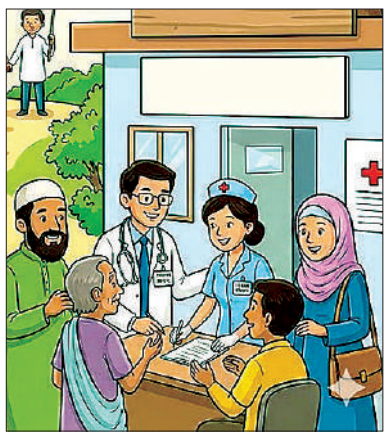

विगत वर्षों में सामान्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने तथा रोगों से बचने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों और आस्था से जुड़े अनेक समूहों एवं अन्य धार्मिक संस्थाओं के बीच एक सहयोग देखा जाता था। परंतु सरकारों द्वारा, खासकर कोविड-19 जैसे स्वास्थ्य संकट के दौरान मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, गिरजाघर जैसे पवित्र पूजा स्थलों के माध्यम से न केवल रोगियों, बल्कि समुदाय के सभी पीड़ित व्यक्तियों की आपातकालीन आवश्यकताओं की पूर्ति करने, आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराने, मौत की कगार पर खड़े रोगियों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था, ऑक्सीजन सिलेंडरों को उपलब्ध कराने जैसी अनेक गतिविधियों में सहायता प्रदान की गई।

इनके अलावा, स्थानीय रूप से व्याप्त रोगों पर नियंत्रण रखने के लिए धर्म एवं आध्यात्मिक गुरुओं द्वारा स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति शुरुआती जागरूकता उत्पन्न करने, रोग की समस्या से जुड़ी अवधारणाएं को दूर करने अथवा उन्हें मिटाने तथा रोग एवं रोगी की पहचान करने में समुदाय के लोगों की भागीदारी को बढ़ाने में बढ़-चढ़ कर सहायता प्रदान की जाती है। कोविड-19 महामारी के दौरान अनेक धार्मिक संस्थाओं द्वारा बेघर, बेरोजगार, पीड़ित-लाचार व्यक्तियों के लिए निःशुल्क भोजन, आवास एवं विकास पोषण की व्यवस्था की गई थी, जो उनकी सेवा समर्पित भावना के अद्वितीय उदाहरण हैं। टीबी और कई प्रकार के अन्य संचारी रोगों की स्थिति में भी धार्मिक संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समुदाय में व्याप्त कुछ प्रकोपों को रोकने एवं उन पर काबू पाने में सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संचालन में धार्मिक संस्थाओं की भूमिका पर कुछ अध्ययन किए गए हैं, परंतु सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने के लिए संचालित कार्यक्रमों में पूजा स्थलों की भूमिका की जांच पर प्रामाणिक जानकारी का अभाव रहा है। इन पहलुओं पर जानकारी समुदाय आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ समावेशी स्वास्थ्य सम्मत प्रणालियां विकसित करने में सहायक होगी। इसमें मौजूदा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों द्वारा प्रदान की जाने वाली समावेशी स्वास्थ्य सेवाएं सम्मिलित हैं। समावेशी स्वास्थ्य एक ऐसा दृष्टिकोण है, जो गंभीर अभाव और गहरे सामाजिक बहिष्कार के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाली अत्यधिक स्वास्थ्य असमानताओं को रोकने और उनका समाधान करने के लिए बनाया गया है। यह मूल रूप से अंतः विषयक होता है, जिसमें व्यापक पेशेवर और व्यक्तिगत अनुभव वाले विशेषज्ञों के योगदान की आवश्यकता होती है। विश्व के अधिकांश लोग किसी-न-किसी धर्म के अनुयायी होते हैं। प्रायः लोग नियमित रूप से अथवा विशेष अवसरों पर धार्मिक स्थलों पर एकत्रित होते हैं। ये धार्मिक स्थल सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े प्रयासों के माध्यम से समुदाय के लोगों में रोगों पर नियंत्रण रखने के प्रति न केवल जागरूकता पैदा कर सकते हैं, बल्कि विकट स्थितियों में यथासंभव रोगियों और उनके परिजनों को सहायता भी उपलब्ध कराने में सक्षम होते हैं। रोगियों की नकारात्मक मनोदशा को दूर करने, उन्हें भावनात्मक और मानवीय सहायता प्रदान करने, समुदाय के साथ अनुकूल संबंधों को बढ़ावा देने के माध्यम से उनमें आत्मविश्वास पैदा करने में भी सहायता प्रदान करते हैं। व्यक्तियों में हेल्दी बिहेवियर यानी स्वास्थ्य संवर्धक आदतें विकसित करने, रोगों की व्यापकता फैलने से रोकने के लिए व्यक्तियों को बेहतर जानकारी उपलब्ध कराने, समुदाय के लोगों तथा स्वास्थ्य सुरक्षा प्रणालियों के बीच विश्वासपूर्ण संबंध विकसित करने के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच से दूर सुदूर स्थित समुदायों को भी सहायता प्रदान करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के अधिकारियों को जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सहायता प्रदान करने हेतु प्रेरित करने में भी इन धार्मिक स्थलों की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कुल मिलाकर ये सारी गतिविधियां समुदाय के लोगों को रोग से संबंधित गंभीर परिस्थितियों से निपटने के प्रति आत्मविश्वास पैदा करने तथा उनकी क्षमता को बढ़ाने में धार्मिक स्थलों का एक महत्वपूर्ण योगदान होता है।

डॉ. कृष्णा नंद पांडेय
लेखक

बोध कथा

समय और भाग्य

एक सेठ थे, जिनके पास काफी दौलत थी। सेठ जी ने अपनी बेटी की शादी एक बड़े घर में की थी। परंतु बेटी के भाग्य में सुख न होने के कारण, उसका पति जुआरी, शराबी निकल गया, जिससे सब धन समाप्त हो गया। बेटी की यह हालत देखकर सेठानी जी रोज सेठ जी से कहती कि आप दुनिया की मदद करते हो, मगर अपनी बेटी परेशानी में होते हुए उसकी मदद क्यों नहीं करते हो? सेठ जी ले कहा- "जब उनका भाग्य उदय होगा, तो अपने आप सब मदद करने को तैयार हो जाएंगे।" एक दिन सेठ जी घर से बाहर गए थे कि तभी उनका दामाद घर आ गया। सास ने दामाद का आदर-सत्कार किया और बेटी की मदद करने का विचार उसके मन में आया कि क्यों न मोतीचूर के लड्डूओं में अशर्फियां रख दी जाएं।

यह सोचकर सेठानी ने लड्डूओं के बीच में अशर्फियां दबाकर रख दीं और दामाद को टीका लगाकर विदा करते समय पांच किलो शुद्ध देशी घी के लड्डू, जिनमें अशर्फियां थीं, दिए। दामाद लड्डू लेकर घर से चला, दामाद ने सोचा कि इतना वजन कौन लेकर जाए! क्यों न यहीं मिठाई की दुकान पर बेच दिए जाएं। दामाद ने वह लड्डूओं का पैकेट मिठाई वाले को बेच दिया और पैसे जेब में डालकर चला गया। उधर सेठ जी बाहर से आए तो उन्होंने सोचा घर के लिए मिठाई की दुकान से मोतीचूर के लड्डू लेता चलूं और सेठ जी ने दुकानदार से लड्डू मांगे। मिठाई वाले ने वही लड्डूओं का पैकेट सेठ जी को वापिस बेच दिया। सेठ जी लड्डू

लेकर घर आए। सेठानी ने जब लड्डूओं का वही पैकेट देखा तो सेठानी ने लड्डू फोड़कर देखे, अशर्फियां देखकर अपना माथा पीट लिया।

सेठानी ने सेठ जी को दामाद के आने से लेकर जाने तक और लड्डूओं में अशर्फियां छिपाने की बात कह डाली। सेठ जी बोले-"भाग्यवान मैंने पहले ही समझाया था कि अभी उनका भाग्य नहीं जागा। देखा मोहरें न तो दामाद के भाग्य में थी और न ही मिठाई वाले के भाग्य में। इसलिये कहते हैं कि भाग्य से ज्यादा और समय से पहले न किसी को कुछ मिला है और न मीलेगा।" कथा से सीख मिलती है कि ईश्वर जितना दे उसी मैं संतोष करना चाहिए। *-ऋतु गुप्ता*

झूठ और मिथ्याचार के जंगलों में मत भटकिए

हमारी अंतरात्मा जिस कार्य को उचित कहती या स्वीकार करती है, उस आचरण को करने वाला ईमानदार कहा जाता है। वास्तव में सदचरित्र का संबंध मानव के गुप्त मन से होता है। सही कार्य करने में हमें अंदर से ही एक गुप्त शांति और संतोष का अनुभव होता है। इसके विपरीत आत्मा का हनन कर छल-कपट व गलत तरीके से कार्य करने पर हमारा गुप्त मन हमें अंदर ही अंदर कचोटता रहता है। हमें शांति नहीं मिलती। हमेशा यह गुप्त भय रहता है कि हमारे इस गलत कार्य या चोरी किसी को किसी दिन किसी भी समय पता न चल जाए। हनन की हुई आत्मा ही हमें गलत की ओर जाने देती है और दुष्कर्म कराती है। असत्य या बेईमानी के कार्य द्वारा असत्य कार्य करने, रिश्वत, चोर बाजारी आदि चोरियां करने से धीरे-धीरे हमारी अंतरात्मा मर जाती है। हनन की हुई आत्मा में सत्य-असत्य, धर्म-अधर्म, उचित-अनुचित का विवेक नहीं रहता।

डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'रमण'
आध्यात्मिक लेखक

बहुत से व्यक्ति चोरी करते हुए भी बाहर से संतुष्ट से दिखते हैं, पर बुरे कार्यों की सूक्ष्म रेखाएं अंतश्चेतना के ऊपर अंकित होती रहती हैं और मन पर सदा आघात करती हैं। एक न एक दिन पाप प्रकट होता ही है और करनी का फल भुगतना ही पड़ता है। सही मार्ग के साथ आपको आत्मा की दैवी शक्तियों का भी सहयोग मिलता रहेगा। सच्चे व्यक्ति को कभी किसी गुप्त भेद के प्रकट होने का कोई भय नहीं होता। वह तो खरा है। चाहे किसी कसौटी पर कस लीजिए, सदैव चमकता ही रहेगा। सत, चित, आनंदस्वरूप आत्मा इसीलिए इस धरती पर भेजा गया है कि वह सत्य का अनुसरण करे, असत्य या झूठ के अंधकार से बचा रहे, जो

व्यक्ति यह समझता है कि बेईमानी से, लोगों की आंखों में धूल झोंककर बढ़ता रहेगा, वह वास्तव में बड़ी भूल करता है। बेईमानी, चोरी, रिश्वत, छल-कपट तो एक प्रकार की अग्नि है। वह कब छिपती है? उसे चाहे सौ पर्दों में रखा जाए, एक न एक दिन पर्दों को जलाकर प्रकट हो ही जाती है। धोखा या बेईमानी चार दिन ही फलती-फूलती सी दिखती है। वास्तव में वह नीचे की ओर गिरता जाता है। दीपक जब बुझने को होता है, तब तेजी से चमक कर शान्त हो जाता है।

इसी प्रकार इन सबसे क्षणभर के लिए समृद्धि प्रतीत होते है, पर चोरी के प्रकट होते ही वे ऐसे गहरे गड्ढे में गिर पड़ते हैं, जिससे निकलना असंभव सा हो जाता है। वे दीर्घकाल तक असत्य के अंधकार में भटकते रहते हैं। सच्चे और ईमानदार गरीब होकर भी पूजे जाते हैं, झूठे और बेईमान ठगी से अमीर होकर भी तिरस्कृत होते हैं। आप सत्य के यात्री हैं। सत्यस्वरूप आत्मा हैं। झूठ और मिथ्याचार के सुहावने दिखने वाले भयानक जंगलों में मत भटकिए। ध्यान रहे जो पैसा दूसरों को रूलाते हुये हड़प लिया जाता है, वह लेने वाले को नष्ट करके ही विदा होता है। सत्यता और ईमानदारी धर्मात्मा मनुष्य के भूषण हैं। ये ईश्वर की सत्ता के द्योतक हैं। मरते दम तक इन दिव्य गुणों का ह्रास मत होने दीजिएगा। यदि हमारी आजीविका झूठ, अन्याय, छल, कपट से कमाई हुई है, तो उस पर पलने वाली हमारी संतान भी उसका उपयोग करने पर अधिकाधिक अन्याय, झूठ और धूर्तता की ओर बढ़ती जायेगी और हमारी आने वाली पीढ़ी को भी दुखी बना डालेगी। ऐसी कमाई कमाईए, जिससे दुनिया के किसी व्यक्ति के सामने आंखें नीची न करनी पड़ें।

असत्यभाषण, क्रोध, काम इत्यादि दुष्ट मनोविकारों के वशीभूत होकर हम कई गलतियां, बेईमानी, कपट, मिथ्याचार किया करते हैं। ये दोष मन के मन में ही रह जाते हैं। मन ही चोरी से हमें पथभ्रष्ट करता है। मन के ये राक्षस किसी न किसी काने में छिपकर उभर उठने की प्रतीक्षा किया करते है। यदि हम इन्हें मन में छिपाए रहें तो हमें सदा यह भय रहता है कि न जाने ये कब उठकर हमें गिरा देंगे। इसीलिए प्रतिदिन अपना निरीक्षण करते रहना चाहिए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 में खराब प्रदर्शन से हम चिंतित नहीं हैं। यह मुश्किल समय है। एक टीम के तौर पर हमें एकजुट रहने की जरूरत है। उम्मीद है, हम सीरीज़ के तीसरे मैच में सकारात्मक सोच के साथ जाएंगे।
-कप्तान हरमनप्रीत कौर

स्टेडियम

लखनऊ, मंगलवार, 21 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

बैट से तिलक और बॉल से अश्वनी ने ढाया कहर, चार हार के बाद मुंबई की शानदार जीत

आईपीएल-2026 : गुजरात टाइटंस को 99 रनों के विशाल अंतर से रौंद दिया

अहमदाबाद, एजेंसी

तिलक वर्मा के नाबाद तूफानी शतक के बाद अश्वनी कुमार की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से मुंबई इंडियंस ने आईपीएल में सोमवार को यहां लगातार चार हार के क्रम को तोड़ते हुए गुजरात टाइटंस को 99 रन से हराया जो मौजूदा सत्र में रनों के लिहाज से किसी भी टीम की सबसे बड़ी जीत है।

तिलक ने आईपीएल के अपने पहले शतक के दौरान 45 गेंद में आठ चौकों और सात छक्कों से नाबाद 101 रन की पारी खेलने के अलावा कप्तान हार्दिक पंड्या (15 रन, 16 गेंद, एक चौका) के साथ पांचवें विकेट के लिए 81 और नमन धीर (45) के साथ चौथे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी भी की जिससे मुंबई इंडियन्स ने पांच विकेट पर 199 रन बनाए। इसके जवाब में टाइटंस की टीम अश्वनी कुमार (24 रन पर चार विकेट), अल्लाह गजनफर (17 रन पर दो विकेट) और मिचेल सेंटनर (16 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 15.5 ओवर में 100 रन पर सिमट गई और कभी लक्ष्य के करीब पहुंचने की स्थिति में भी नहीं दिखी।

टाइटंस की ओर से वाशिंगटन सुंदर ने सर्वाधिक 26 रन बनाए जबकि उनके अलावा शाहरुख खान (17), कप्तान शुभमन गिल (14) और कागिसो रबाडा (12) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। तिलक की पारी की बदौलत मुंबई की टीम अंतिम चार ओवर में 73 रन जोड़ने में सफल रही। टाइटंस की ओर से रबाडा सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 33 रन देकर तीन विकेट चटकाए। मोहम्मद सिराज ने 25 जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 54 रन देकर एक-एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे टाइटंस की शुरुआत खराब रही और टीम ने दूसरे ओवर में पांच रन तक ही साई सुदर्शन (00) और जोस बटलर (05) के विकेट गंवा दिए और टीम कभी इस खराब शुरुआत से नहीं उबर पाई। सुदर्शन ने जसप्रीत बुमराह की पारी की पहली गेंद पर प्वाइंट पर कृष भगत को कैच थमाया जबकि बटलर को पंड्या ने पगबाधा किया। वाशिंगटन सुंदर (26) ने पंड्या पर तीन चौकों के साथ शुरुआत की और फिर अश्वनी कुमार पर भी चौका जड़ा। गिल ने बुमराह पर दो चौके मारे लेकिन अश्वनी कुमार की गेंद पर डीप स्क्वायर लेग पर नमन को कैच दे बैठे। टाइटंस ने पावर प्ले में तीन विकेट पर 45 रन बनाए। सुंदर भी इसके बाद मिचेल सेंटनर की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में बाउंड्री पर नमन के हाथों लपके गए। एक गेंद बाद ग्लेन फिलिप्स (06) भी सेंटनर को उनकी गेंद पर वापस कैच देकर पवेलियन लौट गए जिससे टाइटंस का स्कोर पांच विकेट पर 55 रन हो गया। शाहरुख और राहुल तेवतिया (08) ने कुछ देर विकेटों के पतन पर विराम लगाया लेकिन तेवतिया इसके बाद अश्वनी की गेंद पर विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक को कैच दे बैठे। अश्वनी ने अगले ओवर में राशिद खान (04) और शाहरुख की पारी का अंत किया जबकि गजनफर ने रबाडा और सिराज (00) को आउट करके मुंबई को जीत दिलाई। इससे पहले गिल ने टॉस जीतकर मुंबई इंडियन्स को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया जिस फैसले को रबाडा ने सही साबित करते हुए चौथे ओवर में 25 रन तक दोनों सलामी बल्लेबाजों क्विंटन डिकॉक (13) और दानिश मालेवार (02) को पवेलियन भेज दिया।

चौथा विकेट लेने के बाद जश्न मनाते मुंबई इंडियंस के गेंदबाज अश्वनी कुमार। एजेंसी

मुंबई इंडियंस

199/5 (20 ओवर)

क्विंटन डिकॉक का एवं बो रबाडा	13
दानिश मालेवार पगबाधा बो रबाडा	02
नमन धीर का रबाडा बो प्रसिद्ध	45
सूर्यकुमार यादव बो रबाडा	15
तिलक वर्मा नाबाद	101
हार्दिक पंड्या का फिलिप्स बो सिराज	15
शेरफेन रदरफोर्ड नाबाद	01

अतिरिक्त: 07, **विकेट पतन**: 1-10, 2-25, 3-44, 4-96, 5-177, **गेंदबाजी**: सिराज 4-0-25-1, रबाडा 4-0-33-3, अशोक 3-0-38-0, राशिद 4-0-31-0, प्रसिद्ध 4-0-54-1, सुंदर 1-0-13-0

गुजरात टाइटंस

100/10 (15.5 ओवर)

साई सुदर्शन का भगत बो बुमराह	00
शुभमन गिल का नमन बो अश्वनी	14
जोस बटलर पगबाधा बो पंड्या	05
वाशिंगटन सुंदर का नमन बो सेंटनर	26
ग्लेन फिलिप्स का एवं बो सैंटनर	06
राहुल तेवतिया का डिकॉक बो अश्वनी	08
शाहरुख खान का नमन बो अश्वनी	17
राशिद खान का स्थानापन्न बो अश्वनी	04
कागिसो रबाडा स्टं डिकॉक बो गजनफर	12
अशोक शर्मा नाबाद	01
मोहम्मद सिराज पगबाधा बो गजनफर	00

अतिरिक्त: 07, **विकेट पतन**: 1-0, 2-5, 3-40, 4-54, 5-55, 6-79, 7-85, 8-86, 9-99, **गेंदबाजी**: बुमराह 3-0-15-1, पंड्या 1-0-18-1, भगत 2-0-10-0, अश्वनी 4-0-24-4, गजनफर 2.5-0-17-2, सेंटनर 3-0-16-2

IPL 2026

आज के मुकाबले

सनराइजर्स हैदराबाद
बनाम
दिल्ली कैपिटल्स

समय - शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-283 रन
- शुभमन गिल गुजरात-251 रन
- विराट कोहली बेंगलुरु-247 रन

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई - 13 विकेट
- प्रसिद्ध कृष्णा गुजरात - 12 विकेट
- प्रिंस यादव लखनऊ- 11 विकेट

शतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते तिलक वर्मा। एजेंसी

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	6	5	0	1	11	1.420
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	6	4	2	0	8	1.171
3.	राजस्थान रॉयल्स	6	4	2	0	8	0.599
4.	सनराइज़र्स हैदराबाद	6	3	3	0	6	0.566
5.	दिल्ली कैपिटल्स	5	3	2	0	6	0.310
6.	गुजरात टाइटंस	6	3	3	0	6	-0.821
7.	मुंबई इंडियंस	6	2	4	0	4	0.067
8.	चेन्नई सुपर किंग्स	6	2	4	0	4	-0.780
9.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	6	2	4	0	4	-1.173
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	1	5	1	3	-0.879

हाईलाइट

गोल्फर हन्ना ग्रीन ने जीती जेएम ईगल एलए चैंपियनशिप

लॉस एंजिलिस। जेएम ईगल एलए चैंपियनशिप में हन्ना ग्रीन ने प्रतियोगिता का खिताब जीता। उन्होंने अंतिम दौर में चार अंडर 68 के स्कोर से कुल 17 अंडर 271 का स्कोर बनाया। इस प्रतियोगिता में भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में चार ओवर 76 के स्कोर से संयुक्त 51वें स्थान पर रहीं। अदिति ने अंतिम दौर में एक बर्डी की लेकिन वह दो बोगी और एक ट्रिपल बोगी कर गईं जिससे उनका स्कोर चार ओवर रहा। वर्ष 2017 में लेडीज पीजीए से जुड़ने वाली अदिति को टूर पर अपनी पहली जीत का इंतजार है।

लखनऊ सुपर जाएंट्स से जुड़ सकते हैं जॉश इंग्लिस

लखनऊ। मुश्किलों से जूझ रही लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए सत्र के बीच में एक बड़ी राहत की खबर है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के तूफानी बल्लेबाज जोश इंग्लिस चार मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले आईपीएल मैच से पहले टीम में शामिल हो सकते हैं। अपनी शादी की वजह से 31 साल के इंग्लिस ने सत्र के पहले हाफ में नहीं खेलने का फैसला किया था। 18 अप्रैल को शादी के बंधन में बंधने के बाद इंग्लिस के कुछ समय के ब्रेक के बाद भारत आने की उम्मीद है। उन्हें लखनऊ ने आठ करोड़ 60 लाख रुपये में खरीदा था।

मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को हरा खिताबी दौड़ को रोमांचक बनाया

प्रीमियर लीग

मैनचेस्टर, एजेंसी

स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड कि दूसरे हाफ में किए गए गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को 2-1 से हराकर प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ को रोमांचक बना दिया है। इस जीत से इस सिटी के 32 मैच में 67 अंक हो गए हैं जबकि शीर्ष पर काबिज आर्सेनल के 33 मैच में 70 अंक हैं। तीसरे और चौथे नंबर पर काबिज मैनचेस्टर यूनाइटेड और एस्टन विला के समान 58 अंक हैं।

मैनचेस्टर सिटी को रेलीगेशन के खतरे से जूझ रही बर्नली के खिलाफ मैच खेलना है और संभावना है कि पेप गार्डियोला की टीम इस मैच में जीत हासिल करके आर्सेनल की बराबरी पर पहुंच जाएगी और पांच दौर के मैच शेष रहते हुए बढ़त हासिल कर लेगी।

हालैंड ने 65वें मिनट में गोल किया जो उनका लीग में 23वां गोल है और वह इस प्रतियोगिता के मौजूदा सत्र में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। रायन चेर्की ने 16वें मिनट में सिटी को बढ़त दिलाई, लेकिन आर्सेनल ने दो मिनट बाद ही काई हावर्ट्ज के गोल से बराबरी कर दी थी। इस बीच लिवरपूल और एस्टन विला ने स्टॉपेज टाइम में विजयी गोल दागने के बाद चैंपियंस लीग में जगह बनाने की तरफ कदम बढ़ाए। वर्जिल वैन डाइक ने अतिरिक्त समय के 10वें मिनट में हेडर से गोल करके लिवरपूल को एवर्टन के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई। इस मैच में मोहम्मद सलाह ने रिकॉर्ड की बराबरी करने वाला गोल किया। उन्होंने लिवरपूल की तरफ से 1992 (प्रीमियर लीग युग) के बाद सर्वाधिक गोल करने के स्टीवन जेरार्ड के बराबरी की। सलाह इस सत्र के बाद लिवरपूल छोड़ देंगे।

आर्सेनल टीम को चकमा देकर गोल का प्रयास करता मैनचेस्टर सिटी का खिलाड़ी।

घरेलू परिस्थितियों का लाभ लेना चाहेगा हैदराबाद

हैदराबाद, एजेंसी

पिछले दो मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाली सनराइजर्स हैदराबाद की टीम मंगलवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगी। दोनों टीम के अभी छह-छह अंक है लेकिन सनराइजर्स का नेट रन रेट बेहतर है और इसलिए वह चौथे स्थान पर काबिज है। कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में सनराइजर्स की गेंदबाजी कमजोर नजर आ रही थी लेकिन उसने धीरे-धीरे इसमें सुधार कर लिया है। कमिंस भी टीम से जुड़ गए हैं लेकिन वह इस मैच में नहीं खेल पाएंगे।

सनराइजर्स की तरफ से पिछले दो मैच में अपेक्षाकृत कम चर्चित खिलाड़ियों प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन और शिवांग कुमार ने मौकों का पूरा फायदा उठाया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हिंगे के शानदार प्रदर्शन के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ ईशान मलिंगा की अगुवाई में गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे उसकी टीम जीत हासिल करने में सफल रही। बल्लेबाजी सनराइजर्स का मजबूत पक्ष रहा है लेकिन पिछले कुछ मैच में उसके प्रमुख बल्लेबाज जैसे ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, कार्यवाहक कप्तान ईशान किशन अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बनाए रख पाए हैं।

अभ्यास सत्र के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा (बाएं से दूसरे) और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल (दाएं से दूसरे)। एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स में निरंतरता की कमी

दिल्ली कैपिटल्स की टीम अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाई है। केएल राहुल, पथुम निसांका और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे बल्लेबाजों ने रन बनाए हैं, लेकिन टीम को उनसे और अधिक योगदान की जरूरत है। पहले दो मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले समीर रिजवी पिछले तीन मैच में दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच पाए जो दिल्ली कैपिटल्स के लिए चिंता का विषय है। दिल्ली की गेंदबाजी में हालांकि विविधता है और पिछले साल टीम की तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की अनुपस्थिति के बावजूद उसके गेंदबाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने किफायती गेंदबाजी और विकेट लेने की क्षमता का बेहतरीन तालमेल बिठाते हुए गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया है। उन्होंने अब तक पांच मैचों में सात विकेट लिए हैं।

- दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला आज

टीम

सनराइजर्स हैदराबाद: ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी.

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब डार, नीतीश राणा, मिचेल स्टार्क, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

गर्व की बात | अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक साल में 65 किग्रा भार वर्ग में अपराजेय हैं भारतीय पहलवान सुजीत कलकल

ऐसा नहीं है कि कोई मुझे हरा नहीं सकता : सुजीत

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पिछले एक साल में 65 किग्रा भार वर्ग में लगभग अजेय रहे भारतीय पहलवान सुजीत कलकल स्वयं को अपना आदर्श और जीत का प्रबल दावेदार मानते हैं लेकिन इसके साथ ही वह एलीट वर्ग की प्रतियोगिताओं में परिणाम को लेकर अनिश्चितता क प्रति भी जागरुक हैं। सुजीत ने जून 2025 में अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप में मिली जीत के बाद से सीनियर विश्व चैंपियनशिप को छोड़कर प्रत्येक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने हाल में बिश्केक में सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उनका मानना है कि प्रदर्शन में निरंतरता और आत्मविश्वास उनकी सफलता की कुंजी रहे हैं।

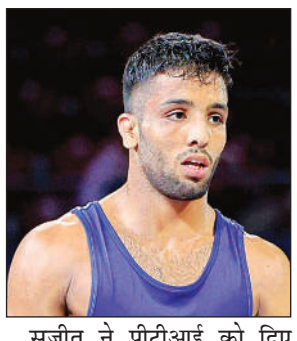

सुजीत ने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहामैं किसी खास व्यक्ति का अनुसरण नहीं करता। मुझे अपने मुकाबले देखना पसंद हैं, वह भी विशेषकर रविवार को। आप कह सकते हैं कि मैं खुद को अपना आदर्श मानता हूं। सुजीत भले ही किसी विशेष पहलवान को अपना आदर्श नहीं मानते, लेकिन वह योगेश्वर दत्त, बजरंग पूनिया और अमित धनकड़ जैसे दिग्गज पहलवानों की प्रशंसा करते हैं। उन्होंने कहा मैं योगेश्वर दत्त और अन्य पहलवानों को देखता था। उनसे सहनशक्ति, गति और ताकत जैसी कई चीजें सीखने को मिलती हैं, लेकिन मैं अधिकतर अपने मुकाबलों का विश्लेषण करता हूं। हमारा कार्यक्रम व्यस्त रहता है, लेकिन रविवार या विश्राम के दिनों में मैं अपने और सीनियर पहलवानों के मुकाबले देखता हूं। इससे गलतियों की पहचान करने और उनमें सुधार करने में मदद मिलती है। सुजीत ने 65 किग्रा में अपने दबदबे के बावजूद यह मानने से इनकार कर दिया कि इस वजन वर्ग में उनका पूर्ण नियंत्रण है। उनसे पहले ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया इस भार वर्ग में भाग लेते थे। उन्होंने कहा ऐसा कुछ नहीं है कि कोई मुझे हरा नहीं सकता। हर कोई कड़ी मेहनत करता है। जिसका दिन अच्छा होता है, वही जीतता है। ईश्वर की कृपा से मैं अब तक जीतता आया हूं और आगे भी जीतता रहूंगा तथा अपने देश को गौरवान्वित करूंगा।

इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि आगामी एशियाई खेल में उनके प्रदर्शन की असली परीक्षा होगी। उन्होंने कहा मैं पिछले दो साल से किसी भारतीय पहलवान से नहीं हारा हूं। ईरान और जापान की बात करें तो एशियाई खेलों में हमें अपना स्तर पता चल जाएगा। अभी भी कुछ कमियां हैं और हम उन पर काम कर रहे हैं। अपनी मजबूत रक्षण और तीखे जवाबी हमले करने में माहिर सुजीत ने स्वीकार किया कि अब उनका ध्यान अपने आक्रामक खेल, सहनशक्ति और ताकत में सुधार करने पर है।

कौशल को निखारने के लिए विभिन्न भार वर्गों में करते अभ्यास

सुजीत अपने कौशल को निखारने के लिए विभिन्न भार वर्गों में अभ्यास करते हैं। उन्होंने कहा हम ताकत और सहनशक्ति बढ़ाने के लिए अधिक वजन वाले पहलवानों तथा गति सुधारने के लिए 57 और 61 किग्रा भार वर्ग के पहलवानों के साथ अभ्यास करते हैं। इससे काफी मदद मिलती है। सुजीत ने कहा कि उनका ध्यान इस साल होने वाले एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप पर है क्योंकि दोनों प्रतियोगिताएं काफी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा एशियाई खेल चार साल में एक बार होते हैं और पिछली विश्व चैंपियनशिप में एक छोटी सी गलती के कारण मैं पदक से चूक गया था।

विश्व एथलेटिक्स ने भारत को डोपिंग में बेहद जोखिम वाली श्रेणी में रखा

मोनाको, एजेंसी

पिछले दो वर्षों से डोपिंग के मामले में शीर्ष पर रहने के बाद विश्व एथलेटिक्स ने सोमवार को भारत को डोपिंग के मामले में बेहद जोखिम वाला देश करार दिया जिससे एथलीटों पर अधिक सख्त डोपिंग रोधी नियम लागू होंगे। एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) बोर्ड ने हाल ही में लिए गए एक फैसले में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) को विश्व एथलेटिक्स के डोपिंगरोधी नियमों के नियम 15 के तहत श्रेणी बी से फिर से श्रेणी ए में रख दिया है।

एआईयू के अध्यक्ष डेविड हॉमन ने एक विज्ञप्ति में कहा भारत में डोपिंग की स्थिति लंबे समय से बेहद जोखिम वाली रही है और

दुर्भाग्य से घरेलू डोपिंग रोधी कार्यक्रम की गुणवत्ता डोपिंग के जोखिम के अनुपात में बिल्कुल भी नहीं है। उन्होंने कहा एएफआई ने हालांकि भारत में डोपिंग में सुधारों की वकालत की है लेकिन इसके बावजूद पर्याप्त बदलाव नहीं हुए हैं। एआईयू अब एएफआई के साथ मिलकर एथलेटिक्स खेल की अखंडता को बनाए रखने के लिए सुधार करने की दिशा में काम करेगा जैसा कि हमने श्रेणी ए में शामिल अन्य देशों के साथ किया है। भारत 2022 और 2025 के बीच एथलेटिक्स में डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघनों (एडीआरवी) के मामले में शीर्ष दो देशों में शामिल रहा है। एआईयू के अनुसार भारत में 2022 में 48 एडीआरवी (दूसरा स्थान), 2023 में 63 (दूसरा स्थान), 2024 में 71 (पहला स्थान) और 2025 में 30 एडीआरवी (पहला स्थान) दर्ज किए गए।

विश्व एथलेटिक्स डोपिंगरोधी नियमों के तहत एआईयू बोर्ड सभी सदस्य संघों को खेल में डोपिंग के जोखिम के आधार पर वर्गीकृत करता है। श्रेणी ए में उन सदस्य देश को रखा जाता है जहां डोपिंग का जोखिम सर्वाधिक होता है। इन देशों के प्रति डोपिंग के मामले में अधिक कड़ा रवैया अपनाया जाता है।